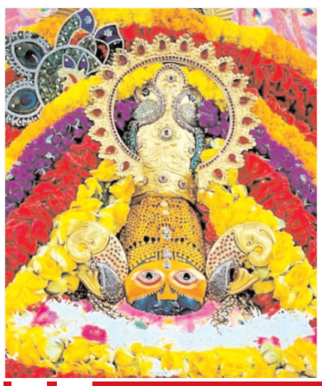

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :15 । अंक:282। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 03 जून 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

कांग्रेस ने ममता बनर्जी के धरने को अधिकार बताया तो भाजपा ने 'जनता के गुस्से का आईना'

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी के धरने का समर्थन किया। यह धरना उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों और रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले फेरीवालों को हटाए जाने के विरोध में था। कांग्रेस ने इसे ममता बनर्जी का 'संवैधानिक अधिकार' बताया। वहीं, भाजपा ने कहा कि इस तरह के विरोध प्रदर्शन का पश्चिम बंगाल के लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जो टीएमसी से नाराज हो चुके हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से ??बातचीत करते हुए कहा कि अगर लोकतंत्र में कहीं भी अन्याय होता है तो संविधान उसके खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार देता है और ममता बनर्जी भी यही कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सबने देखा है कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला किया गया। वह टीएमसी में दूसरे नंबर के नेता हैं और सांसद हैं। अगर वह भाजपा सरकार के राज में सुरक्षित नहीं हैं तो मैं कहूंगा कि यह भाजपा द्वारा सोची-समझी साजिश के तहत उनके खिलाफ किया गया हमला है।

प्रमोद तिवारी ने तृणमूल कांग्रेस के एक और सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि वह पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन इस हमले में उनके सिर पर चोट लगी। तृणमूल कांग्रेस के दर्जनों दफ्तरों में तोड़फोड़ की गई और उन्हें

आग के हवाले कर दिया गया।

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि आजाद भारत में अब तक ऐसी घटनाएं कभी नहीं हुई थीं। यह भारतीय जनता पार्टी का तानाशाही वाला चेहरा है।

उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों से अपील की कि वे एक साथ आएं और भाजपा की कथित गुंडागर्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करें।दूसरी ओर, भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है।

उन्होंने कहा कि वह हताश, परेशान और निराश हैं। तृणमूल के सदस्य, चाहे वह सांसद कल्याण बनर्जी हों या सांसद अभिषेक बनर्जी, सब के सब राजनीतिक नौटंकी में लगे हुए हैं। ममता बनर्जी आज जिस विरोध प्रदर्शन की योजना बना रही हैं, उसका कोई असर नहीं होगा। उन्हें अपनी पार्टी पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता राज्य में तृणमूल कांग्रेस के कुशासन के लिए उनसे जवाब मांग रही है।

भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने कहा कि एक महीने के अंदर ही हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। ममता बनर्जी ने कभी नहीं सोचा था कि लोगों के लिए उन्होंने जो मुश्किलें खड़ी की थीं, वे इतनी जल्दी जनता के गुस्से के रूप में उनकी पार्टी के सामने वापस आ जाएंगी। आज, वह एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही हैं। अगर उनकी पार्टी ने इतने सालों तक लोगों के लिए काम किया होता तो शायद आज ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनावों में हार के बाद टीएमसी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। अब उनके पास ज्यादा कार्यकर्ता भी नहीं बचे हैं।

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में आज शपथ लेंगे डी.के. शिवकुमार

राजधानी में तैयारियां पूरी

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। राज्य के मनोनीत मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बुधवार (3 जून) को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावर चंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे शपथ दिलाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित समारोह को लेकर राजधानी में व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है।

राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से समारोह को भव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्य भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। हालांकि मंत्रिमंडल के अंतिम स्वरूप को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। समारोह में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी रहने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री

और इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से वीआईपी अतिथियों के लिए निमंत्रण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। लगभग 800 विशिष्ट अतिथियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है, जबकि 2,200 से अधिक प्रवेश पास जारी किए गए हैं।

राजस्थान में राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन शुरू

•भाजपा और कांग्रेस के अभी तक उम्मीदवार घोषित नहीं

एजेंसी

जयपुर । राजस्थान में राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई, लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक राज्य से खाली हो रही तीन सीटों

•राजस्थान में, 200 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा की मौजूदा स्थिति काफी मजबूत है, जिससे वह तीन में से दो सीटें आसानी से हासिल करने की स्थिति में है।

के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन कोई भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया। उम्मीदवार 8 जून तक अपने नामांकन जमा कर सकते हैं, जबकि कागजों की जांच 9 जून को की जाएगी। वहीं, नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 11 जून है और मतदान 18 जून को होगा। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच उम्मीदवार या उनके किसी एक प्रस्तावक द्वारा दाखिल किए जा सकते हैं। इस चुनाव का राजनीतिक महत्व बढ़ गया है, क्योंकि राजस्थान

विधानसभा के प्रधान सचिव भरत भूषण शर्मा को इन चुनावों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। नामांकन पत्र राजस्थान विधानसभा के कमरा नंबर 106 में से राज्यसभा के तीन सदस्यों, राजेंद्र गहलोत, रवनीत सिंह बिट्टू और नीरज डांगी, का कार्यकाल 20 जून को समाप्त होने वाला है। इनमें से दो सांसद भाजपा के हैं, जबकि डांगी कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नामांकन प्रक्रिया जारी होने के साथ ही, भाजपा ने अपने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए विचार-विमर्श तेज कर दिया है। सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने उन राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ चर्चा की, जहां राज्यसभा चुनाव होने हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संभावित उम्मीदवारों पर विस्तार से विचार-विमर्श चल रहा है, और पार्टी की कोर कमेटी भी इस परामर्श प्रक्रिया में शामिल है। दस राज्यों में राज्यसभा की 24 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। इसके अलावा कुछ अन्य जगहों पर भी सीटें खाली हैं। ऐसे में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पार्टी नेतृत्व के लिए राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण हो गई है।

चंडीगढ़ में बादशाह के क्लब पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नियमों के उल्लंघन पर किया गया सील

एजेंसी

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ में प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन को लेकर सख्त कदम उठाते हुए मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह से जुड़े एक चर्चित क्लब को सील कर दिया है। दरअसल, चंडीगढ़ प्रशासन की बिल्डिंग ब्रांच और एस्टेट ऑफिस की टीम ने सेक्टर-26 स्थित क्लब पर कार्रवाई की है। अधिकारियों ने क्लब के मुख्य द्वार पर सील लगाकर उसे बंद कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि क्लब में नियमों का पालन नहीं किया गया था और निर्धारित दिशा-निर्देशों के विरूद्ध बदलाव किए गए थे। इसी कारण यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, प्रशासन को काफी समय से क्लब में निर्माण संबंधी अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान पाया गया कि बिल्डिंग

में कुछ ऐसे बदलाव किए गए थे जो नक्शे और निर्धारित बिल्डिंग बायलॉज के अनुरूप नहीं थे। अधिकारियों ने कई बार नोटिस जारी कर नियमों के अनुसार कमियां दूर करने और बिल्डिंग को स्वीकृत मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए थे।

प्रशासन का दावा है कि बार-बार चेतावनी देने और पर्याप्त समय देने के बावजूद क्लब में पॉलिसी के अनुसार जरूरी बदलाव नहीं किए गए। ऐसे में नियमों के तहत कार्रवाई करना जरूरी हो गया। इसी के तहत टीम मौके पर पहुंची और क्लब के मुख्य दरवाजों को सील कर दिया गया। इससे पहले बादशाह अपने एक गाने 'टटीरी' को लेकर विवादों में थे। इस गाने के अश्लील बोलों के चलते उनके खिलाफ एफआईआर और हरियाणा महिला आयोग की ओर से समन तक जारी हुआ था, जिसके बाद उन्हें माफी मांगनी पड़ी। साथ ही गाने को सभी प्लेटफॉर्म से हटाना पड़ा।

एलयूसीसी चिटफंड घोटाला: सीबीआई ने दो मुख्य आरोपितों को मुंबई से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तराखंड के चर्चित एलयूसीसी चिटफंड घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए इसके दो कथित मास्टरमाइंड किशन जैन और पंकज जैन उर्फ पंकज चौधरी को मुंबई से गिरफ्तार किया। दोनों पर आरोप है कि इन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर एलयूसीसी की अनियमित जमा योजनाओं के माध्यम से निवेशकों से जुटाई गई राशि के संग्रह, संचालन, हेराफेरी और गबन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि दोनों आरोपितों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी वित्तीय अभिलेखों के विस्तृत विश्लेषण, बैंक लेनदेन की जांच, मौखिक साक्ष्यों के संकलन और देश के विभिन्न राज्यों में किए गए व्यापक अन्वेषण के बाद हुई।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति ने की मुलाकात

भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलस माशातिले से मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कौशल विकास और लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर भी

जोर दिया गया। इस दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत और दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ (सैकू) के बीच प्रस्तावित वरीयता व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए इसके लिए जल्द वार्ता शुरू होने और सफल निष्कर्ष तक पहुंचने की आशा व्यक्त की। दोनों पक्षों ने ब्रिक्स, जी-20, इब्सा और हिंद महासागर रिम संघ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने तथा वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया। बैठक में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का स्वागत किया गया। दोनों देशों ने भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी वाले आईबीएसएएमएआर नौसैनिक अभ्यास के आगामी संस्करणों के माध्यम से सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई।उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भारत के चीता पुनर्वास कार्यक्रम के लिए दक्षिण अफ्रीका द्वारा चीतों की आपूर्ति में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत जंगल में सफल प्रजनन सहित हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए इस संरक्षण पहल में दक्षिण अफ्रीका के निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। उपराष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीका को भारत की प्रमुख बहुपक्षीय पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन और अंतरराष्ट्रीय 'बिग कैट अलायंस' से जुड़ने पर भी विचार करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि ये पहलें दोनों देशों के साझा विकास और सतत विकास के उद्देश्यों के अनुरूप हैं। बैठक में दोनों नेताओं ने शांति, समृद्धि, सतत विकास और वैश्विक दक्षिण के हितों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करने तथा भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज 3 से 7 जून तक भारत की यात्रा पर आयेंगी। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और दोनों देश ऊर्जा, व्यापार, निवेश, औषधि, स्वास्थ्य, परिवहन तथा नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करेंगी। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में बताया कि डेल्सी रोड्रिगेज इससे पहले एक जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय 'बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने वाली थीं, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के कारण उनकी यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किया गया। अब वह 3 से 7 जून तक भारत की कार्यकारी यात्रा पर आएंगी। जायसवाल ने कहा कि कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। प्रतिनिधिमंडल में वेनेजुएला के विदेश मंत्री, अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, संचार एवं सूचना मंत्री तथा परिवहन मंत्री सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि डेल्सी रोड्रिगेज का भारत के साथ लंबे समय से संपर्क रहा है और वह विभिन्न भूमिकाओं में कई बार भारत आ चुकी हैं। वर्ष 2015 में वह वेनेजुएला की विदेश मंत्री के रूप में भारत आई थीं। इसके बाद 2019, 2023, 2024 और 2025 में उपराष्ट्रपति के रूप में भारत का दौरा कर चुकी हैं।

ट्विशा शर्मा केस : गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

•सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत में मीडिया ट्रायल को लेकर गंभीर आपत्ति जताई।

एजेंसी

भोपाल । ट्विशा शर्मा केस में मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत में कई अहम घटनाक्रम सामने आए। सीबीआई ने गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह की रिमांड अवधि समाप्त होने पर उनके लिए आगे की पुलिस रिमांड की मांग नहीं की। इसके बाद अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत में मीडिया ट्रायल को लेकर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि वे जहां भी जा रहे हैं, मीडिया उनके पीछे पहुंच रही है। गिरिबाला ने अदालत से अनुरोध किया कि इस तरह की

कवरेज पर रोक लगाई जाए, क्योंकि इससे उनके परिवार की सुरक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। गिरिबाला ने हाल ही में हुए सीन-रीक्रिएशन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने अदालत को बताया कि उस दौरान उन्हें उनके घर से करीब तीन मकान पहले उतारा गया और मीडिया को इसकी फुटेज उपलब्ध कराई गई। उनका कहना था कि यदि जांच एजेंसी को उनके घर तक जाना था तो वाहन सीधे उनके घर के सामने भी रोका जा सकता था।

वहीं, सीबीआई की ओर से अदालत को बताया गया कि फिलहाल एजेंसी न्यायिक रिमांड की मांग कर रही है। जांच एजेंसी ने कहा कि यदि आगे जांच के दौरान आवश्यकता महसूस हुई तो पुलिस रिमांड की मांग की जा सकती है। सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष में दोनों पक्षों के वकीलों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली। इसी दौरान गिरिबाला सिंह ने आरोप लगाया कि उनके बेटे समर्थ सिंह के साथ जबलपुर कोर्ट परिसर में मारपीट की गई थी।

'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में स्वस्थ भारत होना बुनियादी जरूरत: जेपी नड्डा

•'तृतीयक स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में संस्थान के बढ़ते योगदान की सराहना की'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को एम्स बठिंडा के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित किया और पास होकर निकले छात्रों को उनके पेशेवर सफर की शुरुआत करने पर बधाई दी। उन्होंने तृतीयक स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में संस्थान के बढ़ते योगदान की सराहना की। जेपी नड्डा ने छात्रों को उनकी शैक्षणिक यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने पर बधाई दी और दूसरे दीक्षांत समारोह को छात्रों, उनके माता-पिता, संकाय सदस्यों और पूरे एम्स बठिंडा परिवार के लिए गर्व और उत्सव का क्षण बताया। उन्होंने संस्थान की तेजी से हुई प्रगति और इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में उसके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि एम्स बठिंडा आज प्रतिदिन लगभग 3,000 ओपीडी मरीजों और लगभग 600 ओपीडी मरीजों का इलाज करता है और साथ ही एम्स ब्रांड से जुड़े उच्च मानकों और विश्वसनीयता को भी बनाए रखता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एम्स बठिंडा की सामुदायिक पहुंच की पहलों की भी सराहना की, जिसमें आसपास के 59 गांवों में हर महीने दो बार 'आयुष्मान शिविर' आयोजित करना शामिल है, जहां नागरिकों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों के लिए जांच की जाती है।

उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन सेवाओं, मोबाइल मेडिकल इकाइयों, ग्रामीण जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य सेवा पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से यह संस्थान केवल अस्पताल-आधारित देखभाल से आगे

बढ़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए स्वास्थ्य सेवा सुधारों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि भारत का स्वास्थ्य सेवा दृष्टिकोण मुख्य रूप से 'उपचारात्मक मॉडल' से विकसित होकर एक ऐसे व्यापक ढांचे में बदल गया है, जिसमें निवारक, प्रोत्साहक, पुनर्वास, प्रशामक और बुजुर्गों की देखभाल शामिल है। उन्होंने बताया कि आज 1.82 लाख से अधिक 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संपर्क के पहले बिंदु के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सरकार के निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर जोर देने की बात पर बल देते हुए बताया कि 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को पंचायतों, आशा कार्यकर्ताओं और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से नियमित जांच (स्क्रीनिंग) करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन पहलों के तहत हुई प्रगति की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि 36 करोड़ से अधिक लोगों की मुंह के कैंसर के लिए, 17 करोड़ से अधिक महिलाओं की स्तन कैंसर के लिए और 9 करोड़ से अधिक महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच की गई है। इसके अलावा 42 करोड़ से अधिक लोगों की मधुमेह और उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) के लिए जांच की गई है, जबकि देशव्यापी तपेदिक (टीबी) जांच अभियान भी चल रहा है। राष्ट्र निर्माण में स्वास्थ्य के महत्व का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' का सपना केवल एक स्वस्थ और कर्मठ आबादी के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि सरकारें बुनियादी ढांचा और आधुनिक सुविधाएं प्रदान कर सकती है।

गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन का विवादित पुलिसकर्मी 'गिरी' निजी ऑफिस से चला रहा बूटलेगरों का नेटवर्क!

खाकी वर्दी में छिपा काला चेहरा! अहमदाबाद पुलिस शर्मसारः प्राइवेट ऑफिस से चल रहा शराब माफियाओं का सिंडिकेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस महकमे की साख पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर में कथित 'वहीवटदार' के रूप में चर्चित 'गिरी' कोई निजी व्यक्ति नहीं, बल्कि पुलिस विभाग का ही कर्मचारी बताया जा रहा है। आरोप है कि यह पुलिसकर्मी सरकारी ड्यूटी छोड़ वाडज पुलिस चौकी के पास स्थित एक निजी ऑफिस से पूरे शहर के बूटलेगरों और अवैध धंधेबाजों का लाखों रुपए का नेटवर्क संचालित कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, उक्त कर्मचारी पुलिस स्टेशन में बैठने के बजाय एक गुप्त प्राइवेट ऑफिस में डेरा जमाकर रोजाना शराब माफियाओं और अपराधियों के साथ आर्थिक लेन-देन करता है। इस पूरे मामले ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं।

स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल

स्थानीय लोगों में चर्चा है कि संबंधित पुलिस अधिकारियों का ध्यान आम जनता की सुरक्षा से ज्यादा कथित 'हफ्तावसूली' पर केंद्रित है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतने बड़े स्तर पर अवैध कारोबार बिना पुलिस संरक्षण के कैसे चल सकता है?

PCB, क्राइम ब्रांच और DCP स्क्वॉड क्यों खामोश?

मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राज्य की बड़ी जांच एजेंसियां – पीसीबी, क्राइम ब्रांच और डीसीपी स्क्वॉड – अब तक कार्रवाई क्यों नहीं कर पाई हैं? सूत्रों का दावा है कि इस नेटवर्क को विभाग के कुछ बड़े अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते कार्रवाई से बचाया जा रहा है।

करोड़ों की संपत्ति ने बढ़ाए सवाल

बताया जा रहा है कि वर्षों से विवादों में रहे इस पुलिसकर्मी के पास करोड़ों की संपत्ति, आलीशान बंगले, लग्जरी गाड़ियां और बेशकीमती जमीनें मौजूद हैं। सवाल यह उठता है कि सरकारी वेतन पाने वाला कर्मचारी इतनी बड़ी संपत्ति का मालिक कैसे बन गया?

गृह विभाग से कार्रवाई की मांग

अब नजरें राज्य के गृह विभाग और उपमुख्यमंत्री पर टिकी हैं। जनता जानना चाहती है कि क्या खाकी की आड़ में चल रहे इस कथित अवैध नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई होगी या फिर पूरा मामला दबा दिया जाएगा? यदि भविष्य में जहरीली शराब से कोई बड़ा हादसा होता है, तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी?

गुलबाई टेकरा बना अपराध का अड्डा?

जानकारी के अनुसार, गुलबाई टेकरा क्षेत्र में अवैध गतिविधियां खुलेआम फल-फूल रही हैं। आरोप है कि पुलिस संरक्षण में यहां केमिकलयुक्त जहरीली देसी शराब बेची जा रही है, जिससे भविष्य में किसी बड़े लठ्ठाकांड की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा विदेशी शराब के कंटेनरों की कटिंग, अवैध सप्लाई और स्पा सेंटरों की आड़ में देह व्यापार जैसे संगठित अपराध भी धड़ल्ले से संचालित होने की चर्चा है।

चलती ट्रेन में लेबर पेन से कराह रही महिला, फरिश्ता बनी सरकारी गायनेकोलॉजिस्ट, डिलीवरी कराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वीरमगाम। कहते हैं कि डॉक्टर धरती पर भगवान का दूसरा रूप होते हैं। एक ऐसी इंसानी घटना सामने आई है जो इसे सच साबित करती है। जबलपुर-सोमनाथ ट्रेन में सफर कर रही एक प्रेग्नेंट महिला को अचानक लेबर पेन हुआ तो वीरमगाम स्ष्ठ॥ (सरकारी हॉस्पिटल) की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अदिति पाठक ने अपनी अनोखी सूझबूझ से चलती ट्रेन में मुश्किल लेकिन सफल डिलीवरी कराकर मेडिकल जगत का गौरव बढ़ाया है। डिलीवरी के बाद डॉ. अदिति पाठक प्रेग्नेंट महिला को वीरमगाम सरकारी हॉस्पिटल लेकर आईं। परिवार में खुशी का माहौल था। सरकारी डॉक्टर और हॉस्पिटल स्टाफ की तुरंत और समझदारी से काम करने की वजह से आज मां और बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं। ममता घराने के डॉक्टरों और स्टाफ की इस नेक सेवा की तारीफ़ करते हुए परिवार ने मुस्कुराते हुए उनका शुक्रिया अदा किया। सोशल मीडिया पर भी डॉ. अदिति पाठक और हॉस्पिटल की टीम को बधाईयों का तांता लगा हुआ है। वीरमगाम स्ष्ठ॥ की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अदिति पाठक ने CMM भारत से पूरी घटना के बारे में डिटेल में बात की।

ट्रेन में अचानक लेबर पेन शुरू हुआ

मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद से सुरेंद्रनगर जा रही 25 साल की आरतीबेन भरतभाई देवीपूजक जबलपुर-सोमनाथ ट्रेन में सफ़र कर रही थीं। इस दौरान उन्हें अचानक बहुत ज़्यादा लेबर पेन हुआ। ट्रेन में बच्चे की डिलीवरी कैसे होगी, यह परिवार के लिए सबसे बड़ा सवाल था। लेकिन प्रेग्नेंट महिला के पति ने ऐसे समय में हिम्मत करके यात्रियों से पूछा कि क्या ट्रेन में कोई डॉक्टर है? तो तुरंत डॉ. अदिति पाठक ने उनसे कॉन्टैक्ट किया और वह ट्रेन में भी मदद के लिए आगे आईं।

रेलवे के डिब्बे में बच्ची को जन्म दिया

चलती ट्रेन में ज़रूरी सामान या सुविधाएँ न होने के बावजूद, डॉ. अदिति पाठक ने अपनी प्रोफेशनल स्किल्स का इस्तेमाल किया और बिना एक पल भी बर्बाद किए बच्ची को जन्म दिया। अपने साथी यात्रियों के सहयोग से, उन्होंने मुश्किल हालातों के बीच ट्रेन में ही बच्ची को सफलतापूर्वक जन्म दिया। और आरतीबेन ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया। जैसे ही ट्रेन में चहचहाहट की आवाज़ आई, यात्रियों ने राहत की साँस ली।

विरमगाम सरकारी अस्पताल के 'ममता घर' में नेक इलाज

डॉ. अदिति पाठक ने सिर्फ़ ट्रेन में बच्ची को जन्म देकर अपनी ड्यूटी पूरी नहीं मानी। बल्कि उन्होंने इंसानियत दिखाई और माँ और नए जन्मे बच्चे को सुरक्षित रूप से विरमगाम सरकारी अस्पताल पहुँचाया, और SDH के 'ममता घर' के स्टाफ़ और कर्मचारियों ने भी बहुत प्यार और दया के साथ माँ और बच्चे के पूरे इलाज में मदद की।

पंचमहल गोधरा टाउन ए डिवीजन पुलिस स्टेशन के पशु संरक्षण अधिनियम के अपराध में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंचमहल। विधि चौधरी पुलिस उप महानिरीक्षक, पंचमहल गोधरा रेंज गोधरा और डॉ. हरेशभाई दूधात पुलिस अधीक्षक, पंचमहल गोधरा नाव ने फरार आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए, जिसके अनुसार एम. ए. वाघेला पुलिस निरीक्षक, SOG गोधरा नाव ने SOG टीम को आवश्यक निर्देश दिए। जिसके अनुसार P.S.E ए.आर. तड़वी और स्ह्लत्. टीम जब गोधरा टाउन क्षेत्र में गश्त पर थी, शंकरसिंह सज्जनसिंह ASI को गोधरा टाउन ए डिवीजन पुलिस स्टेशन त्.ऋह्रश्.0029/2026 से सूचना मिली कि मोहम्मद रफीक हुसैन नामक एक वांछित आरोपी को दारू सलाम मस्जिद, भोरवाड़ ढाल, गोधरा के पास से गिरफ्तार किया गया और आगे की कार्रवाई के लिए गोधरा टाउन ए डिवीजन पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

ऑपरेशन करने वाला अधिकारी/कर्मचारी

(1) ए.आर. तड़वी, पुलिस सब इंस्पेक्टर, SOG गोधरा

(2) ASI शंकरसिंह सज्जनसिंह, SOG गोधरा

(3) A.H.C. वीरेंद्रकुमार पुंजलाल, SOG गोधरा

(4) A.P.C. हितेशकुमार अरतसिंह, SOG गोधरा

फिरदौस गुनिया गोधरा

पंचमहल गोधरा टाउन ए डिवीजन पुलिस स्टेशन के पशु संरक्षण अधिनियम के अपराध में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के मेघानीनगर इलाके में दिनदहाड़े एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पब्लिक जगह पर हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में डर और असुरक्षा की भावना फैल गई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, युवक पर अज्ञात लोगों ने जानलेवा हमला किया। हमलावरों ने युवक पर कई बार चाकू से वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। युवक को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मेघानीनगर पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मौके से जरूरी सबूत इकट्ठा किए हैं और आसपास के CCTV फुटेज की जांच कर रही है। शुरुआती जांच से पता चलता है कि मर्डर के लिए आपसी रंजिश, पुरानी रंजिश या कोई और वजह हो सकती है। हालांकि, मर्डर की सही वजह पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो पाएगी।

केशरगंज में गवर्नर आचार्य देवव्रतजी का पेड़ लगाना: 'एक पद माँ के नाम' कैंपेन से पर्यावरण बचाने का मैसेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। गुजरात के गवर्नर आचार्य देवव्रतजी ने साबरकांठा ज़िले के वडाली तालुका के केशरगंज गाँव के अपने दो दिन के दौरे के दौरान सादगी, सफाई और पर्यावरण बचाने का एक अनोखा मैसेज दिया। दौरे के पहले दिन उन्होंने गाँव वालों से सीधे बातचीत की और सफाई और हरियाली के बारे में जागरूकता फैलाई। गवर्नर आचार्य देवव्रतजी बिना किसी बड़े काफिले के, चिलचिलाती गर्मी में एक आम यात्री की तरह रुञ्ज. बस में गांधीनगर से केशरगंज पहुँचे। उनका सादा और लोगों से जुड़ने का काम करने का तरीका गाँव वालों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया। गवर्नर ने गाँव के मेन चौराहे पर सफाई कैंपेन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गांववालों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी की प्रेरणा से देश के कोने-कोने में स्वच्छता का संदेश पहुंच रहा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वच्छता सिर्फ़ सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की नैतिक ज़िम्मेदारी भी है। इस दौरे के दौरान, गवर्नर ने पर्यावरण को बचाने और हरियाली बढ़ाने के मकसद से 'एक पद मां के नाम' कैंपेन के तहत केशरगंज की गौचर भूमि पर गांववालों के साथ पेड़ लगाए। गवर्नर से प्रेरित होकर करीब 200 गांववाले भी इस कैंपेन में जोश के साथ शामिल हुए और पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया। सादगी और ऊंची सोच की एक बड़ी मिसाल पेश करते हुए, गवर्नर ने रात में रुकने के दौरान गांव के अनुसूचित जाति के प्रोग्रेसिव किसान लवजीभाई लाखाभाई वांकर के घर पर सादा खाना खाया। परिवार की तरफ से परोसी गई दूध वाली सब्ज़ी, दाल, रोटी, सलाद और शीरा खाने के बाद उन्होंने परिवार के लोगों से प्यार से बात भी की।

वडोदरा में AAP नेता गिरफ्तार, महिला कार्यकर्ता ने लगाए रेप और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। एक महिला कार्यकर्ता ने आम आदमी पार्टी के शहर अध्यक्ष अशोक ओझा के खिलाफ रेप और ब्लैकमेलिंग की शिकायत दर्ज कराई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा हो रही है। शिकायत के आधार पर कपूरई पुलिस ने अशोक ओझा को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने महिला कार्यकर्ता को उसके पति की नौकरी दिलाने का लालच देकर उसका भरोसा जीता। इसके बाद, उसने कथित तौर पर उसे शराब पिलाई और अश्लील वीडियो बनाए और उन्हें वायरल करने की धमकी दी, और फिर उसे हरनी इलाके के एक होटल में बुलाकर उसके साथ रेप किया। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया है कि अशोक ओझा उसका पीछा करते हुए मुंबई और वैष्णो देवी तक गया था। पूरे मामले में पीड़िता ने अशोक ओझा, उसके बेटे, पत्नी और बेटी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई है। कपूरई पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि शिकायत में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

वागरा: चिमन चौक में लावारिस जंबो बैग मिलने पर लूटपाट! मोबाइल एक्सेसरीज़ लेने दौड़े लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। शहर के बहुत व्यस्त मार्केट एरिया चिमन चौक के पास मंगलवार को एक अनोखी घटना सामने आई। यहां सड़क किनारे अलग-अलग मोबाइल एक्सेसरीज़ से भरा एक बड़ा जंबो बैग लावारिस हालत में मिला तो लोगों की भीड़ जमा हो गई। शुरू में तो उत्सुकता थी कि बैग में क्या है, लेकिन जब बैग खोला गया तो उसमें बड़ी संख्या में मोबाइल एक्सेसरीज़ मिलीं और लोगों में उसे पाने की होड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बैग में हैंड्सफ्री, ईयरबड्स, पावर बैंक, मोबाइल चार्जर, अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल कवर, स्क्रीन गार्ड समेत कई सामान मिला। चूंकि मौके पर कोई मालिक या जिम्मेदार व्यक्ति मौजूद नहीं था, इसलिए लोगों ने खुद ही सामान उठाना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में बैग में रखी ज्यादातर एक्सेसरीज़ लोग ले गए। घटना को लेकर मार्केट एरिया में काफी चर्चा रही। कुछ लोग अंदाज़ा लगा रहे हैं कि किसी व्यापारी की गलती से बैग छूट गया, तो कुछ इसे किसी संदिग्ध स्थिति से भी जोड़ रहे हैं। हालांकि, बैग किसका था और वहां कैसे पहुंचा, इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। चिमन चौक जैसे चहल-पहल वाले इलाके में हुई इस घटना ने लोगों में काफी उत्सुकता पैदा कर दी। लावारिस बैग मिलते ही लोग सामान लेने के लिए दौड़ पड़े और अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जिससे कुछ देर के लिए पूरा इलाका चर्चा का केंद्र बन गया। अब लोग इस बैग के असली मालिक का पता लगाने और पूरी घटना का सच जानने के लिए बेताब हैं।

उत्तराखंड के राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने किया प्रोफेसर केपी सिंह की दो पुस्तकों का विमोचन।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष,गांधी भवन के निदेशक,प्रो.केपी सिंह द्वारा लिखित उत्तराखंड के राज्यपाल ले.जनरल श्री गुरमीत सिंह के जीवन पर केंद्रित दो पुस्तकों का लोकार्पण उत्तराखंड निवास चाणक्य पुरी के सभागार में संपन्न हुआ।प्रो.केपी सिंह द्वारा संपादित एवं अटल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक ,' The Leadership Funnel- Lt. Gn. Gurmit SinghÓs journey as Governer ÚU From Thought to Ink - A Collection of Lt. Gn Gurmit SinghÓs writings का विमोचन राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह जी के कर कमलों से हुआ। इस आयोजन में राष्ट्रीय सैनिक संघ के सैनिक, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राचार्य और प्रोफेसर शामिल हुए।महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह का स्वागत प्रो केपी सिंह ने अंग वस्त्र,पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर किया।अटल प्रकाशन से उपासना काबरा ने अपने स्वागत वक्तव्य में महामहिम राज्यपाल महोदय एवं सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अटल प्रकाशन द्वारा आधुनिक तकनीकी पर आधारित पुस्तकों के प्रकाशन के विषय में जानकारी दी।उन्होंने प्रो केपी सिंह द्वारा संपादित इन दो महत्वपूर्ण पुस्तकों के विमोचन के लिए आभार प्रकट किया। दोनों पुस्तकों का परिचय देते हुए प्रोफेसर केपी सिंह ने बताया कि प्रथम पुस्तक ,The Leadership Funnel में माननीय राज्यपाल महोदय के उत्तराखंड के बहुआयामी विकास में योगदान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है। पहाड़ों की यथास्थिति को बनाए रखते हुए उत्तराखंड के बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए प्रदेश को विकास की ओर अग्रसर करना।उसके बाद शिक्षा के क्षेत्र में विकास के साथ- साथ पर्यटन एवं विशेष रूप से देवभूमि के मूल स्वभाव को जीवंत रखते हुए तीर्थ स्थलों के विकास में अभूतपूर्व योगदान को रेखांकित किया गया।द्वितीय पुस्तक From Thought to Ink के विषय में बात करते हुए कहा कि इस पुस्तक में लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह जी ने स्वयं के लेखन चिंतन मनन आदि का विस्तार पूर्वक वर्णन किया गया है। राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि यह पुस्तकें केवल प्रकाशन नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की विकास यात्रा,जनसेवा के संकल्प और राष्ट्रहित के दृष्टिकोण का जीवंत दस्तावेज हैं।उन्होंने कहा कि 'द लीडरशिप फनल' उनके व्यक्तिगत कार्यकाल की नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड के युवाओं,महिलाओं,सैनिकों, शिक्षकों,वैज्ञानिकों और कर्मयोगियों की सामूहिक यात्रा को प्रतिबिंबित करती है।उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में चार दशकों से अधिक सेवा और राज्यपाल के रूप में दायित्व निर्वहन के दौरान राष्ट्र प्रथम उनके जीवन का मूल आधार रहा है।राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग विकसित राज्यों से होकर गुजरता है और उत्तराखण्ड को शिक्षा,अनुसंधान, नवाचार,पर्यटन,संस्कृति एवं आध्यात्मिकता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड आज हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है वह किसी भी राज्य से पीछे नहीं है। लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह ने आगे कहा कि 'थॉट टू इंक' केवल विचारों का संग्रह नहीं,बल्कि राष्ट्र निर्माण,शिक्षा,युवा सशक्तिकरण,सामाजिक जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़े विषयों पर सार्थक संवाद का प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमारे मन में उठने वाले विचारों (थॉट) को जब हम स्याही से उसे शब्दों में उतारते हैं तो वह स्वयं के लेखन से नहीं जुड़ते बल्कि सबके लिए होते हैं और वही कार्य प्रो केपी सिंह ने अपने लेखन के माध्यम से पुस्तकाकार रूप देकर एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुस्तकें युवाओं, शोधार्थियों,प्रशासकों और समाज के विभिन्न वर्गों को प्रेरित करेंगी। श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि प्रो केपी सिंह का मेरे प्रति एक विशेष लगाव है इसी कारण उन्होंने पहली पुस्तक में उत्तराखंड के राज्यपाल के रूप में मेरे कार्यकाल एवं दूसरी पुस्तक में मेरे चिंतन और मनन से निकले विचारों को संकलित करने का अद्वितीय प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि लिखित विचार कभी नहीं मरते,वे पुस्तकों में जीवित रहते हैं।पुस्तकें पुस्तकालयों में सुरक्षित रहती है,मनुष्य भले ही संसार को छोड़ दे लेकिन उसके विचार भावी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे।प्रो. सिंह ने मन में उठने वाले विचारों को संग्रहित करके देश हित में बड़ा महत्वपूर्ण कार्य किया है। जिसे सदैव याद किया जाएगा।समस्त विकसित नदियों की स्वच्छता,ऑर्गेनिक प्राकृतिक खेती,नारी सशक्तिकरण, आधुनिक तकनीकी,शोध को बढ़ावा देना,भारतीय ज्ञान परंपरा को और पोषित करना यह मेरा संकल्प है। राज्यपाल श्री गुरमीत सिंह ने Thought to ink पुस्तक के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि इस पुस्तक में उन विषयों पर संवाद करने का प्रयास किया गया है जो राष्ट्र निर्माण से जुड़े हैं।पुस्तक में मेरे पदों की यात्रा का नहीं अपितु सेवा की यात्रा का चित्रण है। हम सभी के जीवन में कभी न कभी देश के प्रति अमूल्य योगदान रहा है।।हिए।पीधु बधाक डॉ.संदीप जैन, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों में,खालसा कॉलेज के प्राचार्य प्रो.गुरमोहिंदर सिंह,प्रो.हंसराज सुमन,प्रो.मनोज कुमार कैन,डॉ ज्ञानेंद्र नारायण सिंह,राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सैनिक कर्नल मुकेश त्यागी,गौरव सेनानी चंदन मधु सिंह ,एडवोकेट अंशु त्यागी एवं संध्या त्यागी आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

सायण में मामूली बारिश ने सिस्टम की पोल खोल दी हैः सीवर लाइन और सर्विस रोड के अधूरे काम से लोग परेशान हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सायण। कस्बे में पिछले कई महीनों से धीमी गति से चल रहे सीवर लाइन, बॉक्स सीवर और सर्विस रोड के काम की पोल पहली बारिश ने खोल दी है। आधी रात को हुई करीब 10 द्वद्व बारिश के बाद कस्बे के कई इलाकों के साथ-साथ रेलवे ओवरब्रिज के आसपास की सर्विस रोड पर पानी भर गया, जिससे स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, सायण से सीवान तक फोर-लेन सड़क, बॉक्स सीवर और सर्विस रोड का काम पिछले छह महीनों से कछुए की चाल से चल रहा है। देलाड चार रास्ता से सायण ओवरब्रिज तक सड़क का काम भी अभी तक पूरा नहीं हुआ है। नतीजतन, बारिश के पानी की निकासी का सही सिस्टम न होने से कई जगहों पर पानी भर गया। हाल ही में स्रु मुकेश पटेल ने अधिकारियों के साथ रिव्यू मीटिंग की और विकास कार्यों को जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए। लेकिन, काम की रफ़्तार में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। कुछ समय पहले तालुका और ज़िला पंचायत के सदस्यों ने साइट का दौरा किया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन ज़मीन पर हालात अभी भी वैसे ही हैं। पानी भरने की वजह से गाड़ियों का आना-जाना रुक गया और लोग कीचड़ और कीचड़ में आने-जाने को मजबूर हैं। व्यापारियों ने भी कहा है कि उनकी दुकानों के आसपास पानी भरने से उनके काम पर असर पड़ा है। दूसरी तरफ, बारिश के मौसम में बिजली सप्लाई में रुकावट की वजह से साउथ गुजरात पावर कंपनी के प्री-मानसून ऑपरेशन में भी दिक्कतें आई हैं। इसके अलावा, गर्मियों की तिल और धान की फ़सल तैयार कर रहे किसानों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। खेतों में सुखाने के लिए रखी तिल की भूसी और धान की भूसी बारिश में भीग जाने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। अब स्थानीय लोगों की मांग है कि मानसून शुरू होने से पहले सभी अधूरे डेवलपमेंट के काम जल्दी पूरे किए जाएं और बारिश के पानी के डिस्पोज़ल के लिए एक असरदार सिस्टम बनाया जाए।

मेरे दो भाइयों ने मिलकर मेरी इज्जत और जान बचाई
कुछ परिजनों सहित पुलिस कर्मियों पर गंभीर आरोप

हानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव । बोर्ड परीक्षा के समय मोबाइल फोन का अनावश्यक उपयोग करने से मना करना एक परिवार के लिए गंभीर विवाद का कारण बन गया यहां तक की इज्जत लेने और जान से मारने के प्रयास का कारण बन गया। गांव जंजगिरी चरोदा थाना कुम्हारी तहसील भिलाई 3 जिला दुर्ग की रहने वाली प्रेमलता साहू ने आज पत्रकार वार्ता में बड़े पारिवारिक विवाद को लेकर अपनी भाई बहू और उनके कुछ अन्य परिजनों तथा कुछ पुलिस कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं प्रेमलता साहू का कहना है कि पूरा विवाद बोर्ड परीक्षा के दौरान बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से रोकने को लेकर शुरू हुआ जिसने बाद में हिंसक रूप ले लिया। प्रेमलता साहू के अनुसार उनके छोटे भाई थानसिंह साहू अपने बच्चों को परीक्षा के समय मोबाइल का कम उपयोग करने की समझाइश दे रहे थे। इसी बात पर पत्नी पुष्पा साहू और बच्चों के साथ विवाद बढ़ गया। आरोप है कि थानसिंह के साथ मारपीट की गई और उन्हें गंभीर रूप से चोट पहुंचाई गई। थानसिंह ने अपनी बहन प्रेमलता को फोन कर मदद के लिए बुलाया। प्रेमलता खाना लेकर अपने मायके ग्राम उसरीबोड़ पहुंचीं। लेकिन वहां पहुंचते ही विवाद और उग्र हो गया। प्रेमलता साहू ने आरोप लगाया कि घर पहुंचने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि डुमनलाल साहू, भूनूराम साहू, मोहेंद्र साहू, पूर्णिमा साहू, पुष्पा साहू, वंदना साहू, सौरभ साहू और पुष्पेंद्र साहू सहित अन्य लोगों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। प्रेमलता के मुताबिक आरोपियों ने उनकी साड़ी खींची, बाल पकड़कर घसीटा और लोहे की रॉड से हमला करने का प्रयास किया। उनका मोबाइल भी छीन लिया गया। उन्होंने कहा कि उस दौरान उनके दोनों भाई थानसिंह साहू और टिकेश साहू बीच-बचाव के लिए नहीं आते तो कोई बड़ी अप्रिय घटना हो सकती थी। प्रेमलता साहू ने महिला आरक्षक पूर्णिमा साहू और थाना सूरगी के प्रभारी ढाल सिंह साहू पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि पूर्णिमा साहू पुलिस विभाग में पदस्थ होने का दबाव बनाकर मामले को प्रभावित कर रही हैं। प्रेमलता ने आरोप लगाया कि उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं की गई और उनके भाईयों का बयान तक दर्ज नहीं किया गया। वहीं दूसरी ओर उनके परिवार के लोगों पर एकतरफा कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने मेडिकल जांच और निष्पक्ष विवेचना नहीं कराई। प्रेमलता साहू का आरोप है कि विरोधी पक्ष ने खुद को बचाने के लिए उनके और उनके भाईयों के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने कहा कि उन्हें उनके भाई थानसिंह साहू और टिकेश साहू के परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं। आरोपियों द्वारा जमीन में गाड़ देने और दोबारा गांव आने पर जान से मारने जैसी धमकियां दी गईं। पत्रकार वार्ता में प्रेमलता साहू ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और उन्हें व उनके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में कोई बड़ी घटना हो सकती है। बोर्ड परीक्षा के दौरान मोबाइल उपयोग को लेकर विवाद, भाई थानसिंह साहू से मारपीट का आरोप, प्रेमलता साहू के साथ अभद्रता और मारपीट, साड़ी खींचने और इज्जत लूटने की कोशिश का आरोप, जान से मारने और जमीन में गाड़ देने की धमकी, पुलिसकर्मियों पर पक्षपात और दबाव में कार्रवाई करने का आरोप, परिवार को झूठे केस में फंसाने की आशंका। प्रेमलता साहू ने जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील भी की है। आज प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से प्रेमलता साहू के साथ थानसिंह साहू, टिकेश कुमार साहू , सरोजबाला साहू, भारती साहू, धीरज कुमार साहू , कुमुद?बाला साहू आदि उपस्थित थे।

देवगढ़ बारिया में ओवरलोड रेत डंपरों के खिलाफ प्रशासन ने की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़। स्थानीय प्रशासन ने देवगढ़ बारिया इलाके से बड़ी मात्रा में ओवरलोड रेत लेकर गुजरने वाले डंपरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। स्थानीय मामलतदार और प्रांतीय अधिकारी की टीम ने जॉइंट चेकिंग के दौरान ओवरलोड रेत ले जा रहे 9 डंपरों को रोका और जांच की। उज्ज्वल और पनम नदी के किनारों पर अवैध रेत खनन बड़े पैमाने पर, प्रशासन कब कार्रवाई करेगा? चर्चा है कि देवगढ़ बारिया तालुका में उज्ज्वल और पनम नदी के किनारों पर अवैध रेत खनन बड़े पैमाने पर हो गया है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, कहा जा रहा है कि लीज की मंजूर सीमा के बाहर के इलाकों से भी बड़े पैमाने पर रेत खनन किया जा रहा है। आरोप है कि चरागाह और सरकारी परती जमीनों पर भी खुदाई की जा रही है। जांच के दौरान पता चला कि गाड़ियों में तय कैपेसिटी से ज़्यादा रेत भरी हुई थी, और प्रशासन ने सभी डंपरों के खिलाफ सज़ा देने वाली कार्रवाई की। पता चला है कि लाखों का जुर्माना लगने से रेत माफिया में हड़कंप मच गया है। हाल ही में, देवगढ़ बारिया इलाके में गैर-कानूनी रेत माइनिंग और ओवरलोड गाड़ियों के आने-जाने की कई शिकायतें आ रही थीं। माना जा रहा है कि इसी वजह से यह कार्रवाई की गई है, जिससे प्रशासन अलर्ट हो गया है। स्थानीय लोग भी सड़क सुरक्षा और ओवरलोड गाड़ियों से सड़कों को होने वाले नुकसान को लेकर चिंता जता रहे हैं। उस समय प्रशासन की इस कार्रवाई से गैर-कानूनी कामों में शामिल लोगों में चिंता है।देवगढ़ बारिया में ओवरलोड रेत डंपरों के खिलाफ प्रशासन ने की कार्रवाई

पनवाड़ में देसी पिस्तौल के साथ एक व्यक्ति पकड़ा गया, SOG की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। मिली जानकारी के मुताबिक, राज्य में गैर-कानूनी हथियारों के बनने, बिकने और इस्तेमाल को रोकने के लिए पुलिस की तरफ से चलाए जा रहे अभियान के तहत स्ह्नत टीम गश्त पर थी। इसी दौरान, सूचना के आधार पर पनवाड़ पोस्ट इलाके में संदिग्ध के खिलाफ जांच की गई। जांच के दौरान, आरोपी के पास से देसी पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस ने हथियार जब्त कर लिया है, आरोपी को हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उमेशभाई शंकरभाई राठवा, निवासी रोखड़िया, पनवाड़ फलिया, ता. क्वांट, जिला छोटा उदयपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 10 लाख रुपये बरामद किए हैं। 5,000 रुपये की कीमत की एक देसी पिस्तौल ज़ब्त की गई है। पूरा ऑपरेशन SOG टीम ने किया। इस घटना के बारे में पनवाड़ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है और यह पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है कि हथियार कहाँ से लाया गया था और इसका इस्तेमाल किस मकसद से किया जाना था।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के प्रमुख उद्योग समूहों में शामिल वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल से जुड़े कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा छापेमारी की कार्रवाई किए जाने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन से जुड़े एक मामले में की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से संबंधित रिकॉर्ड की जांच शुरू की है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि विदेशी मुद्रा लेन-देन में कहीं फेमा के प्रावधानों का उल्लंघन तो नहीं हुआ है। गौरतलब है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम का मुख्य उद्देश्य भारत में विदेशी मुद्रा के प्रवाह और उससे जुड़े लेन-देन को विनियमित एवं नियंत्रित करना है। इस कानून के तहत विदेशी निवेश, विदेशों में भुगतान और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय गतिविधियों की निगरानी की जाती है। हालांकि, इस मामले में अभी तक ईडी की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं वेदांता ग्रुप की तरफ से भी खबर लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

करंट लगाकर जंगली सूअर का शिकार, चार आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़। वनमंडल खैरागढ़ के निर्देशन में की गई कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से जंगली सूअर का मांस, विद्युत तार, कुल्हाड़ी, हंसिया तथा अन्य सामग्री बरामद की गई। आरोपियों द्वारा खेत में करंट प्रवाहित कर जंगली सूअर का शिकार किए जाने की बात सामने आई है। वन्यजीवों का करंट लगाकर शिकार करना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह मानव जीवन के लिए भी बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। कई मामलों में खेतों या जंगलों में बिछाए गए विद्युत जाल की चपेट में आकर लोगों और वनकर्मियों की जान तक जा चुकी है। न्यायालयों ने भी ऐसे अवैध विद्युत जाल को वन्यजीवों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा माना है। विशेषज्ञों के अनुसार अवैध शिकार वन्यजीव संरक्षण के लिए बड़ा खतरा है और इससे जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत शिकार पूरी तरह प्रतिबंधित है तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान है। वन विभाग ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में वन परिक्षेत्र छुईखदान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शीर्षक सुझाव : करंट का जाल बना मौत का खेल, जंगली सूअर के शिकार में चार गिरफ्तार

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : विद्युत करंट से शिकार करने वाले शिकारी दबोचे गए

जंगली जीवों पर कहर, इंसानी जान पर भी खतरा – करंट से शिकार का भंडाफोड़

खेत में बिछाया मौत का करंट, वन विभाग ने पकड़े चार आरोपी

अवैध शिकार पर वन विभाग का शिकंजा, करंट लगाकर जंगली सूअर मारने वाले गिरफ्तार।।

राजनांदगांव विधानसभा के पंचायतो को करोड़ों की सौगात दूसरे ब्लॉकों को फूटी कौड़ी नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। हाल ही में डोंगरगांव ब्लॉक के 75 ग्राम पंचायत के सरपंचों ने एक साथ कलेक्टर को ज्ञापन दिया है कि निर्माण कार्यो के लिए फुटी कौड़ी नहीं सरपंचों ने ज्ञापन दिया है कि उनकी मांगे अगर 15 दिन में पूरी नहीं हुई तो सभी सामूहिक रूप से इस्तीफा देंगे वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के विधानसभा क्षेत्र के सरपंचों के पास इतने काम है कि वह काम नहीं कर पा रहे हैं यह कैसा भेदभाव यह कैसा अन्याय है

यह कैसा भेदभाव है?

एक ओर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष माननीय डॉ. रमन सिंह जी अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के कई ब्लॉकों के सरपंच विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि नहीं मिलने से परेशान होकर सामूहिक इस्तीफे तक देने को मजबूर हैं। कांकेर के बाद अब डोंगरगांव ब्लॉक के सरपंचों का आक्रोश भी सामने आ रहा है। जब गांवों के विकास के लिए चुने गए जनप्रतिनिधियों को ही विकास कार्यों हेतु राशि नहीं मिलेगी, तो ग्रामीण क्षेत्रों का विकास कैसे होगा? डॉ. साहब, आप इस प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भी रहे हैं। आपसे अपेक्षा है कि केवल एक विधानसभा नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के सरपंचों और ग्रामीण जनता की चिंता करें। विकास का अधिकार हर गांव का है, किसी एक क्षेत्र का नहीं। छत्तीसगढ़ के सभी ग्राम पंचायतों के साथ समान व्यवहार हो, विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाए और सरपंचों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए।

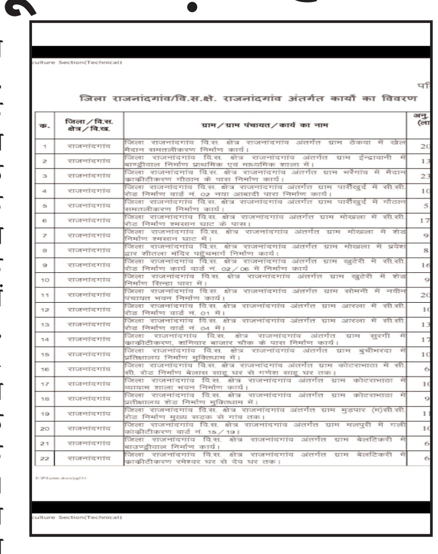

सात साल से पानी के लिए तरस रहा अनखोल, लोगों ने VUDA ऑफिस पर किया जोरदार प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के पूर्वी इलाके के अनखोल गांव और आस-पास की सोसाइटियों के लोगों ने पीने के पानी की गंभीर समस्या को लेकर VUDA ऑफिस पर विरोध प्रदर्शन किया। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में 'हमें पानी चाहिए' के नारे के साथ ऑफिस पहुंचे और प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाया। लोगों के मुताबिक, वे पिछले सात साल से साफ पीने के पानी की समस्या का सामना कर रहे हैं। ग्राम पंचायत से लेकर कलेक्टर ऑफिस और प्रधानमंत्री ऑफिस तक कई बार गुहार लगाने के बाद भी समस्या का कोई पक्का समाधान नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि बार-बार आश्वासन देने के बाद भी पानी की समस्या बनी हुई है। दूसरी ओर, VUDA अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल पूर्वी इलाके को वाटर सप्लाई बोर्ड की ओर से 5 स्न्ब्ध पानी दिया जा रहा है, लेकिन बढ़ती आबादी और नई सोसाइटियों के कारण यह मात्रा काफी नहीं साबित हो रही है। पूरे इलाके के लिए नर्मदा नहर से 24 MLD पानी मिलने की मंजूरी मिल गई है और ज़रूरी पाइपलाइन का काम लगभग पूरा हो चुका है। अधिकारियों के मुताबिक, नहर में ज़्यादा पानी होने की वजह से बाकी कनेक्शन का काम रोक दिया गया था, लेकिन अगले 10 दिनों में काम पूरा होने से अनखोल समेत पूरे इलाके को पीने का काफ़ी पानी मिल जाएगा।

राजनांदगांव में मेडिकल स्टाफ के बीच खेल भावना का शानदार संगम, 14 जून को होगा फाइनल मुकाबला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। खेल और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों के बीच आपसी भाईचारे, टीम भावना और मनोरंजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित नवजीवन हॉस्पिटल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-1 इन दिनों जिले में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मोहारा बायपास स्थित मैदान में आयोजित इस विशेष क्रिकेट प्रतियोगिता में केवल अस्पताल, मेडिकल एवं फार्मा क्षेत्र से जुड़े खिलाड़ी ही हिस्सा ले रहे हैं। यह टूर्नामेंट 17 मई 2026 से प्रारंभ हुआ है और सभी मुकाबले केवल रविवार को खेले जा रहे हैं। प्रतियोगिता का भव्य फाइनल एवं पुरस्कार वितरण समारोह 14 जून को आयोजित किया जाएगा। इस अनूठे टूर्नामेंट में राजनांदगांव जिले के शासकीय एवं निजी अस्पतालों की कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का आयोजन नवजीवन हॉस्पिटल राजनांदगांव द्वारा किया जा रहा है। टूर्नामेंट को लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। टूर्नामेंट का दूसरा दिन 24 मई रविवार को बेहद रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। दिन की शुरुआत संजीवनी हॉस्पिटल और जीएमसी-11 के बीच मुकाबले से हुई जिसमें संजीवनी हॉस्पिटल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में नवजीवन हॉस्पिटल और पीआरओ-11 आमने-सामने थे। नवजीवन हॉस्पिटल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 1 विकेट खोकर 116 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में पीआरओ-11 की टीम 7 ओवर में केवल 23 रन पर ऑलआउट हो गई। नवजीवन हॉस्पिटल ने यह मुकाबला 93 रनों के बड़े अंतर से जीत लिया। तीसरा मैच श्रीराम हॉस्पिटल और सुंदरा डेंटल कॉलेज के बीच खेला गया जिसने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। 108 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुंदरा डेंटल कॉलेज ने 7.3 ओवर में 4 विकेट खोकर शानदार जीत दर्ज की। शाम के मुकाबलों में आर्थोकेयर और जीएमसी-11 के बीच खेले गए मैच में जीएमसी-11 ने 8 विकेट से जीत हासिल की। वहीं दिन का अंतिम मुकाबला नवजीवन नेत्रालय और मोहये हॉस्पिटल के बीच खेला गया, जिसमें नवजीवन नेत्रालय ने 69 रनों से जीत अपने नाम की। टूर्नामेंट में विजेता टीम को 51,000, उपविजेता को 25,000 तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 11,000 का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर और प्रत्येक मैच के 'मैन ऑफ द मैच' को भी सम्मानित किया जा रहा है।प्रतियोगिता में लगातार 6 छक्के लगाने पर 501, लगातार 6 चौके लगाने पर 501, लगातार 6 विकेट लेने पर 501 तथा लगातार 3 विकेट लेने पर 201 का विशेष पुरस्कार रखा गया है

सुशासन तिहार में जिपं सदस्य शीला टाकेश सिन्हा ने उठाई सड़क और नाली निर्माण की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 02 की सदस्य श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने क्षेत्र की प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा। उन्होंने गठुला से तुमड़ीलेवा नाला तक सड़क निर्माण कार्य तथा राजनांदगांव-खैरागढ़ मार्ग में गांवों के भीतर सड़क किनारे नाली निर्माण कराने की मांग प्रमुखता से उठाई। श्रीमती सिन्हा ने आवेदन में बताया कि ग्राम गठुला से तुमड़ीलेवा तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत होने के बाद ग्राम गठुला से भेड़ीकला तक पुराने सड़क को उखाड़ दिया गया लेकिन इसके बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया है। सड़क उखड़े होने के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों, किसानों और आम ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह ॉर धूल के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों में निर्माण कार्य बंद होने को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सड़क निर्माण कार्य को तत्काल पुनः प्रारंभ कर शीघ्र पूरा कराया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। इसके साथ ही शीला टाकेश सिन्हा ने राजनांदगांव से खैरागढ़ निर्माणाधीन मुख्य मार्ग में ग्राम बोरी, तिलई एवं पदुमतरा के अंदर सड़क किनारे नाली निर्माण कराने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि इन गांवों में नाली निर्माण स्वीकृत नहीं होने के कारण पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। बरसात के दिनों में जलभराव और कीचड़ की समस्या से ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गांवों के अंदर सड़क किनारे नाली निर्माण की स्वीकृति देकर जल्द निर्माण कार्य कराया जाए ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिल सके। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से सड़क और नाली निर्माण की मांग कर रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुशासन तिहार में आवेदन देकर प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया या है।

|| श्री गणेशाय नमः ||

दैनिक राशिफल

03 जून 2026

आज का पंचांग
- तिथि: कृष्ण पक्ष अष्टमी
- नक्षत्र: अनुराधा
- योग: सौभाग्य
- करण: वणिज
- सूर्योदय: 05:24 AM
- सूर्यास्त: 07:15 PM

मेष (Aries) आज का दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी, लेकिन जल्दबाजी में कोई भी बड़ा निर्णय लेने से बचें। पारिवारिक जीवन में मधुरता रहेगी और स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ (Taurus) आर्थिक मामलों में आज आपको समझदारी से कदम उठाने की जरूरत है। किसी पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। बाहर के खान-पान से थोड़ा परहेज करें।

मिथुन (Gemini) आज रचनात्मक कार्यों में आपका मन लगेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को नए और लाभदायक सौदे मिल सकते हैं। शाम के समय परिवार के साथ किसी छोटी यात्रा या बाहर घूमने की योजना बना सकती है। मानसिक तनाव से दूर रहें।

कर्क (Cancer) दिन की शुरूआत में मानसिक रूप से कुछ उलझन महसूस हो सकती है, लेकिन धैर्य रखने से स्थिति सामान्य हो जाएगी। कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी के साथ समय बिताने से आपसी रिश्ते और मजबूत होंगे।

सिंह (Leo) आज आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। लंबे समय से रूके हुए सरकारी या कागजी काम आज पूरे होने की प्रबल संभावना है। आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं। छात्रों के लिए दिन शुभ है, पढ़ाई में पूरा मन लगेगा।

कन्या (Virgo) दिन की शुरूआत थोड़ी व्यस्तताओं के साथ हो सकती है। करियर के मोर्चे पर कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगे। मित्रों से किसी महत्वपूर्ण विषय पर सही सलाह मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला (Libra) सामाजिक कार्यों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी जिससे मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में आज किसी भी तरह का जोखिम लेने से बचें। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और शाम का समय परिवार के साथ आनंदपूर्वक बीतेगा।

वृश्चिक (Scorpio) आज आपको अपनी वाणी और क्रोध पर विशेष नियंत्रण रखना होगा। कार्यक्षेत्र में किसी के साथ अकारण वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। मेहनत का फल थोड़ा विलंब से मिलेगा, लेकिन अंततः सफलता आपके ही कदम चूमेगी।

धनु (Sagittarius) धन लाभ के स्पष्ट योग बन रहे हैं। पुरानी चली आ रही समस्याओं का आज कोई संतोषजनक समाधान निकलेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य की योजनाओं के लिए फायदेमंद साबित होगी। अपनी सेहत का खास ख्याल रखें।

मकर (Capricorn) आज काम का बोझ थोड़ा अधिक रह सकता है, जिससे शाम तक शारीरिक थकान महसूस होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ मिलकर भविष्य की कोई बड़ी योजना बना सकते हैं। मानसिक शांति के लिए थोड़ा समय निकालें।

कुंभ (Aquarius) नई शुरूआत करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है। नौकरी में प्रमोशन या किसी इंक्रीमेंट की शुभ सूचना मिल सकती है। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात दिन बना देगी।

मीन (Pisces) आज धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपका मन अधिक लगेगा। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों और सलाह को काफी महत्व दिया जाएगा। बेवजह के खर्चों पर लगाम लगाएं और बजट बनाकर चलें। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

उपाय: विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें और जरूरतमंदों की सहायता करें।
आपका दिन शुभ हो!

बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन को निमंत्रित कर अपनी जगहँसाई करवा ली है

पवन माकन

ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया जिसने काठमांडू से लेकर नई दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गए कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिए, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गए और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन्द्र शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन्द्र शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन्द्र शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

> हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन्द्र शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के उस सुझाव पर हुई जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठाई। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन्द्र शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वाताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन्द्र शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जताई गई और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन्द्र शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गई हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।

संपादकीय

विराट और वैभव

भले ही फटाफट क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाला आईपीएल बाजार और नई पीढ़ी के जुनून का संगम हो, लेकिन लोकप्रियता के नये आयाम तय करता यह खेल अब दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों की पहली पसंद बन गया है। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे चमकीले सितारे बनकर उभरे टी-20 सनसनी वैभव सूर्यवंशी। महज पंद्रह साल की उम्र में उनकी कामयाबी हैरत में डालने वाली है। वहीं अनुभवी क्रिकेटर विराट कोहली ने अपने खास अंदाज में सबका ध्यान आकर्षित किया। इस 37 वर्षीय दिग्गज क्रिकेटर ने फाइनल में तूफानी अर्धशतक लगाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को लगातार दूसरी बार ट्राफी दिलाई। दो महीने तक चले इस टूर्नामेंट में कोहली की फॉर्म और फिटनेस शानदार रही है। यही वजह है कि वर्ष 2027 एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में उनकी भागीदारी अब लगभग तय लग रही है। खुद कोहली ने इस बात को स्वीकार किया है कि उन्हें अपनी मनःस्थिति में बदलाव लाने और युवा खिलाड़ियों से थोड़ा सीखने की जरूरत थी, ताकि वे टी-20 क्रिकेट में अपने खेल को नये सिरे से निखार सकें। यह सुखद ही है कि इस दिग्गज क्रिकेटर की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति भारतीय क्रिकेट को आकार दे रही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की खूबसूरत बानगी को ही दर्शाती है। निस्संदेह, हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग सीजन ने साफ दिखाया कि दो पीढ़ियों के क्रिकेटर कैसे एक-दूसरे के पूरक भी हो सकते हैं। वास्तव में, विराट कोहली आज भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी की छवि को बनाये हुए हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी जैसे उदीयमान खिलाड़ी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि इस फटाफट क्रिकेट में खेल का निरंतर विकास होता रहेगा। यह सुखद ही है कि राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी सूर्यवंशी ने अधिकांश पुरस्कार अपने नाम किए हैं। मसलन मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइक ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप विजेता और सुपर सिक्स ऑफ द सीजन जैसे खिताब हासिल किए।

चलो पेड़ लगाए...

चलो आज हम एक बात जानें,
पेड़ को पहचानें,पेड़ को पहचानें।

कित कितने परोपकारी है पेड़ ?
मानव से ज्यादा वफादार है पेड़।

प्राणवायु देके रोज नयें प्राण भरें,
मानव जीवन का आधार है पेड़।

फल-अन्न देके भूख मिटानेवाले,
सज्जन जैसे बहुत दातार है पेड़।

बारिश लाके धरती बनाये हरीभरी,
हरी भरी धरती का गहना है पेड़।

धूप दूर करके ठंडीमीठी छाँव देते,
कितने मस्त घने घटादार है पेड़।

जानवरों चिडियाँ का तो हैं घोंसला,
मानवका बहुत बडा हौसला है पेड़।

'निशु'कहती है आज लगाए पेड़ तो,
स्वर्गसा सुनहरा कल बनायेंगे पेड़।

?निशा भरतभाई ठाकर 'निशु '
मोबाइल : 7990298954.
जिला : कच्छ।
राज्य : गुजरात।

विश्व साइकिल दिवसः प्रदूषण पर भाषण बहुत हुए, अब घर के कोने से साइकिल निकालिए

दिलीप कुमार पाठक

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब हर व्यक्ति समय की कमी और तनाव की शिकायत करता है, तब एक बेहद साधारण और किफायती समाधान हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। वह समाधान है - साइकिल। आज 3 जून को पूरी दुनिया विश्व साइकिल दिवस मना रही है। यह दिन किसी आधुनिक आविष्कार का जश्न नहीं, बल्कि उस सादगी और उपयोगिता को याद करने का अवसर है, जिसे हमने विकास की अंधी दौड़ में कहीं पीछे छोड़ दिया है। जब पूरी दुनिया महंगे ईंधन, ट्रैफिक जाम और जहरीले धुएं से हांफ रही है, तब साइकिल एक सुगम साधन की तरह नजर आती है। यह कोई साधारण सवारी नहीं, बल्कि बिना धुएं वाली वह मूक क्रांति है जो व्यक्ति की सेहत, जेब और धरती तीनों को एक साथ संवार सकती है।

आजकल की जीवनशैली को देखें तो हैरान करने वाली तस्वीरें सामने आती हैं। घर से महज दो कदम दूर सब्जी की दुकान या दूध की डेयरी तक जाने के लिए भी लोग तुरंत मोटरसाइकिल या कार की चाबी उठा लेते हैं। नतीजा यह हुआ है कि शहरों की हवा भारी हो चुकी है, सड़कों पर पैदल चलने की जगह नहीं बची और इंसानी शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। लोग शारीरिक रूप से खुद को फिट रखने के लिए हर महीने जिम में हजारों रुपये खर्च करते हैं और एक ही जगह खड़े होकर ट्रेडमिल पर दौड़ते हैं। जबकि इसका सबसे आसान और प्राकृतिक विकल्प हमारी दिनचर्या में ही छुपा है। सुबह या शाम को सिर्फ आधा घंटा साइकिल चलाना दिल को मजबूत करता है, मानसिक तनाव को कम करता है और शरीर को ऊर्जा से भर देता है।साइकिल की सबसे खूबसूरत बात यह है कि यह समाज में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती। इसके लिए न तो महंगे पेट्रोल-डीजल की जरूरत होती है और न ही किसी भारी-भरकम मेंटेनेंस या सर्विसिंग के खर्च की। यह आत्मनिर्भरता और बचत का सबसे पहला और सच्चा पाठ पढ़ाती है। आज जब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्याएं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई हैं, तब साइकिल जमीन पर उतरकर इसका व्यावहारिक समाधान देती है। अगर किसी भी शहर का हर तीसरा व्यक्ति अपने छोटे-मोटे स्थानीय कामों के लिए गाड़ियों को छोड़कर साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो सकती है।कई विकसित देशों ने इस बात को गहराई से समझा है और साइकिल को अपनी मुख्य जीवनशैली का हिस्सा बनाया है। वहाँ बड़े-बड़े अधिकारी और सजग नागरिक गर्व से साइकिल से दफ्तर जाते हैं। हमारे देश में भी अब धीरे-धीरे जागरूकता बढ़ रही है और शहरों में साइकिलिंग ग्रुप्स का चलन देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बदलाव को एक राष्ट्रव्यापी मुहिम बनाने के लिए हमें अपनी मानसिकता और बुनियादी ढांचे दोनों में सुधार करना होगा। आज भी हमारे शहरों की सड़कें सिर्फ बड़ी और तेज रफ्तार गाड़ियों के हिसाब से बनाई जाती हैं। साइकिल चालकों के लिए अलग सुरक्षित लेन न होने के कारण लोग सड़कों पर निकलने से कतराते हैं। सरकारों को शहरी नियोजन में साइकिल ट्रैक को प्राथमिकता देनी होगी।इसके साथ ही, समाज को इस संकुचित सोच से भी बाहर निकलना होगा कि साइकिल सिर्फ उन लोगों के लिए है जो गाड़ी नहीं खरीद सकते। साइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि एक बेहद जागरूक, समझदार और आधुनिक नागरिक होने की पहचान है। इस विश्व साइकिल दिवस पर हमें केवल औपचारिक संदेश भेजने के बजाय एक छोटा सा व्यावहारिक संकल्प लेना चाहिए। तय करें कि सप्ताह में कम से कम एक या दो दिन हम अपनी गाड़ियों को आराम देंगे और नजदीकी कामों के लिए साइकिल की सवारी करेंगे। जब आपकी साइकिल का पहिया घूमता है, तो देश की सेहत और पर्यावरण का पहिया भी सही दिशा में आगे बढ़ता है।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है।

अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा वही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

फाइव स्टार होटल में खाना और महंगी ड्रिंक्स! बिल देने की आई बारी तो हो गए रफूचक्कर,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। एक फाइव स्टार होटल में चार युवकों ने महंगा डिनर किया। उन्होंने अपने डिनर में तरह-तरह के लजीज व्यंजन और महंगी ड्रिंक्स आर्डर की। इसके बाद उनका बिल करीब 41 हजार रुपये आया। मगर युवक बिना बिल चुकाए ही एक-एक करके फरार हो गए। मैनेजर और स्टॉफ देखते रह गए। मगर चारों में से कोई भी लौटकर नहीं आया। इस पर होटल मैनेजर ने अब थाना ताजगंज में केस दर्ज कराया है।

युवकों का करीब 41 हजार का आया बिल

मामला थाना ताजगंज क्षेत्र के फाइव स्टार होटल अमर विलास का है। एचआर मैनेजर रॉबिन भारद्वाज ने पुलिस को बताया कि 5 मई को असद नाम के युवक ने 7 मई के लिए रेस्तरां में एक टेबल बुक कराई थी। रात करीब 9:43 पर चार युवक रेस्तरां में डिनर करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने मंहगे पेय पदार्थ और लजीज व्यंजन ऑर्डर किए थे। जिसका बिल 41,477 आया था।

धूम्रपान के बहाने से निकल गया असद

होटल के मैनेजर रॉबिन ने बताया कि असद नाम के युवक ने होटल के बोर्ड लाइन नंबर पर टेबल बुक कराई थी। उसके साथ तीन अन्य युवक भी थे। सभी लोग सफेद कलर की स्विफ्ट डिजायर कार से आए थे। खाना खाने के बाद जब उनके पास बिल भेजा गया तो पहले तीन युवक किसी बहाने से बाहर निकल गए। इसके बाद रात करीब 12.15 बजे असद धूम्रपान करने की इच्छा जताते हुए रेस्तरां से बाहर निकल गया और दौड़ लगा दी। एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी ने बताया कि चारों युवक रेस्तरां में लगे सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। उनकी कार पर लगा नंबर भी फर्जी प्रतीत हो रहा है। आशंका है कि चारों युवक प्लानिंग के तहत होटल में खाना खाने आए थे। कार का नंबर ग्वालियर का है।

ब्लास्ट के बाद फूटी नर्मदा पाइपलाइन, 150 फीट ऊंचाई तक निकली पानी की धार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर-महू के भेरू घाट क्षेत्र में नर्मदा जल प्रदाय परियोजना की पाइपलाइन धमाके के साथ फट गई. जिससे लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया. पाइपलाइन फटने के बाद पानी करीब 150 फीट तक उछला और पूरे इलाके में जलप्रलय जैसे हालात बन गए. बहता पानी आसपास के घरों तक पहुंच गया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई. इंदौर-महू मार्ग स्थित भेरू घाट क्षेत्र में नर्मदा जल प्रदाय परियोजना की एक बड़ी पाइपलाइन फट जाने से लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया. पाइपलाइन फटने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पाइपलाइन अचानक जोरदार धमाके के साथ फटी और पानी का फव्वारा करीब 150 फीट तक ऊपर उछलने लगा. देखते ही देखते पूरा इलाका पानी से भर गया और भेरू घाट में जलप्रलय जैसे हालात बन गए. घटना के बाद तेज गति से बहता पानी आसपास के रिहायशी क्षेत्रों तक पहुंच गया. कई घरों के बाहर और गलियों में पानी भर गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई. लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इस तरह का नजारा नहीं देखा था. पाइपलाइन से निकल रहा पानी इतनी तेज रफ्तार से बह रहा था कि आसपास मौजूद लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाने लगे. स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि पाइपलाइन फटने के बाद लंबे समय तक पानी लगातार बहता रहा, लेकिन संबंधित विभाग के जिम्मेदार कर्मचारी मौके पर समय पर नहीं पहुंचे. लोगों का कहना है कि यदि तत्काल कार्रवाई की जाती तो बड़ी मात्रा में पानी को बर्बाद होने से बचाया जा सकता था. घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और पूरे घटनाक्रम के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए. जानकारी के अनुसार यह पाइपलाइन इंदौर शहर को नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण लाइन का हिस्सा है. ऐसे में पाइपलाइन फटने से न केवल पानी की भारी बर्बादी हुई है, बल्कि शहर के कई इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित होने की आशंका भी बढ़ गई है. अधिकारियों को अब पाइपलाइन की मरम्मत और जलापूर्ति व्यवस्था को सामान्य करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. फिलहाल संबंधित विभाग की टीम पाइपलाइन की क्षति का आकलन करने और मरम्मत कार्य में जुटी हुई है. प्रशासन का कहना है कि जल्द से जल्द पाइपलाइन को दुरुस्त कर जलापूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है. हालांकि घटना के बाद इंदौर के कई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ गई है और लोगों को जल संकट की आशंका सता रही है.

किसानों को एमपी सरकार फ्री में देगी हेलमेट, सीएम मोहन यादव ने कर दिया बड़ा ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाजापुर। मध्य प्रदेश की सरकार लगातार किसानों के लिए काम कर रही है। शाजापुर में रविवार को सीएम मोहन यादव ने घोषणा की है कि गांव से मोटरसाइकिल पर सवार होकर सामान बेचने शहर जाने वाले किसानों को राज्य सरकार हेलमेट देगी ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

मन की बात कार्यक्रम के दौरान घोषणा

दरअसल, मुख्यमंत्री ने शाजापुर जिले के शुजालपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 134वां संस्करण सुनने के बाद किसानों से संवाद के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसान दूध-फल-सब्जी जैसा सामान मोटरसाइकिल पर गांव से शहर लाते हैं। हेलमेट न होने की वजह से उन पर दुर्घटना का खतरा बना रहता है। हमारी सरकार हेलमेट देकर किसानों की जान बचाएगी। इस तरह हम दुर्घटनाओं को भी रोकेंगे और किसानों को सुरक्षा की गारंटी भी मिलेगी।

सरकार किसानों की आय बढ़ाएगी

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य सरकार किसी भी सूरत में किसानों की आय बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमारी सरकार जो निर्णय करती है, उसे लागू करती है। हमने आज 2,625 रुपये क्विंटल के दाम पर 1 करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीद का रिकॉर्ड बनाया है। अभी तक हमने अपने ही सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। पूरे देश में सबसे ज्यादा लगभग 14 लाख किसानों से गेहूं खरीदने का रिकॉर्ड भी मध्यप्रदेश सरकार ने बनाया है।

उड़द पर भी बोनस दे रही है सरकार

मोहन यादव ने कहा कि यह हमारी सरकार के काम करने का तरीका है। सरकार सोयाबीन के लिए भावांतर योजना के माध्यम से किसानों को लाभ देकर वचन को निभा रही है। हमारी सरकार उड़द को भी प्रोत्साहन दे रही है। पहली बार हम उड़द पर बोनस दे रहे हैं।

संभल में इतिहास पलटेगा: कब्रिस्तान से मुक्त हुई सरकारी जमीन पर बसेगा 1978 का दंगा पीड़ित परिवार, खुद प्रशासन देगा पट्टा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

संभल। यूपी के संभल में कल यानी 3 जून को इतिहास पलटने वाला है. यहां 1978 के दंगा पीड़ित परिवार को फिर से बसाया जाएगा. इसके लिए खुद प्रशासन जमीन का पट्टा सौंपेगा. जमीन पर कब्रिस्तान बनाकर उसे कब्जा लिया गया था. लेकिन अब उसे कब्जा मुक्त करवाकर पीड़ित को सौंपा जा रहा है. आपको बता दें कि संभल के डीएम अंकित खंडेलवाल और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई 1978 के सांप्रदायिक दंगे के पीड़ित रस्तोगी परिवार को शेर खा सराय इलाके में कब्रिस्तान के अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई 100 वर्गमीटर सरकारी जमीन का पट्टा सौंपकर उन्हें दोबारा विस्थापित करेंगे. दंगे में मारे गए राम सरन दास रस्तोगी के परिवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई थी. इसके बाद तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह और स्थानीय प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर तथा पैमाइश कर जमीन तैयार कराई है. विधि-विधान से भूमि पूजन और हवन के बाद यह पट्टा सौंपा जाएगा. दरअसल, साल 1978 के सांप्रदायिक दंगे में संभल के मोहल्ला कोटपूर्वी निवासी राम सरन दास रस्तोगी की दंगाइयों ने दुकान पर ही टुकड़े-टुकड़े करके नृशंस हत्या कर दी थी. इसके बाद उनके शव को तराजू से बांधकर नखासा इलाके की पुलिस चौकी के पास एक कुएं में फेंक दिया गया था. इस खौफनाक वारदात के बाद डरा-सहमा पीड़ित परिवार संभल से पलायन कर दिल्ली में

रहने लगा था. बीते कुछ महीने पहले इस पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री और तत्कालीन डीएम से मुलाकात कर दोबारा संभल में बसने की मांग की थी.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दखल और प्रशासन का एक्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों मथुरा के एक कार्यक्रम में इस दंगे का जिक्र करते हुए कहा था कि पीड़ित परिवार ने उनसे मिलकर अपनी संपत्ति लूटे जाने की बात कही थी, जिस पर उन्होंने दोबारा कब्जा दिलाने का भरोसा दिया था. मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप संभल प्रशासन ने शेर खा सराय इलाके में नवीन परती की सरकारी भूमि पर बने अवैध कब्रिस्तान को जमींदोज कर जमीन को कब्जा मुक्त कराया था. अब उसी जमीन का 100 वर्गमीटर हिस्सा इस पीड़ित परिवार को दिया जा रहा है.

टेंट और पंडाल तैयार, कल होगा भूमि पूजन

तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज जमीन की पैमाइश और सफाई का काम पूरा करा लिया गया है. हालांकि पहले यह कार्यक्रम आज ही होना था, लेकिन प्रशासन ने इसे स्थगित कर दिया है और अब यह कार्यक्रम कल यानी 3 जून को आयोजित किया जाएगा. मौके पर टेंट लगाकर पंडाल तैयार किया जा रहा है. कल इस जमीन पर बाकायदा हवन और पूजन किया जाएगा.

'मच्छर और माफिया दोनों खत्म किए', कुशीनगर में बोले CM योगी- 'फाजिलनगर' का नाम अब 'पावागढ़' होगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुशीनगर में 424 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 278 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करके जिले को प्रगति की नई राह दिखाई. अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद तमकुही राज और पावा नगर की पवित्र भूमि पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने विपक्ष की सरकारों में रहे पहचान के संकट, जंगल पार्टी के आतंक और विभिन्न माफियाओं के राज को खत्म करने के उद्देश्य से अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं. मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों की मांग को स्वीकार करते हुए फाजिलनगर का नाम बदलकर 'पावागढ़' करने का आधिकारिक प्रस्ताव रखने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में मच्छर और माफिया दोनों का इलाज कर उन्हें जड़ से खत्म किया गया. बीमारी भी दूर और क्राइम भी.

2017 से पहले पहचान का संकट और माफियाओं का आतंक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरानी स्थिति की याद दिलाते हुए कहा कि करीब नौ-दस साल पहले कुशीनगर पहचान और बीमारी के संकट से जूझ रहा था. उस दौर में यहां खनन माफिया, बालू माफिया और 'जंगल पार्टी' का भारी आतंक था. आज की 25 वर्ष से कम उम्र की युवा पीढ़ी उस खौफ और अराजकता को शायद जानती भी नहीं होगी. इसके अलावा, इंसेफ्लाइटिस जैसी खतरनाक बीमारी यहां के मासूम बच्चों की जान ले रही थी और पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल स्थिति में थी सीएम योगी ने बताया कि पहले किसानों की स्थिति बेहद खराब थी. गन्ने की पर्ची तक नहीं मिलती थी और मिलने पर घटतौली का सामना करना पड़ता था. उन्होंने विपक्ष को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद राम मंदिर नहीं बनने दिया और समाजवादी पार्टी तो घोषित रामद्रोही है. उन्होंने याद दिलाया कि 498 वर्ष पहले एक विदेशी आक्रांता ने मंदिर तोड़ा था, लेकिन डबल इंजन की भाजपा सरकार बनने के बाद ही राम भक्तों का संकल्प पूरा हो पाया है.

'फाजिलनगर' का नाम बदलकर अब होगा 'पावागढ़'

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2022 से पहले तमकुहीराज और फाजिलनगर के नाम पर सिर्फ मसखरेबाजी होती थी और इसे मजाक का पात्र बना दिया गया था. उन्होंने मंच से घोषणा की कि फाजिलनगर के विधायक और सांसद की मांग पर सरकार ने इसके नामकरण का प्रस्ताव तैयार कर लिया है.

ब्राह्मणों के बाद जैन समाज पर टिप्पणी; अमीक जामेई ने कराई समाजवादी पार्टी की फजीहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का राग आलापकर विधानसभा चुनाव में अपनी नैया पार लगाने की जुगत लगा रही समाजवादी पार्टी एक बार फिर विवाद में फंस गई है। वह एक बार फिर जाति-धर्म का जिक्र करने के कारण चर्चा में है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमीक जामेई ने एक न्यूज चैनल पर बहस में कहा कि देश में सबसे बड़े 20 मांस निर्यातकों (मीट एक्सपोर्टरों) में से 18 जैन समुदाय के हैं। इस पर जैन समुदाय नाराज हो गया है। हालांकि अमीक जामेई ने सफाई दी है कि वे गल्ती से जैन बोल गए, वे बहुसंख्यक समाज बोलना चाहते थे। इससे पहले समाजवादी पार्टी के ही राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने ब्राह्मण समुदाय पर एक कहावत के जरिए अशोभनीय टिप्पणी की थी। इस पर उन्हें ब्राह्मण समाज से माफी मांगनी पड़ी थी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उनकी इस टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए निर्देश दिए थे।

20 में से 18 मांस निर्यातक जैन

अब अमीक जामेई ने जैन समाज पर टिप्पणी की है जिससे समाजवादी पार्टी को चुनाव में नुकसान होने की संभावना है। अमीक जामेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अपना वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने मांस निर्यातक के रूप में जैन समाज का उल्लेख करने पर माफी मांगी है। जामेई ने वीडियो में एक न्यूज चैनल पर हुई बहस का जिक्र करते हुए कहा है कि, 'बकरीद के दिन एक बहस में कुर्बानी के नाम पर पूरे देश के मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा था। उसमें मेरा कहना था कि भारत में जो बड़े (मीट) एक्सपोर्टर हैं, उन 20 में से 18 बहुसंख्यक समाज के हैं। मेरी जुबान से जैन समाज का नाम निकल गया। इसकी धारणा, इसके शो, इसके रिसोर्स पर मैं जाना नहीं चाहता हूं।

समाजवादी पार्टी जैन समुदाय की पक्षधर

उन्होंने कहा कि, 'बतौर मुसलमान अल्पसंख्यक, जैन अल्पसंख्यक समाज का जो दुख दर्द है, जिस तरह से उनको पालिताना में, जिस तरह से उनको गिरिनार पर्वत जी में, जिस तरह से झारखंड के मामले में, मध्य प्रदेश में, उनके मंदिरों पर देश के लोगों, एक समाज के लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है, हमला किया जा रहा है। हमने हमेशा समाजवादी पार्टी की तरफ से जैन समाज के पक्ष में अपनी बात रखी। आज तक किसी धर्म पर, किसी जाति, सम्प्रदाय पर, भाषा पर मेरे द्वारा एक वर्ड ऐसा नहीं निकला जिससे कि किसी का दिल खराब हो जाए।'

ट्रेन में सीट को लेकर बहस, स्टेशन पर हमला... मध्य प्रदेश के बैतूल में युवक की पीट-पीटकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल में ट्रेन में सीट को लेकर यात्रियों के बीच शुरू हुआ विवाद हत्या में बदल गया. बोरदेही रेलवे स्टेशन पर रविवार की देर रात पेंचवेली एक्सप्रेस में खूनी झड़प हुई. हमले में छिंदवाड़ा के रहने वाले 25 साल के युवक अली खान की मौत हो गई. प्लेटफॉर्म पर शव मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है. सभी आरोपी फिलहाल फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है. मृतक अली खान के दोस्त और मामले के चश्मदीद जयंत विश्वकर्मा ने घटना की पूरी कहानी बताई. उन्होंने कहा कि ट्रेन में सीट को लेकर शुरू हुई मामूली बहस इतनी बड़ी वारदात में बदल जाएगी, इसका किसी को अंदाजा भी नहीं था. चश्मदीद जयंत विश्वकर्मा ने कहा, 'हम कुल चार लोग थे. हम सभी पेंचवेली एक्सप्रेस से भोपाल जा रहे थे. परासिया स्टेशन पर ट्रेन में एक अनजान व्यक्ति आया. वहां सीट को लेकर हमारे बीच उससे बहस हो गई. इसके बाद उस व्यक्ति ने बोरदेही स्टेशन पर अपने 10-12 साथियों को पहले से ही बुला लिया. उन्होंने आगे बताया कि जैसे ही ट्रेन बोरदेही रुकी, वहां पहले से मौजूद लोगों ने अली खान को जबरन नीचे उतारा और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया. चश्मदीद ने कहा, 'हमला इतना खतरनाक था कि हम लोग किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे. चश्दीदों के मुताबिक, परासिया स्टेशन पर हुई कहासुनी के बाद एक बार तो मामला शांत हो गया था. लेकिन दूसरे पक्ष के मन में रंजिश बाकी थी.

कोटा की महिला को इंदौर बुलाकर होटल में किया रेप, अब पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से सोशल मीडिया की दोस्ती के बाद हुए अपराध का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां राजस्थान के कोटा की रहने वाली एक विवाहित महिला को उसके इंस्टाग्राम दोस्त ने इंदौर बुलाकर एक होटल में अपनी हवस का शिकार बना डाला। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित महिला की आरोपी युवक से मुलाकात कुछ समय पहले मनाली घूमने के दौरान हुई थी। वहीं पर दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर गहरी दोस्ती में बदल गई।

शादी का झांसा देकर होटल में किया रेप

आरोपी युवक ने महिला को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और लगातार शादी करने के वादे करता रहा। इसी झांसे में आकर महिला कोटा से इंदौर पहुंची। आरोपी उसे इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र के एक नामचीन होटल में ले गया। होटल के कमरे में आरोपी ने शादी का दबाव और प्यार की दुहाई देकर महिला के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जब महिला ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया, तो आरोपी अपने वादे से मुकर गया और उसे धमकी देने लगा। खुद को ठगा महसूस कर पीड़िता ने तुरंत नजदीकी थाने में न्याय की गुहार लगाई।

आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

लसूडिया थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल शून्य पर कायमी कर जांच शुरू की और पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया। पुलिस की एक विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को इंदौर से ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर होने वाली ऐसी दोस्तियों को लेकर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। आरोपी से फिलहाल पूछताछ जारी है कि उसने पहले भी किसी और को इस तरह निशाना बनाया है या नहीं।

फव्वारे में उतरी युवती, चिल्लाकर लगाने लगी धर्मिक नारे, उठा- उठाकर फेंके गमले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। उत्तरप्रदेश के बिजनौर के नजीबाबाद में एक सार्वजनिक स्थल पर हुई असामान्य घटना ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. यहां झंडा चौक स्थित फव्वारे में उतरी एक युवती के व्यवहार से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है. नजीबाबाद शहर में स्थित झंडा चौक पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक युवती अचानक सार्वजनिक फव्वारे में उतर गई और वहां खड़े होकर जोर-जोर से धार्मिक नारे लगाने लगी. घटना के दौरान युवती ने फव्वारे के आसपास रखे कई गमलों को उठाकर जमीन पर पटक दिया, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना झंडा

चौक स्थित पानी के फव्वारे के पास हुई, जहां युवती अचानक फव्वारे के अंदर पहुंच गई और ऊंची आवाज में धार्मिक नारा दोहराने लगी. शुरुआत में लोगों को समझ नहीं आया कि आखिर क्या हो रहा है, लेकिन कुछ ही देर बाद युवती ने आसपास रखे सजावटी गमलों को उठाकर फेंकना शुरू कर दिया. इससे वहां मौजूद राहगीरों और दुकानदारों में भय का माहौल पैदा हो गया. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई. कई लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया. देखते ही देखते यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल होने लगा, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया. वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और घटना की जांच शुरू कर दी. जानकारी के अनुसार, पुलिस ने युवती के परिजनों से संपर्क कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवती के परिवार को नोटिस जारी किया गया है तथा उसकी उचित देखभाल और निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. जब इस मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

दिल्ली में सूर्या चौहान जैसा हत्याकांड! नाबालिग को चाकू गोदकर उतारा मौत के घाट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। सूर्या चौहान हत्याकांड के बाद अब दिल्ली में भी एक नाबालिग की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है. उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में पांचवां पुस्ता इलाके में एक 17 साल के युवक की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है. मृतक युवक की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है. इस वारदात को एक दर्जन से ज्यादा लड़कों ने मिलकर अंजाम दिया है. हमलावरों ने नाबालिग अभिषेक को घेर लिया और उस पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए. बताया जा रहा है कि हमलावरों ने अभिषेक के पूरे शरीर पर एक दर्जन से ज्यादा बार चाकुओं से वार किए. गंभीर रूप से घायल होने के कारण अभिषेक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ये पूरी घटना 1 जून 2026 की रात की है. न्यू उस्मानपुर पुलिस थाने को रात करीब 10:25 बजे इलाके में चाकूबाजी होने की सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची. घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस ने देखा कि 17 साल का एक नाबालिग युवक जमीन पर लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ था. जांच करने पर उसे मृत पाया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आलाधिकारी भी तुरंत मौके पर पहुंचे. पुलिस ने तुरंत फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया. फॉरेंसिक टीम ने क्राइम सीन का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से मामले से जुड़े जरूरी सबूत जमा किए.

बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने इस हत्याकांड में न्यू उस्मानपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है. शुरुआती जांच में ये पूरी तरह साफ हो गया है कि युवक की मौत चाकू गोदे जाने के कारण ही हुई है दिल्ली पुलिस के आलाधिकारियों का कहना है कि पुलिस टीम को इस मामले में कुछ बेहद अहम सुराग हाथ लगे हैं. आरोपियों को जल्द से जल्द दबोचने के लिए पुलिस की कई अलग-अलग टीमों को तैनात किया गया है.

दिल्ली के विकास के लिए जर्मनी से हाथ मिलाएगी सरकार, CM रेखा ने की विदेशी मंत्री से मुलाकात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में जर्मनी के थुरिंगिया राज्य के मंत्री-प्रमुख मारियो वोग्ट और उनके उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इस दौरान शहरी विकास, प्रौद्योगिकी, सुशासन और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने स्मार्ट शहरों के विकास, टिकाऊ बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रशासन और नवाचार आधारित सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। इन चर्चाओं में परिवहन व्यवस्था, जल प्रबंधन, पर्यावरण से जुड़ी तकनीकों, शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों पर भी बात हुई। इन पहलों का उद्देश्य भारत और जर्मनी के बीच प्रतिभाशाली लोगों के आदान-प्रदान को और मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और जर्मनी के संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि नवाचार, सतत विकास और मानव संसाधन विकास से जुड़ी विभिन्न पहलों के माध्यम से दिल्ली इस बढ़ती साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

CM ने एक्स पर की जानकारी साझा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक की जानकारी साझा करते हुए कहा कि जर्मनी के थुरिंगिया राज्य के मंत्री-प्रमुख मारियो वोग्ट और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ उनकी सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि बैठक में स्मार्ट शहरी विकास, टिकाऊ बुनियादी ढांचा, डिजिटल प्रशासन, नवाचार, कौशल विकास, प्रतिभाओं के आदान-प्रदान, परिवहन व्यवस्था, जल प्रबंधन, पर्यावरण तकनीकों तथा शिक्षा और कार्यबल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत और जर्मनी के बीच साझेदारी लगातार मजबूत हो रहीः सीएम रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और जर्मनी के बीच साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है और कई क्षेत्रों में इसका विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि नवाचार, सतत विकास और मानव संसाधन विकास की इस साझा यात्रा में योगदान देना दिल्ली के लिए गर्व की बात है। प्रतिनिधिमंडल और दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने उन क्षेत्रों पर भी चर्चा की, जहां शहरी योजना, स्वच्छ ऊर्जा और नगर प्रशासन के क्षेत्र में जर्मनी का अनुभव दिल्ली की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित हो सकता है।

हल्की बारिश ने मुंबईकरों को दी राहत, IMD का मध्य महाराष्ट्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

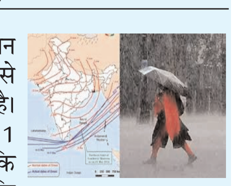

मुंबईः भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अनुमान लगाया कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अगले दो से तीन दिनों के भीतर केरल में दस्तक दे सकता है। हालांकि मॉनसून केरल में अपनी तय तारीख 1 जून को नहीं पहुंचा, लेकिन अब उम्मीद है कि बहुत जल्द तेज बारिश शुरू हो जाएगी। हालांकि मंगलवार सुबह मुंबई में हल्की बारिश हुई लेकिन इससे गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिली है। मौसम विभाग ने दो जून से लेकर 5 जून तक मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ में बारिश का अनुमान जताया है।

मॉनसूनी बारिश को इंतजार

मध्य महाराष्ट्र में 2 जून से 5 जून के बीच कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जबकि मराठवाड़ा में 2 और 3 जून को ऐसी ही स्थिति रहने की उम्मीद है। पूरे महाराष्ट्र में 5 जून तक अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद है। हालांकि सोमवार तक मुंबई और कोंकण क्षेत्र के निवासियों को गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिली थी। रविवार सुबह मुंबई में हुई हल्की बारिश के बाद अब लोग बेसब्री से मॉनसून की बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मुंबई में बारिश , पुणे शहर के लिए 'येलो अलर्ट' मंगलवार सुबह भी मुंबई में मॉनसून से पहले की बारिश जारी रही।

एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे होंगे एक ? जानिए बाल साहेब ठाकरे का जिक्र कर क्या बोले महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी दिवंगत बाला ठाकरे की असली विचारधारा का प्रतिनिधित्व करती है। एकनाथ शिंदे ने कहा कि उनकी शिवसेना को जनता का जनादेश प्राप्त है और वह हिंदुत्व तथा ज़मीनी राजनीति की विरासत को आगे बढ़ा रही है। वह शिवसेना विधायक अब्दुल सत्तार और शिवसेना के MLC अंबादास दानवे की टिप्पणियों के बाद पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने दोनों गुटों के बीच संभावित सुलह की चर्चाओं को फिर से हवा दे दी थी। हालांकि उद्धव ठाकरे के गुट के साथ संभावित सुलह पर एकनाथ शिंदे ने सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि उनके गुट ने एक ऐसी सरकार बनाई है जो महाराष्ट्र की जनता की आकांक्षाओं को दर्शाती है और चुनावों में उसे लगातार जनता का समर्थन मिल रहा है। एकनाथ शिंदे बोले- हम हिंदुत्व की विचारधारा पर चल रहे एकनाथ शिंदे ने कहा, 'हम बालासाहेब की विचारधारा, यानी हिंदुत्व की विचारधारा, को कायम रखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। हमने सफलतापूर्वक एक ऐसी सरकार बनाई है जो महाराष्ट्र के आम लोगों की आकांक्षाओं को सही मायने में दर्शाती है। सिर्फ एक बार नहीं, बल्कि दो बार। अब्दुल सत्तार और अंबादास दानवे के बयान ने दी शिवसेना के एक होने की हवा शिंदे उन सवालों का जवाब दे रहे थे जो शिवसेना विधायक अब्दुल सत्तार और शिवसेना MLC अंबादास दानवे के बयानों के बाद दोनों सेनाओं के एक साथ आने की चर्चाओं से शुरू हुए थे। शिंदे ने अपने और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना गुटों के बीच किसी भी सुलह की संभावना के सवालों का कोई सीधा जवाब देने से परहेज किया। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि असली शिवसेना, सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ है और शिंदे के नेतृत्व वाली सेना वास्तव में BJP के अमित शाह द्वारा स्थापित एक सहयोगी संस्था है। हम बालासाहेब की विचारधारा, हिंदुत्व की विचारधारा को कायम रखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। हमने सफलतापूर्वक एक ऐसी सरकार बनाई है जो महाराष्ट्र के आम लोगों की आकांक्षाओं को सही मायने में दर्शाती है - न केवल एक बार, बल्कि दो बार। इसके अलावा, इन स्थानीय स्व-सरकारी निकायों में भी, महाराष्ट्र की जनता ने शिवसेना पर, 'धनुष और तीर' के निशान पर, बालासाहेब और आनंद दिघे के आदर्शों पर, और हमारे समर्पित जमीनी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों पर अपना आशीर्वाद बरसाया है। परिणामस्वरूप, हमारी जीत का यह मीठा स्वाद जारी रहेगा। एकनाथ शिंदे

अंबादास दानवे ने क्या कहा

महायुति के उम्मीदवार रवींद्र फाटक ने सोमवार को MLC चुनावों के लिए ठाणे-पालघर से अपना नामांकन दाखिल किया। जहां दानवे ने कहा कि BJP शिवसेना को खत्म करने की कोशिश कर रही है और उन्होंने 'बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है'हाथने कहा कि अगर आप (अब्दुल सत्तार) यह दावा करते हैं कि BJP, शिवसेना को खत्म कर रही है, तो आपको–और आपके उन नेताओं को जो अभी BJP के साथ मिलकर उनके महज़ चमचों की तरह काम कर रहे हैं। सबसे पहले इस सवाल का जवाब देना होगा कि आपकी अपनी इज्जत और पहचान का क्या हुआ। आपको अपने नेताओं से बात करनी चाहिए। खास तौर पर, अब्दुल सत्तार को अपने उस नेता से, जो उनके गुट का मुखिया है।

मुंबई की सड़कों पर नमाज पढ़ने से रोका जाए, BJP नेता किरीट सोमैया ने लिखा लेटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

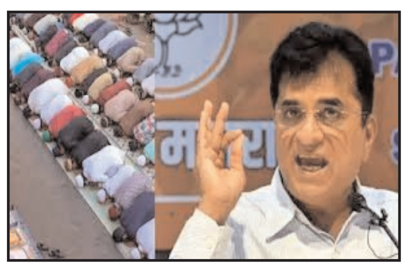

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी नेता किरीट सोमैया ने मुंबई में सार्वजनिक सड़कों पर नमाज अदा किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर नगर प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर होने वाली ऐसी गतिविधियों से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

किरीट सोमैया ने क्या कहा?

किरीट सोमैया ने मुंबई नगर आयुक्त, पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त और मुंबई शहर और उपनगरों के जिला कलेक्टरों को संबोधित पत्र में कहा कि शहर के कुछ इलाकों में रेलवे स्टेशनों के बाहर और व्यस्त सड़कों पर नमाज अदा की जाती है, जिससे यातायात बाधित होता है। विशेष रूप से शुक्रवार को दोपहर के समय बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से सड़क यातायात पर असर पड़ता है और लोगों की आवाजाही प्रभावित होती है।

किरीट सोमैया ने जताई आशंका

पत्र में उन्होंने दावा किया कि सार्वजनिक सड़कों पर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने से भविष्य में इसी प्रकार की मांगें अन्य स्थानों पर भी उठ सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि सार्वजनिक सड़कों, प्रमुख चौराहों और यातायात वाले क्षेत्रों का उपयोग धार्मिक आयोजनों के लिए न किया जाए। सोमैया ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि विभिन्न न्यायालयों ने समय-समय पर सार्वजनिक स्थानों, मैदानों और उद्यानों के उपयोग को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन से की मांग उनका कहना है कि सार्वजनिक व्यवस्था और यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए इन सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए। बीजेपी नेता ने प्रशासन से मांग की कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज अदा करने की प्रथा को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। मुंबई जैसे महानगर में कानून-व्यवस्था, यातायात और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पत्र भेजने का समय अहम क्यों?

दरअसल यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक गतिविधियों को लेकर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की ओर से बहस होती रही है। हालांकि, इस मामले पर प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सोमैया ने अपने पत्र की प्रतियां मुंबई शहर और उपनगरीय जिलों के कलेक्टरों और ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त को भी भेजी हैं, ताकि इस विषय पर समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मरीन ड्राइव पर समुद्र में महिला ने लगाई छलांग, मुंबई पुलिस कॉन्स्टेबल जयेश माली ने बचाई जान,

मुंबई के एक पुलिसकर्मी ने एक तेज बचाव अभियान में, 46 साल की एक महिला की जान बचाई। यह महिला मरीन ड्राइव प्रोमेनेड से समुद्र में कूद गई थी। यह घटना सोमवार को सुबह करीब 11.25 बजे हुई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एक पुलिस कॉन्स्टेबल और कुछ नागरिकों की तेज़ कार्रवाई की मदद से 46 साल की एक महिला को बचाया गया। महिला ने मरीन ड्राइव पर समुद्र में छलांग लगा दी थी। पुलिस ने बताया कि जब महिला ने समुद्र में छलांग लगाई, तो पुलिस कॉन्स्टेबल जयेश माली ने उसे बचाने में ज़रा भी हिचकिचाहट नहीं दिखाई। वहां से गुज़र रहे लोगों की मदद से उन्होंने तुरंत कार्रवाई की और महिला को सुरक्षित किनारे पर ले आए। असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर सोमेश्वर चौगुले और सब-इंस्पेक्टर गागरे ने तुरंत मेडिकल सहायता का इंतजाम किया, और महिला को इलाज के लिए तज्ञ अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि महिला ने यह नहीं बताया कि उसने समुद्र में छलांग क्यों लगाई थी। इलाके में गश्त कर रहे थे कॉन्स्टेबल जयेश माली लोगों ने बताया कि जैसे ही महिला ने समुद्र में छलांग लगाई, उस इलाके में गश्त कर रहे पुलिस कॉन्स्टेबल जयेश माली तुरंत एक्शन मोड में आ गए। वह महिला को बचाने के लिए कूद गए और उन्होंने आस-पास मौजूद नागरिकों की मदद से, महिला को सफलतापूर्वक बचा लिया। अस्पताल में भर्ती महिला घटना की जानकारी मिलने के बाद, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सोमेश्वर चौगुले और पुलिस सब-इंस्पेक्टर गागरे ने मेडिकल टीमों के साथ तालमेल बिठाया और यह सुनिश्चित किया कि आगे किसी भी अनहोनी से बचने के लिए महिला को मेडिकल सहायता दी जाए। महिला ने अपने बेटे का नंबर दिया, जिसे अस्पताल में बुलाया गया। बेटे ने पुलिस को बताया कि महिला पिछले एक हफ्ते से ठीक से खाना नहीं खा रही थी। अधिकारी ने आगे बताया कि महिला मानसिक रूप से परेशान लग रही थी, लेकिन इसकी वजह पता नहीं चल पाई है।

सलीम डोला ड्रग्स केस में ईडी का एक्शन, महाराष्ट्र-गुजरात में छापेमारी, दाउद इब्राहिम का है सहयोगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । ईडी मंगलवार को महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर छापेमारी की है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी हाल में तुर्किये से भारत वापस लाए गए मादक पदार्थ तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर छापेमारी की है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी हाल में तुर्किये से भारत वापस लाए गए मादक पदार्थ तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी है डोला ईडी के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किए जाने के बाद मुंबई और गुजरात के सूरत और अंकलेश्वर (भरूच जिला) में लगभग 20 स्थानों पर छापेमारी की गई। डोला उर्फ सलीम इस्माइल डोला को वैश्विक स्तर पर वांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी बताया जाता है और मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों ने उस पर एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह संचालित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

कब भारत लाया गया था डोला?

डोला (59) को अप्रैल में तुर्किये से वापस भारत लाया गया था और दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी की यह कार्रवाई उन परिसरों में की जा रही है जो रासायनिक पदार्थों के आपूर्तिकर्ताओं, रसायन के व्यापार में लगे बिचौलियों, कृत्रिम मादक पदार्थ मेफेड्रोन (एमडी) के निर्माण और वितरण में शामिल तस्करों, हवाला संचालकों और संगठित मादक पदार्थ गिरोह से प्राप्त धन से अर्जित बेनामी संपत्ति के मालिकों से संबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला डोला और अन्य लोगों के खिलाफ मुंबई में मादक पदार्थ एवं नशीले पदार्थ की अवैध तस्करी से संबंधित अपराधों के लिए दर्ज कई एफआईआर से जुड़ा है।

वकील बनकर आए 24 हुड़दंगियों ने IO को धमकाया, पैर टूटे घायल के पिता को भी नहीं बख्शा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शकरपुर। दिल्ली के एक थाने में वकीलों ने न केवल एक जांच अधिकारी के साथ गाली-गलौज की और धमकी दी, बल्कि पीड़ित पक्ष से मारपीट तक कर दी। घटना के कई विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन केस दर्ज कर लिए हैं। दो पीड़ित पक्ष की शिकायत पर हुए, जबकि एक पुलिसकर्मी के बयान पर दर्ज हुआ। घटना पूर्वी दिल्ली के शकरपुर थाने की है। बवाल करने वालों में तीन वकील हैं, जबकि बाकी वकीलों के भेष में वहां पहुंचे थे। फिलहाल आरोपी फरार हैं और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

हादसे के बाद भड़का विवाद

पुलिस के मुताबिक, घटना 30 मई की है। ASI नरेंद्र कुमार शकरपुर थाने में एक सड़क हादसे के मामले में कानूनी कार्रवाई कर रहे थे। यह दुर्घटना आरोपी ड्राइवर फरमान की गाड़ी से हुई थी, जिसमें अक्षत त्यागी युवक घायल हो गया था। उसके पैर में कई फ्रैक्चर थे। जब पुलिस मामले में FIR दर्ज कर रही थी, तभी खुद को वकील बताने वाले कई लोग थाने के भीतर जबरन घुस आए।

पुलिसकर्मी-पीड़ित परिवार से की बदसलूकी

आरोप है कि इन कथित वकीलों ने जांच अधिकारी पर दबाव बनाने की कोशिश की, जिससे आरोपी ड्राइवर फरमान के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न हो। जब पीड़ित पक्ष ने इसका विरोध किया, तो वकीलों ने घायल अक्षत त्यागी के पिता बालेश्वर त्यागी और उनके रिश्तेदारों के साथ गाली-गलौज की और उन पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने उतरे एएसआई के साथ भी इन लोगों ने बदतमीजी की, उन्हें धक्का दिया, गालियां दीं, धमकाया और सरकारी काम में बाधा डाली। कुछ देर के लिए थाने के भीतर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

CM रेखा गुप्ता का बड़ा एक्शन, 40 से अधिक डॉक्टरों और अफसरों का ट्रांसफर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करने वाली सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी के 40 से ज्यादा डॉक्टरों और अधिकारियों का तुरंत ट्रांसफर कर दिया गया है. मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से साफ कहा गया है कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि सरकारी अस्पतालों के लिए होने वाली दवाइयों की खरीद-फरोख्त में पूरी पारदर्शिता लाई जा सके और जनता के प्रति सिस्टम की जवाबदेही तय हो. इस कड़ी कार्रवाई की मुख्य वजह पिछले दिनों विजिलेंस डिपार्टमेंट द्वारा CPA दफ्तर में मारी गई अचानक छापेमारी को माना जा रहा है. इस छापेमारी के दौरान टीम को दवाइयों की खरीद और एजेंसी के कामकाज में कई गंभीर गड़बड़ियां और कमियां मिली थीं. विजिलेंस की इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री ने यह सख्त रुख अपनाया है. इस बड़े फैसले की गाज विभाग के कई बड़े अधिकारियों पर भी गिरी है. ट्रांसफर किए गए लोगों में CPA के हेड ऑफ ऑफिस डॉ. विनोद कुमार रंगा समेत 10 सीनियर डॉक्टर शामिल हैं, जिन्हें तुरंत प्रभाव से वहां से हटा दिया गया है. डॉक्टरों के अलावा प्रशासनिक मोर्चे पर तैनात 10 अन्य कर्मचारियों को भी बदला गया है, जिनमें सेक्शन ऑफिसर, सीनियर असिस्टेंट और जूनियर असिस्टेंट स्तर के स्टाफ शामिल हैं. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य और सरकारी काम में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर ब्लास्ट के बाद गिरी बिल्डिंग, तीन लोग रेस्क्यू, मलबे में फंसा है शख्स

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुकुंदपुर। दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में मंगलवार को संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट के कारण एक इमारत ढह गई. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया बचाव टीम ने मलबे से तीन लोगों को सफलतापूर्वक निकाल लिया है. घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस घटना में छह लोग घायल हुए हैं. उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में अभी जानकारी नहीं दी जा सकती है और डॉक्टरों द्वारा मेडिकल जांच के बाद ही कुछ पता चलेगा. पुलिस के मुताबिक, जिस इमारत में ये हादसा हुआ, उसका इस्तेमाल बर्तन पॉलिश करने के लिए किया जाता था. स्थानीय लोगों का कहना है कि ये हादसा एक संभावित एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट की वजह से हुआ है. धमाका इतना जोरदार था कि इसके प्रभाव से पूरी की पूरी बिल्डिंग ढह गई और वहां चीख-पुकार मच गई. स्थानीय लोगों का कहना है कि रेस्क्यू टीम ने तीन लोगों को रेस्क्यू कर लिया है. हालांकि, अभी-भी एक व्यक्ति के मलबे में फंसे होने की आशंका है. बचाव दल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है. मौके पर मौजूद बचाव दल के अधिकारी ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए खुद ही मलबे को हटाना शुरू कर दिया था. इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को मलबे से सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया. अभी-भी एक व्यक्ति के मलबे में फंसे होने की आशंका है, जिसकी तलाश जारी है. आपको बता दें कि हाल ही साउथ दिल्ली के महरौली थाना इलाके के सैदुलाजाब में एक पांच मंजिला इमारत पूरी तरह ढह गई थी. ये इमारत पास की ही एक दूसरी बिल्डिंग पर जा गिरी, जिसके नीचे बनी कैंटीन में खाना खा रहे कुछ छात्र मलबे में दब गए थे. इस हादसे में कई लोगों की मौत की जानकारी सामने आई थी.

महाराष्ट्र और बंगाल में महिलाओं की योजना का लाखों अपात्र लोग ले रहे लाभ

राज्य सरकारें जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई सरकारी योजनाएं अब पात्रता और पारदर्शिता के सवालों के घेरे में हैं। महाराष्ट्र में लाड़की बहिन योजना से करीब 80 लाख लाभार्थियों के नाम हटाए जाने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक बहस छिड़ गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में भी लक्ष्मी भंडार योजना के तहत लाखों अपात्र लोगों के लाभ लेने का दावा किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए लाई गई इन योजनाओं का लाभ दोनों ही राज्यों में पुरुष भी ले रहे थे, जिसके बाद ये कदम उठाए गए हैं। दोनों राज्यों में सरकारें अब ई-केवाईसी, दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की नई जांच के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी हैं, जिससे इन महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें महाराष्ट्र में प्रदेश सरकार की लाड़की बहिन योजना को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। राज्य सरकार ने अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी न करने वाले करीब 80 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए हैं। ये कार्रवाई योजना को लेकर आ रही शिकायत के बाद की गई है। इस योजना का फायदा अपात्र भी उठा रहे थे।

जांच में सामने आया था कि कुछ पुरुष और सरकारी कर्मचारी भी गलत तरीके से 1500 रुपए की मासिक राशि ले रहे थे। इस धांधली को रोकने के लिए वेरिफिकेशन और ई-केवाईसी का अभियान शुरू किया गया था। वेरिफिकेशन में एक तकनीकी पेच भी फंसा। रिपोर्ट के मुताबिक मराठी भाषा में पूछे गए एक सवाल के गलत जवाब की वजह से करीब 24 लाख महिलाओं को सरकारी कर्मचारी मान लिया गया था। हालांकि, बाद में हुई जांच में इनमें से 20 लाख महिलाएं पूरी तरह पात्र पाई गईं थीं।

प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में लाभार्थियों की संख्या कम होने को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल ई-केवाईसी लंबित रहने से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई अन्य कारण भी हैं। तटकरे ने बताया कि सरकार ने ई-केवाईसी के लिए शुरुआती समयसीमा तय की थी, जिसे बाद में कई बार बढ़ाया गया। कुल मिलाकर लाभार्थियों को करीब 8 से 10 महीने का समय दिया गया। उन्होंने कहा कि यह सत्यापन प्रक्रिया राज्य की सभी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजनाओं में अपनाई जाती है, केवल लाड़की बहिन योजना तक सीमित नहीं है।

मंत्री तटकरे के मुताबिक पिछले 10 महीनों में किए गए डेटा सत्यापन में 11 से 12 लाख ऐसे लाभार्थी पाए गए, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपए से ज्यादा है। इसके अलावा करीब 4.75 से 5 लाख महिलाएं 65 साल की आयु सीमा पार कर चुकी हैं, जिसके कारण वे योजना के दायरे से बाहर हो गईं। तटकरे ने बताया कि करीब 14 हजार सरकारी कर्मचारी भी लाभार्थियों की सूची में शामिल पाए गए थे, इसके अलावा कुछ ऐसे किसान भी चिन्हित किए गए हैं, जो अन्य योजनाओं का लाभ भी ले रहे थे। करीब 3.25 लाख लाभार्थियों के नाम पर पंजीकृत वाहन भी पाए गए हैं।

वहीं, बीते हफ्ते पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने प्रदेश की लक्ष्मी भंडार को लेकर कहा था कि इस योजना का लाभ ले रहे कीरब 30 लाख लाभार्थी अपात्र हैं। इनमें से कई गैर-भारतीय हैं या उनके नाम वोटर लिस्ट से स्थायी रूप से हटाए जा चुके हैं। सीएम अधिकारी ने नई 'अन्नपूर्णा भंडार' योजना के लिए आवेदन फॉर्म जारी किया था। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना के तहत अधिकारियों द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत आवेदन किया है या एसआईआर से जुड़े ट्रिब्यूनल में वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए अपील की है, वे इस योजना के पात्र होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बड़ी संख्या में शिकायतें मिली थीं कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हट चुके हैं और जिन्होंने ट्रिब्यूनल या सीएए के तहत आवेदन नहीं किया, वे भी योजना का लाभ ले रहे थे। सरकार 1 जून से 90 दिनों तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से नामांकन प्रक्रिया शुरु कर दी है। पंचायत क्षेत्रों में अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने का अभियान भी शुरू किया जाएगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि सत्यापन की कमी के कारण योजना में पुरुष लाभार्थियों के नाम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं 2 जून तक सफलतापूर्वक नामांकन करा लेंगी, उन्हें अगले कैबिनेट बैठक के बाद डीबीटी के जरिए राशि भेजी जाएगी।

दिल्ली के मुकुंदपुर में सिलेंडर फटने से ढहा मकान

-मलबे से सुरक्षित निकाले गए छह लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भलस्वा डेरी के पास मुकुंदपुर इलाके से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ के इशु विहार की गली नंबर 1 में सुबह अचानक एक एलपीजी सिलेंडर फट गया, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना भीषण था कि लगभग 250 वर्ग गज में बना एक मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की पाँच गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। आपातकालीन और बचाव टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से फौरन सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। राहत की बात यह रही कि अब तक मलबे के नीचे से दो महिलाओं सहित कुल छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी बीएसए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इस मकान में कुछ मजदूर अपने परिवार के साथ रहते थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और मलबे को हटाया जा रहा है।

बांद्रा में बिना अनुमति उड़ाए सैकड़ों ड्रोन, पुलिस ने मैनेजर को हिरासत में लिया

-ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त, एक ड्रोन की कीमत करीब 80 हजार रुपए

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में बांद्रा पश्चिम में बड़े पैमाने पर बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुंबई पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निषेधाज्ञा और सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए मैदान में करीब 200 से 250 ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही थी सूचना मिलने पर बांद्रा पुलिस की टीम ने मौके पर छापेमारी कर एक निजी कंपनी के मैनेजर को हिरासत में लिया और बड़ी संख्या में ड्रोन समेत अन्य उपकरण जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक 28 मई की रात बांद्रा पुलिस स्टेशन के डिटेक्शन स्टाफ को सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम स्थित विंग्स स्पोर्ट क्लब ग्राउंड में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ाकर वीडियो शूटिंग की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आसमान में सैकड़ों ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर ड्रोन संचालन रुकवाया और मौके पर मौजूद व्यक्ति को हिरासत में लिया जिसकी पहचान गोपाल नारायण सिंह (45) के रूप में हुई, जो दक्षिण दिल्ली के संगम विहार का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया कि वह बोल्डसन मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड में मैनेजर के पद पर कार्यरत है और कंपनी के विज्ञापन के लिए ड्रोन आधारित शूटिंग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस पूछताछ में गोपाल से ड्रोन संचालन की अनुमति, आवश्यक लाइसेंस और मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय से प्राप्त मंजूरी से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। हालांकि वह कोई वैध अनुमति पत्र या अधिकृत दस्तावेज पेश नहीं कर सका। जांच में कंपनी के एक अन्य पदाधिकारी सुनील गुप्ता का नाम भी सामने आया है, जो कई विभागों से अनुमति लेने की प्रक्रिया देखता था। आरोप है कि मंजूरी प्राप्त किए बिना ही ड्रोन शो और शूटिंग शुरू कर दी गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने बड़ी संख्या में हाई-टेक ड्रोन, कंट्रोल सिस्टम, ऑपरेटिंग किट और एक लैपटॉप जब्त किया है।

आरे में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन मुक्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के गोरेगांव (पूर्व) स्थित आरे मिल्क कॉलोनी (यूनिट 32) में स्थित हजरत सैयद बरकत अली शाह बाबा दरगाह पर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। करीब 70,000 वर्ग फुट सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी दरगाह को ध्वस्त करने के लिए तीन बुलडोजर चलाए गए। यह कार्रवाई सुबह 11 बजे के बाद शुरू हुई और इसके मद्देनजर पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आरोप है कि यह दरगाह दशकों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई थी, जबकि लोग इस दरगाह को पुरानी और वैध बताने का दावा कर रहे थे। आरे कॉलोनी एक सुरक्षा संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और ध्वस्तीकरण के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में जिला प्रशासन को पहले ही पत्र लिखकर अवगत कराया था, जिसके बाद प्रशासनिक स्तर पर इस मामले की कड़ी निगरानी की जा रही थी। इस मुद्दे को बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने पिछले साल अप्रैल में प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने आरे कॉलोनी में कथित अवैध दरगाह और अतिक्रमण पर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। बीजेपी नेता सोमैया ने कार्रवाई से कुछ ही दिन पहले इस दरगाह का दौरा भी किया था।

सीएम योगी ने फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ किया

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के कुशीनगर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक बड़ा ऐलान कर फाजिलनगर का नाम बदलकर पावागढ़ रखने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी ने कुशीनगर की जनता को संबोधित कर ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी दी, जिसका लोगों द्वारा लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सीएम योगी ने कहा कि अब यह क्षेत्र फाजिलनगर नहीं बल्कि पावागढ़ के रूप में मान्यता प्राप्त करेगा और इस भगवान महावीर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया, क्यों हम फाजिल कहे! और इस बदलाव को वर्तमान पीढ़ी का बड़ा सौभाग्य बताया। मुख्यमंत्री योगी ने संकेत दिया कि लोगों की मांग पर विधायक और सांसद मिलकर काम कर रहे थे, और अब नामकरण का प्रस्ताव भी आगे बढ़ा दिया गया है। अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का जिक्र कर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि करीब 498 वर्ष पहले एक विदेशी आक्रांता ने राम मंदिर को तोड़ने का कुत्सित प्रयास किया था, और कई पीढ़ियों तक मंदिर निर्माण में बाधाएं आती रहीं। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि डबल इंजन की भाजपा सरकार के प्रयासों से ही राम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो सका, जबकि कांग्रेस और सपा जैसे दल इसके मार्ग में रोड़े अटका रहे थे और घोषित रामद्रोही थे। मुख्यमंत्री योगी ने मतदाताओं की शक्ति पर जोर देकर कहा कि फाजिलनगर, पडरौना, खड्डा या हाटा जैसे क्षेत्रों में दिया गया एक-एक वोट लखनऊ और दिल्ली में अपनी ताकत दिखाता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि इसी वोट की शक्ति से अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त हुई, और पाकिस्तान को थर्रा देने वाली मिसाइलों का निर्माण लखनऊ में हो रहा है।

बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनेंगी वी. मोहना

-हिजाब बैन से लेकर सैन्य महिला अधिकारियों के मामलों तक की पैरवी

-शीर्ष अदालत में महिला जजों की संख्या बढ़कर दो होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिश स्वीकार किए जाने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने से उनकी नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। खास बात यह है कि वी. मोहना बार से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज बनने वाली दूसरी महिला होंगी। इससे पहले वर्ष 2018 में जस्टिस इंदु मल्होत्रा को वकालत से सीधे शीर्ष अदालत में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

59 वर्षीय वी. मोहना का न्यायिक और विधिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने वर्ष 1988 में कोयंबटूर लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई पूरी की और तब से लगातार वकालत कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता (सीनियर एडवोकेट) का दर्जा प्रदान किया था। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण और चर्चित मामलों में पक्ष रखा। इनमें सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों की सेवा शर्तों से जुड़े मामले, वरिष्ठ नागरिकों के संपत्ति अधिकारों से संबंधित विवाद तथा कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे हैं।

वी. मोहना की नियुक्ति के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर दो हो जाएगी। पिछले कई महीनों से जस्टिस बी. वी. नागरत्ना शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला जज थीं। जस्टिस नागरत्ना अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत हैं और वर्ष 2027 में देश की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की संभावना रखती हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में वी. मोहना 12वीं महिला न्यायाधीश होंगी। इससे पहले जस्टिस एम. फातिमा बीवी 1989 में शीर्ष अदालत की पहली महिला जज बनी थीं। वहीं, जस्टिस इंदु मल्होत्रा बार से सीधे नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश थीं।

वंदे मातरम के पांच अंतरे हर कार्यक्रम में अनिवार्य करना अनावश्यक और बोझिल

–शशि थरूर ने वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने आधिकारिक कार्यक्रमों के शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी पांच अंतरे गाए जाने की अनिवार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर छिड़े एक नए विवाद के बीच, थरूर ने इस प्रथा को श्रोताओं के लिए अनावश्यक और बोझिल बताया है। केरल में राष्ट्रगीत के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच थरूर ने कहा कि वंदे मातरम का सभी सम्मान करते हैं, लेकिन हर समारोह में इसके सभी अंतरे बजाने को अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्रगीत है और जब इसे गाया जाता है तो हम सम्मानपूर्वक खड़े हो जाते हैं। इसका पहला अंतरा या शुरुआती दो अंतरे, ज्यादातर लोगों को मुंह जुबानी याद होते हैं। थरूर ने कहा कि परंपरागत रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता है, जबकि राष्ट्रगान अलग से, अक्सर अंत में बजाया जाता है। उन्होंने कहा कि अब वे चाहते हैं कि हर कार्यक्रम की शुरुआत में और अंत में पांचों अंतरे गाए जाएं। मुझे लगता है कि यह एक अनावश्यक थोपा हुआ नियम है। थारूर ने जोर दिया कि उन्हें राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि हम सभी वंदे मातरम का सम्मान करते हैं। मैं खुशी-खुशी इसे आपके लिए गा सकता हूं।

बता दें वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1870 के दशक में की थी। बाद में इसे उनके प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास आनंदमठ (1882) में शामिल किया गया। यह मूल रूप से संस्कृत और बंगाली भाषा के मिश्रण में लिखा गया है। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत देशभक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक बनकर उभरा। साल 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे राजनीतिक मंच पर गाया था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम को राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर ही सम्मान दिया जाएगा।

टीएमसी के 50 विधायक बदल सकते हैं पाला

–चुनाव चिन्ह भी पड़ सकता है खतरे में

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता से बेदखल हुई टीएमसी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पार्टी के 50 विधायक पाला बदलने के लिए सौदेबाजी करते सुनाई दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा सोमवार को दो विधायकों को निष्कासित किए जाने के बाद से राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हो गई हैं कि टीएमसी के करीब 50 विधायक पार्टी से अलग हो सकते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब कई पार्षद लगातार अपने पदों से इस्तीफा दे रहे हैं और पार्टी के बड़े नेता आधिकारिक कार्यक्रमों से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। दो विधायकों के निष्कासन के बाद अब विधानसभा में टीएमसी के सदस्यों की संख्या घटकर 78 रह गई है। राजनीतिक हल्कों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि निष्कासित विधायक रीताब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व में एक नई तृणमूल का गठन किया जा सकता है, हालांकि अभी तक किसी भी नेता ने इस पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है।

दूसरी तरफ, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इन दोनों विधायकों का विशेष रूप से जिक्र किया है। मुख्यमंत्री के अनुसार, हावड़ा की उलुबेरिया पूर्व सीट से विधायक रीताब्रत बनर्जी और मध्य कोलकाता के एंटाली से विधायक संदीपन साहा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के आधार पर ही विधानसभा सचिवालय ने विधायक दल के जाली हस्ताक्षर का मामला पुलिस में दर्ज कराया था। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि यह जांच किसी अन्य दल द्वारा शुरू नहीं की गई थी, बल्कि खुद टीएमसी के इन दो विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष के सामने शिकायत दर्ज कराई थी। विधायकों का आरोप था कि विपक्ष के नेता के चयन से संबंधित बैठक में ऐसा कोई प्रस्ताव पारित ही नहीं हुआ था और 70 विधायकों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत है। इस पूरे विवाद ने बंगाल की सियासत को बेहद संवेदनशील मोड़ पर ला खड़ा किया है।

तो महाराष्ट्र जैसी बन जाएगी स्थिति

यदि टीएमसी के 50 विधायक अलग होकर एक नया गुट बनाते हैं, तो बंगाल में भी महाराष्ट्र जैसा राजनीतिक परिदृश्य देखने को मिल सकता है। जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में बड़ी बगावत के बाद मूल कप्तानों को अपनी ही पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न गंवाना पड़ा था, वैसी ही स्थिति यहाँ भी बन सकती है। टीएमसी नेतृत्व ने जिन दो विधायकों पर कार्रवाई की है, उन्हें भेजे गए पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतने के बावजूद वे आधिकारिक बैठकों से लगातार नदारद रहे और खुद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया। पार्टी उपाध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित इस पत्र में आरोप लगाया गया है कि इन विधायकों के बयान और कदम संगठन के हितों के पूरी तरह खिलाफ थे, जिसके कारण उन्हें प्राथमिक सदस्यता से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया।

भजनलाल ने की पीएम मोदी से मुलाकात, सरकार के कामकाज का दिया फीडबैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की। प्रदेश में होने जा रहे राज्यसभा चुनाव के मद्देनज़र यह मुलाक़ात अहम मानी जा रही है। सीएम भजनलाल ने सरकार के कामकाज को लेकर भी पीएम मोदी को फीडबैक दिया। जानकारी के मुताबिक सोमवार को करीब एक घंटे से ज्यादा दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। वहीं इस मुलाक़ात को प्रदेश में आगामी दिनों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों से भी जोड़ जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर से लेकर दिल्ली तक चर्चाओं का बाजार गर्म है, लेकिन असल वजह क्या है? ये कोई पुख्ता नहीं कर रहा। बता दें पिछले तीन महीने में सीएम की पीएम मोदी से यह तीसरी मुलाकात है। इससे पहले फ़रवरी और मार्च महीने में भी पीएम से मुलाक़ात हुई थी। बताया जा रहा है कि सीएम भजनलाल ने प्रदेश में जन कल्याणकारी योजनाओं सहित आगामी योजना की जानकारी पीएम मोदी को दी, साथ ही केंद्र के साथ मिलकर चल रही योजनाओं पर भी चर्चा की।

भोला भैरव भक्ति फाउंडेशन आयोजित कार्यक्रम में 10 हजार बच्चे लाभान्वित 128 लोगों ने रक्तदान किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भायंदर। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय भोला भैरव भक्ति फाउंडेशन मीरा-भायंदर द्वारा भायंदर (वेस्ट) के राजस्थान हॉल में निःशुल्क जंबो नोटबुक वितरण एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों, समाजसेवियों तथा रक्तदाताओं ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। नोटबुक के मुख्य सहयोगी कांतादेवी सुभाषजी खीमावत चेरिटेबल ट्रस्ट,के अलावा नोटबुक के लाभार्थीयों में विकास जैन, हरिश व्यास, अनिल जैन, देवराज परमार, प्रवीण जैन उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व विधायक गीता जैन, उप महापौर ध्रुव किशोर पाटील, सभापती एवं नगरसेविका सुनिता जैन, मोबेल कोरिया, डा. भव्या शाह, नगरसेवक भगवती शर्मा, परेश शाह, भाजपा युवा नेता संदीप पिपलीया, राजनीतिक विश्लेषक निरंजन परिहार, शताब्दी गौरव के सिद्धराज लोढ़ा, पत्रकार देवेन्द्र पोस्वाल, दीपक जैन, जेठमल राठौड, समाजसेविका भावना तिवाडी, निलम तेली, समाजसेवी धर्मेश रांका, मनिष मुणोत, चेतन जैन, लच्छुभाई संघवी, किशोर जैन, ईश्वर मेहरा, प्रवीण मेहता, मनीष सांकरिया, हसमुख पुनमिया, कृणाल पुरोहित, प्रकाश बी. शाह, निव अंश स्कूल की प्रिंसिपल धारा शाह बगेरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। फाउंडेशन पिछले 15 वर्षो से बिना किसी जाति, धर्म, वर्ण और वर्ग के भेदभाव के जरूरतमंद छात्र छात्राओं को निःशुल्क जंबो नोटबुक वितरित कर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस वर्ष भी हजारों विद्यार्थियों को 6 जंबो नोटबुक वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान आयोजित रक्तदान शिविर को भी उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। रक्तदान शिविर में 128 युनिट रक्त संग्रहित किया गया। युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर फाउन्डेशन ने मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं जंबो नोटबुक उपहार स्वरूप दि गयी। इस अवसर पर

उपस्थित अतिथियों ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े ऐसे सामाजिक कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराना और रक्तदान के प्रति जागरुकता फैलाना दोनों ही अत्यंत पुण्य एवं जनहितकारी कार्य हैं। फाउंडेशन के ट्रस्टी राकेश लोढ़ा ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने सभी सहयोगियों, दानदाताओं, रक्तदाताओं तथा स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

जम्बो नोटबुक के सहयोगी परिवार

बसंतदेवी स्व. जीतमलजी कोठारी, स्व. कंवरलालजी व्यास हरीश के. व्यास, गीता भरत जैन, कमलाबेन इन्दरमलजी मुठलिया, ललितादेवी टिकमचंदजी बड़ोला, स्व. निर्मलाबेन सुमेरमलजी धनरेशा, सोहन कंवर भोपालचंदजी मेहता, अशोक कुमारजी रांका, स्काय सिटी, निवांता, इवारा, स्व. नेनुबाई मोहनराजजी पोरवाल, सुरेश जगदीशजी खण्डेलवाल, राजेश रतनचंदजी पुनमिया, सरितावेन प्रकाशचंदजी लोढा, स्व. संदीप बाबुलालजी सिंघवी, संघवी सरस्वतीबेन लखमीचंदजी खांटेर, शताब्दी गौरव,आभुषण टाईम्स, सिल्वेरिओ आर्टसा प्रा. लि., टच ऑफ गोल्ड, देवराज परमार, मनीष साकरिया, प्रविण जैन, के. बी. प्रोडक्ट्स प्रा. लि. मुंबई (थैली के लाभार्थी परिवार) रहा।

सिंधु जलसंधि पर खेल-1 अगस्त से भारत कर रहा नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स का काम शुरु

–चिनाब नदी के पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा, 2029 तक का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार इस साल 1 अगस्त से अपने सबसे महत्वाकांक्षी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट्स में से एक पर काम शुरू करने जा रही है। करीब 2,300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट को 31 जुलाई 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके तहत चिनाब नदी के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी बेसिन में मोड़ा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनएचपीसी के एक दस्तावेज के मुताबिक 'लिंक-3 प्रोजेक्ट' हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले की लाहौल घाटी में चिनाब नदी पर प्रस्तावित है। इस योजना के तहत चिनाब नदी पर 19 मीटर ऊंचा बैराज बनाया जाएगा। इसके साथ एक इंटेक स्ट्रक्चर और करीब 8.7 किलोमीटर लंबी जल परिवहन सुरंग का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के दूसरे चरण में जलविद्युत उत्पादन की भी संभावना रखी गई है। दस्तावेज में बताया गया है कि प्रस्तावित बैराज के आसपास का इलाका बेहद दुर्गम और पहाड़ी है। यहां चिनाब नदी एक चौड़ी यू-आकार की घाटी से होकर बहती है। क्षेत्र की ऊंचाई करीब 3,095 मीटर से लेकर 6,517 मीटर तक है और यहां तीखी पर्वत श्रृंखलाएं और गहरी घाटियां मौजूद हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक करीब 8.7 किलोमीटर लंबी यह सुरंग चिनाब बेसिन के अतिरिक्त पानी को ब्यास नदी प्रणाली में पहुंचाएगी। इस परियोजना को पाकिस्तान के लिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि चिनाब सिंधु जल संधि के तहत पश्चिमी नदियों में शामिल है, जिन पर भारत के अधिकार सीमित रहे हैं। हालांकि, पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस संधि को लेकर कड़ा रुख अपना लिया था। पानी मोड़ने का प्रस्तावित स्थल कोस्कर गांव के पास स्थित है और यह अटल टनल रोहतांग के उत्तरी छोर से आगे पड़ता है।

इस परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक इंजीनियरिंग या जलविद्युत परियोजना नहीं है, बल्कि पश्चिमी नदियों के पानी के बेहतर उपयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय नीति निर्माताओं और जल विशेषज्ञों का लंबे समय से मानना है कि पश्चिमी नदियों का काफी पानी पर्याप्त भंडारण और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बिना इस्तेमाल हुए पाकिस्तान की ओर बह जाता है। चिनाब-ब्यास लिंक परियोजना को इसी समस्या के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार को उम्मीद है कि इस परियोजना से उत्तर भारत में जलविद्युत उत्पादन की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। अधिकारियों के मुताबिक दूसरे चरण में पानी के इस नए प्रवाह का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकता है। हिमालयी नदियों को भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों में गिना जाता है। ऐसे समय में जब देश थर्मल पावर पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है, यह परियोजना ऊर्जा और जल प्रबंधन दोनों दृष्टि से अहम मानी जा रही है।

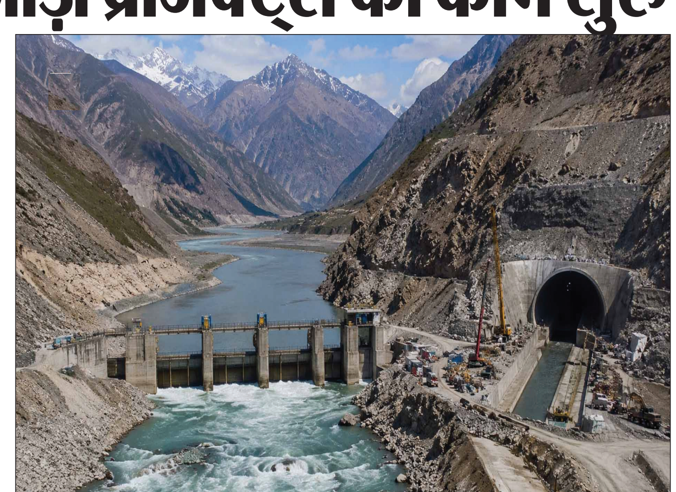

विनिर्माण तीन महीने के उच्चतम पर, राजकोषीय घाटा लक्ष्य हासिल

नई दिल्ली ।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मई 2026 सकारात्मक रहा, विनिर्माण गतिविधियां तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, वहीं सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को भी सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधन सूचकांक (पीएमआई) मई में 55 पर पहुंच गया, जो मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों और बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च का परिणाम है। कच्चे तेल में उछाल के कारण उपजी लागत के दबाव के बावजूद कंपनियों ने उत्पादन और कच्चे माल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 फीसदी के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया। संशोधित आंकड़ों के अनुसार यह घाटा 15,58,492 करोड़ रुपये रहा, जबकि इस दौरान कुल राजस्व संग्रह 33.42 लाख करोड़ रुपये रहा। हालांकि, बिजली की मांग बढ़ने के बावजूद कोल इंडिया का कोयला उत्पादन मई, 2026 में 5.61 करोड़ टन रहा। अप्रैल-मई की अवधि में कंपनी का कुल उत्पादन 10.6 फीसदी घट गया, जिसकी वजह कंपनी ने नहीं बताई।

सीएसपीटीसीएल आईपीओ की राह पर, आम निवेशकों के लिए खुलेंगे द्वार

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ पावर ट्रांसमिशन कंपनी (सीएसपीटीसीएल) जल्द ही अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। इसके जरिए कंपनी आम निवेशकों से पूंजी जुटाएगी। यह कदम सफल होने पर सीएसपीटीसीएल राज्य सरकार की पहली ऐसी कंपनी बन जाएगी, जिसके शेयर स्टॉक मार्केट में कारोबार के लिए उपलब्ध होंगे। आईपीओ का उद्देश्य कंपनी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना, निवेशकों का व्यापक आधार तैयार करना और पूंजी जुटाना है। इसके बाद कंपनी के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे, जिससे आम नागरिक भी कंपनी के विकास में भागीदार बन सकेंगे और मुनाफे पर लाभांश प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि देश की कई सरकारी और केंद्रीय ऊर्जा कंपनियां पहले से ही आईपीओ के जरिए पूंजी जुटा रही हैं। उन्होंने पुष्टि की कि छत्तीसगढ़ ट्रांसमिशन कंपनी के आईपीओ लाने पर उच्च स्तर पर चर्चा चल रही है, जो शासन स्तर का मामला है। गौरतलब है कि पूर्व में छत्तीसगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने बॉन्ड जारी किए थे, पर उसके शेयरों में कारोबार नहीं होता।

रुपया 16 पैसे चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 16 पैसे मजबूत होकर 95.03 पर पहुंच गया। भारत की मजबूत घरेलू आर्थिक स्थिति और जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बनने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि पश्चिम एशिया की अनिश्चित स्थिति हालांकि अब भी वित्तीय बाजारों और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बनाए हुए है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.16 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में चढ़कर 95.03 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 16 पैसे अधिक है। रुपया सोमवार को 34 पैसे टूटकर 95.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.19 पर रहा।

आरबीआई जून एमपीसी में रेपो रेट को रख सकता है स्थिर, आउटलुक और आक्रामक होने की उम्मीद- एचएसबीसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आने वाली जून मौद्रिक नीति कमेटी (एमसीसी) में रेपो रेट को स्थिर रख सकता है। वहीं, कमजोर रुपया और कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण महंगाई में इजाफा होने की संभावना के चलते आउटलुक और अधिक आक्रामक होने की उम्मीद है। यह बयान एचएसबीसी में एक अर्थशास्त्री की ओर से दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट और मैक्रो स्ट्रैटजिस्ट प्रांजुल भंडारी का कहना कि इस मौद्रिक नीति में आरबीआई का महंगाई और अर्थव्यवस्था की विकास दर को लेकर आने वाला अनुमान बताएगा कि नीति निर्माता कैसे इस ऊर्जा संकट को देख रहे हैं।

पिछले रिव्यू में केंद्रीय बैंक ने तेल की आधारभूत कीमत लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल और वैकल्पिक परिदृश्य के रूप में 95 डॉलर का उपयोग किया था। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री का मानना है कि तेल की ऊंची कीमतों का अनुमान अब आरबीआई का आधार होगा, जिससे महंगाई का अनुमान पहले के 4.6 प्रतिशत के अनुमान से बढ़कर 5 प्रतिशत के करीब पहुंच जाएगा। भंडारी ने कहा, ÷महंगाई बढ़ रही है, जो ब्याज दरों में वृद्धि का समर्थन करती है, जबकि विकास धीमा हो रहा है, जो ब्याज दरों में वृद्धि के खिलाफ तर्क देता है।÷ उन्होंने इसे ÷किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए सबसे कठिन स्थिति÷ भी बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि तेल की ऊंची कीमतें और संभावित अल नीनो डेवलपमेंट, महंगाई नियंत्रण, राजकोषीय घाटे और चालू खाते के लिए बाधा बन सकते हैं। केयरएज रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान और हाल ही में खुदरा ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि थोक महंगाई में तीव्र वृद्धि से उपभोक्ता कीमतों पर इसका प्रभाव के तेजी से बढ़ने का खतरा है। महंगाई में मौजूदा उछाल आपूर्ति में अचानक आई कमी के कारण है, न कि मांग में वृद्धि के कारण।

श्री सीमेंट के 'टेक्निकल टॉक्स 2026' का सफल आयोजन

जयपुर ।

श्री सीमेंट लिमिटेड ने इंडियन कंक्रीट इंस्टिट्यूट (आईसीआई) के सहयोग से जयपुर में ÷श्री सीमेंट टेक्निकल टॉक्स 2026÷ का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के मुख्य अभियंताओं, तकनीकी विशेषज्ञों एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रदीप गर्ग ने सतत निर्माण एवं कार्बन उत्सर्जन में कमी विषय पर अपने विचार साझा किए, जबकि ए माथुर ने अर्बन ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट विषय पर महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डॉ. महेश सिंघल की विशेष उपस्थिति रही। श्री सीमेंट की ओर से अमिताभ सिहाग, गौतम चटर्जी, राजेश सिंघल, विनीत सिंह एवं नितिन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

ओला इलेक्ट्रिक क्यूआईपी के जरिए जुटाएगी पूंजी

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, घटती बिक्री और लगातार घाटे के बीच ओला इलेक्ट्रिक ने क्वा लिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए नई पूंजी जुटाने का फैसला किया है। कंपनी ने इसके लिए प्रति इक्विटी शेयर 37.74 रुपये का फ्लोर प्राइस तय किया है। ओला इलेक्ट्रिक ऐसे समय में यह फंड जुटा रही है, जब वह बिक्री में सुस्ती, बाजार हिस्सेदारी पर बढ़ते दबाव और लगातार घाटे जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के विस्तार और विनिर्माण योजनाओं को गति देना है। क्यूआईपी के माध्यम से कंपनी म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों जैसे बड़े संस्थागत निवेशकों से सीधे पूंजी जुटा सकेगी। इस पूंजी का उपयोग स्थानीय उत्पादन बढ़ाने, सप्लाई चेन पर नियंत्रण हासिल करने और बैटरी सेल व इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपने आक्रामक विस्तार की रणनीति को मजबूत करने में किया जाएगा। कंपनी ने हाल ही में सहायक कंपनियों में 2,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा भी की थी।

तेल कंपनियों को नुकसान, फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार, कंपनियों को 12 रुपए प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली ।

पिछले एक हफ्ते से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भले ही स्थिरता बनी हुई है, लेकिन उपभोक्ताओं को जल्द ही फिर से महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। तेल विपणन कंपनियों को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के कारण प्रति लीटर 12 रुपये तक का नुकसान हो रहा है, जिसकी भरपाई के लिए वे जल्द ही ईंधन की कीमतों में इजाफा कर सकती हैं। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों को पेट्रोल पर प्रति लीटर 5.5 रुपये और डीजल पर 4.5 रुपये का नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर यह घाटा 12 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। मई महीने में भी इन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की थी, बावजूद इसके नुकसान की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। इस बढ़ोतरी के कारण भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 550 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए मूल्य वृद्धि एक संभावित कदम माना जा रहा है। केवल पेट्रोल-डीजल ही नहीं, बल्कि अन्य पेट्रोलियम उत्पादों पर भी कंपनियां घाटा झेल रही हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार,

एलपीजी सिलेंडर पर कंपनियों को प्रति सिलेंडर 650 रुपये का नुकसान हो रहा है, वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल पर 30 रुपये प्रति लीटर का घाटा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद 76 दिनों तक ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसके बाद 4 बार कीमतें बढ़ाई गईं। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम भी मार्च से अब तक 47 फीसदी से अधिक बढ़ चुके हैं, जिसमें हाल ही में 1 जून को 40 रुपये की वृद्धि भी शामिल है।

केंद्रीय कर्मचारियों को 63 फीसदी डीए जुलाई से, 3 फीसदी होगी बढ़ोतरी

सितंबर-अक्टूबर में घोषणा की उम्मीद

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। अनुमान है कि केंद्र सरकार उनके महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा, जो जुलाई 2026 से प्रभावी माना जाएगा। इस फैसले से लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जिसकी घोषणा सितंबर या अक्टूबर माह में की जा सकती है। लेबर ब्यूरो की ओर से जारी नवीनतम महंगाई के आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई भत्ता 3 फीसदी बढ़ सकता है। अप्रैल 2026 के लिए जारी ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स डेटा 149.9 पर पहुंच गया है, जिसके आधार पर जून तक गणना 63 फीसदी से ऊपर रहने का अनुमान है। चूंकि डीए को आमतौर पर पूरे अंक में लागू किया जाता है, इसलिए जुलाई से 63 फीसदी डीए मिलने की पूरी संभावना है। इस बढ़ोतरी की घोषणा सितंबर या अक्टूबर में होने की उम्मीद है। यदि घोषणा सितंबर में होती है, तो कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर के तीन महीनों का एरियर मिलेगा। वहीं अक्टूबर में ऐलान होने पर चार महीने (जुलाई से अक्टूबर) का एरियर देय होगा। उदाहरण के लिए, 18,000 रुपये का न्यूनतम मूल वेतन पाने वाले कर्मचारी की मासिक डीए में 540 रुपये की

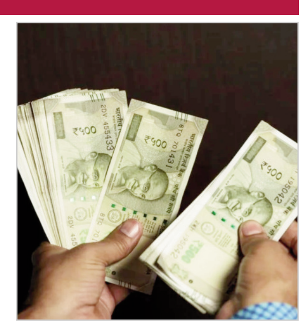

वृद्धि होगी, जिससे सितंबर में 1500 रुपये से अधिक और अक्टूबर में 2000 रुपये से अधिक का एरियर मिलेगा।

ट्रांसरेल लाइटिंग को 575 करोड़ के नए ठेके, मजबूत हुई ऑर्डर बुक

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग ने हाल ही में 575 करोड़ रुपये के नए ठेके हासिल किए हैं। ये ठेके मुख्य रूप से पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी), सिविल निर्माण और पोल आपूर्ति क्षेत्रों से संबंधित हैं, जो कंपनी के बढ़ते कारोबार को दर्शाते हैं। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार इन नए ठेकों में एक बड़े ग्राहक के लिए 500 केवी एचवीडीसी लाइन का निर्माण, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पादों की आपूर्ति और विशेष सिविल निर्माण कार्य शामिल हैं। यह ट्रांसरेल लाइटिंग की विविध क्षमताओं का प्रमाण है। 31 मार्च तक कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 16,361 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और भविष्य की विकास संभावनाओं को उजागर करती है। मुंबई स्थित यह ईपीसी कंपनी मुख्य रूप से टीएंडडी क्षेत्र में सक्रिय है और वर्तमान में 63 देशों में अपनी सेवाएं दे रही है।

निफ्टी का लक्ष्य 27,220 पर बरकरार, 15 पसंदीदा शेयरों की सूची जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार इस समय पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी बिकवाली जैसे कई दबावों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्योरिटीज ने भारत की आर्थिक बुनियाद पर अपना भरोसा कायम रखा है।

ब्रोकरेज ने दिसंबर 2026 के लिए निफ्टी का लक्ष्य 27,220 पर बरकरार रखा है और लंबी अवधि के निवेशकों के लिए 15 पसंदीदा शेयरों की सूची जारी की है।

मई 2026 के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा; जहां निफ्टी 50 बैंकिंग, आईटी और तेल शेयरों में कमजोरी से दबाव में रहा, वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने रिकॉर्ड ऊंचाई छूकर बेहतर प्रदर्शन किया। निवेशकों का रुझान इंडस्ट्रियल्स, कैपिटल गुड्स, डिफेंस और मैन्युफैक्चरिंग जैसे सेक्टरों की ओर बढ़ा है। मार्च तिमाही के नतीजे सकारात्मक रहे, निफ्टी 500 कंपनियों की आय में 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

प्रबंधन वित्त वर्ष 27 की दूसरी छमाही में मांग सुधार को लेकर सतर्क रूप से आशावादी है, जिसे सरकारी खर्च और निजी निवेश से बल मिलेगा। हालांकि, एक्सिस सिक्योरिटीज ने बढ़ती महंगाई को बाजार के लिए सबसे बड़ा जोखिम बताया है। पश्चिम एशिया तनाव से कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डाल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार डीजल की कीमतों में वृद्धि परिवहन, कृषि और लॉजिस्टिक्स सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिससे महं

एक परिवार, एक गैस कनेक्शन का नियम लागू; अतिरिक्त कनेक्शन पर होगी कार्रवाई

पीएनजी यूजर्स को 30 दिन में एलपीजी स्टेटस करना होगा स्पष्ट

नई दिल्ली ।

देशभर में एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपभोक्ताओं के लिए गैस कनेक्शन नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अब अगर किसी उपभोक्ता ने अपने घर में पीएनजी कनेक्शन लगवाया है, तो उसे 30 दिनों के भीतर अपने एलपीजी कनेक्शन की स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा अतिरिक्त कनेक्शनों पर कार्रवाई की जा सकती है। यह नया नियम पारदर्शिता लाने और गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एक ही रसोई का उपयोग करने वाले परिवार के लिए केवल एक ही घरेलू गैस कनेक्शन (एलपीजी या पीएनजी) पर्याप्त माना जाएगा। जांच के दौरान एक ही परिवार के नाम पर एक से अधिक घरेलू एलपीजी कनेक्शन पाए जाने पर अतिरिक्त कनेक्शन को नियमों के तहत हटाया जा सकता है, जिससे गैस आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। संबंधित एजेंसियां ऐसे मामलों की जांच करेंगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कनेक्शन को बंद करेंगी। हालांकि, सरकार ने उपभोक्ताओं को कुछ राहतें भी दी हैं। जो उपभोक्ता स्वेच्छा से अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करेंगे, उन्हें मौजूदा कनेक्शन को डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) में बदलने का विकल्प मिलेगा। साथ ही एलपीजी कनेक्शन बंद करने पर ट्रांसफर वाउचर दिया जाएगा, जिससे भविष्य में पीएनजी रहित क्षेत्रों में जाने पर एलपीजी कनेक्शन दोबारा सक्रिय करवाना आसान होगा। यह सुविधा खासकर नौकरीपेशा, छात्रों, किराएदारों और प्रवासी परिवारों के लिए फायदेमंद होगी, जिससे स्थान बदलने की स्थिति में औपचारिकताएं सरल होंगी और गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी।

खनन कंपनियों से 1000 करोड़ से अधिक राजस्व वसूलेगी झारखंड सरकार

धनबाद में खनन से सरकारी जमीन के उपयोग पर बड़ा खुलासा

धनबाद ।

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति ने धनबाद परिसदन में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) समेत अन्य खनन कंपनियों द्वारा रैयतों, सरकारी व वन भूमि पर अवैध खनन और ओवरबर्डन डंपिंग की समस्या की समीक्षा की। इस समीक्षा के बाद समिति ने खुलासा किया कि इन कंपनियों ने बिना अनुमति सरकारी भूमि का उपयोग किया है, जिससे राज्य सरकार को 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा। समिति के सभापति सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि विभिन्न कोल कंपनियों ने रैयतों और सरकारी जमीन का उपयोग किया है। बीसीसीएल ने सरकारी जमीन के उपयोग के लिए पहले ही 220 करोड़ रुपए राजस्व जमा करा दिए हैं। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और ईसीएल ने भी सरकारी जमीन के इस्तेमाल की बात स्वीकार करते हुए राजस्व भुगतान पर सहमति दी है, जिससे राज्य सरकार को कुल 1000 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व मिलेगा। महतो ने जोर दिया कि समिति के आकलन से राज्य सरकार के साथ-साथ रैयतों को भी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नौ महीने पहले सिंदरी विधायक द्वारा ओवरबर्डन डंपिंग का मामला संज्ञान में लाए जाने के बाद ही इस समिति का गठन किया गया था। समिति यह सुनिश्चित कर रही है कि जिन रैयतों की जमीन खनन के लिए उपयोग की गई है, उन्हें पूरा मुआवजा मिले।

इसके लिए जिला प्रशासन और बीसीसीएल को रैयतों की समस्या का सरल तरीके से निपटारा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में क्षेत्र की अन्य समस्याओं और विकास कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कोका-कोला भारतीय बॉटलिंग इकाई का आईपीओ लाएगी, 2027 में सूचीबद्धता की तैयारी

एचसीसीएच में हिस्सेदारी बेचने पर भी विचार, वैश्विक एसेट-लाइट रणनीति का हिस्सा

नई दिल्ली ।

वैश्विक पेय पदार्थ कंपनी कोका-कोला 2027 तक अपनी भारतीय बॉटलिंग इकाई की मूल कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीएच) को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही है।

इसके साथ ही कंपनी एचसीसीएच में अपनी हिस्सेदारी का एक हिस्सा बेचने पर भी मंथन कर रही है।

यह कदम कोका-कोला की वैश्विक एसेट-लाइट रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने बताया कि वह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की प्रारंभिक तैयारियां कर रही है, जो बाजार की स्थितियों और नियामकीय मंजूरियों पर निर्भर करेगा।

एचसीसीएच, भारत में कोका-कोला के सबसे बड़े बॉटलिंग व्यवसाय, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) की मूल कंपनी है। भारत कोका-कोला के लिए दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है। यह संभावित सूचीकरण कंपनी की वैश्विक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह अपने बॉटलिंग कारोबार में हिस्सेदारी घटा रही है। लगभग एक साल पहले ही कोका-कोला ने एचसीसीएच में अपनी 40त्न हिस्सेदारी जुबिलेंट भारतीय ग्रुप को बेची थी।

एचसीसीबी की स्थापना 1997 में हुई थी और यह देशभर में 14 बॉटलिंग संयंत्र संचालित करती है। कंपनी भारत में कोका-कोला, थम्स अप, स्प्राइट, माजा, किनले और फैंटा जैसे कई लोकप्रिय उत्पाद बनाती एवं बेचती है।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं।

मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं हैं, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

–अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के कारण क्रिकेट कनाडा को निलंबित किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे। इसका कारण गुलाबी गेंद से मिलने वाला अधिक सीम मूवमेंट है। वहीं आईसीसी ने खराब रोशनी के कारण खेल में समय के नुकसान को कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों को बेहतर बनाने की भी मंजूरी दी है, इससे किए आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से आर्थिक सहायता करेंगे।

खेल नियमों में एक और सुधार करते हुए आईसीसी ने अब मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर आकर खिलाड़ियों से बात करने की अनुमति दे दी है। यह सुविधा टी20 क्रिकेट में दी जा रही रणनीतिक टाइम आउट सुविधा के समान है। ये अब टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल और खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तुरंत तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गयी है। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर, आईसीसी ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों पर क्रिकेट कनाडा को निलंबित करने के साथ-साथ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। गेंदबाजी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। वैध गेंदबाजी एक्शन पर प्रभावी निगरानी के लिए अब मैदानी अंपायरों को हॉक-आई डेटा तक पहुंच मिलेगी, जिससे वे किसी गेंदबाज के एक्शन की रिपोर्ट करते समय इन आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। लेग साइड वाइड से जुड़े परीक्षण नियम को भी स्थायी रूप से अपनाने की मंजूरी दी गई है। वहीं इसके अलावा महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 के आयोजन को भी मंजूरी दी है। इस 10 टीमों के टूर्नामेंट में पांच पूर्ण सदस्य और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे, जिनका चयन रैंकिंग और महिला टी20 विश्व कप क्वालीफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा।

इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

इंदौर (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देने में सहायक साबित होते हैं। संस्थान का मानना है कि वैभव की क्रिकेट यात्रा के पीछे व्यक्तिगत क्षमता के साथ-साथ कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण और मेंटर्स का योगदान भी बेहद अहम रहा है। यह शोध केवल सफलता पर ही केंद्रित नहीं होगा, बल्कि प्रतिभा के विपरीत प्रभाव को भी सामने लायेगा। आम तौर पर देखा जाता है कि बेहद कम उम्र में मिलने वाली भारी प्रसिद्धि, करोड़ों रुपये के आकर्षक ऑफर और सोशल मीडिया का अनियंत्रित दबाव युवा प्रतिभाओं को विचलित कर देता है। इसके चलते कई खिलाड़ी मानसिक थकान और अत्यधिक अपेक्षाओं के बोझ तले दबकर अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते। इस अध्ययन के माध्यम से एक ऐसे इकोसिस्टम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, जो कॉर्पोरेट जगत को भी प्रतिभा प्रबंधन का एक बिल्कुल नया और प्रभावी मॉडल प्रदान करेगा।

फीफा विश्वकप 2026, कई नये नियमों के साथ खेला जाएगा

सेन डियागो (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले आगामी फीफा विश्वकप 2026 में फुटबॉल के खेल में कई अभूतपूर्व नियम लागू किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मैदान पर खिलाड़ियों के अनुशासन को मजबूत करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। 11 जून से शुरू होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब खिलाड़ी बहस के दौरान अपना मुंह नहीं छिपा सकेंगे। यदि कोई खिलाड़ी ऐसा करता है, तो उसे तत्काल लाल कार्ड का सामना करना पड़ेगा। यह महत्वपूर्ण कदम खिलाड़ियों के बीच होने वाले मौखिक दुर्व्यवहार, विशेषकर नस्लीय टिप्पणियों को रोकने के लिए उठाया गया है, जिसने अतीत में खेल की छवि को धूमिल किया है।

मौखिक दुर्व्यवहार पर अंकुश लगाने के इस कदम के अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था, इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन बोर्ड (आईएफएबी) ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की है। अब रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होगा जो अपने खिलाड़ियों को विरोध में मैदान छोड़ने के लिए उकसाते हैं। आईएफएबी ने स्पष्ट किया है कि विश्व कप में भाग लेने वाली सभी 48 टीमों को इन सभी संशोधनों के बारे में विस्तार से सूचित किया जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी न हो।

इन अनुशासनात्मक बदलावों के साथ-साथ, फीफा ने विश्व कप के पीले कार्ड संबंधी नियमों में भी संशोधन किया है, जिसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण नॉकआउट मैचों के लिए कम खिलाड़ियों को निलंबन का सामना करना पड़े। नए नियम के अनुसार, विश्व कप के दौरान किसी खिलाड़ी को मिले पीले कार्ड दो बार उसके रिकॉर्ड से हटा दिए जाएंगे। फीफा परिषद ने फीफा विश्व कप 2026 के नियमों में संशोधन करते हुए यह तय किया है कि ग्रुप चरण में मिला कोई भी पीला कार्ड नॉकआउट चरण में मान्य नहीं होगा। इसका अर्थ है कि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने वाले सभी खिलाड़ियों को क्लीन स्लेट के साथ शुरुआत करने का मौका मिलेगा। इसी तरह, क्वार्टर फाइनल में मिला एक पीला कार्ड अगले मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) के लिए मान्य नहीं होगा।

विश्व कप में इससे पहले यदि किसी खिलाड़ी को दो अलग-अलग मैचों में पीला कार्ड दिखाया जाता था तो उसे एक मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ता था। हालांकि, पिछले टूर्नामेंटों में क्वार्टर फाइनल चरण के बाद एक पीले कार्ड को रद्द कर दिया जाता था, जिससे यह सुनिश्चित होता था कि सेमीफाइनल में पीला कार्ड मिलने के कारण कोई भी खिलाड़ी फाइनल जैसे महत्वपूर्ण मैच से बाहर न हो। ये नए नियम खिलाड़ियों को बिना अनावश्यक दबाव के बड़े मैचों में अपनी पूरी क्षमता से खेलने का अवसर प्रदान करेंगे, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ जाएगा। ये सभी नियम फीफा विश्वकप 2026 को न केवल खेल के लिहाज से बल्कि नैतिकता और निष्पक्षता के दृष्टिकोण से भी एक नए स्तर पर ले जाने का प्रयास करेंगे।

6 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट से शुरु होगा भारतीय टीम का नया कैलेंडर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के साथ ही समाप्त हो गया है। ऐसे में अब इसमें खेल रहे खिलाड़ियों को कोई लंबा ब्रेक मिलने नहीं जा रहा है। इसका कारण है कि भारतीय टीम का नया अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर 6 जून अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से शुरु होगा। भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर अफगानिस्तान से सीरीज खेलनी है। भारत दौरे पर आ रही अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम से एक टेस्ट और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। ऐसे में प्रशंसकों को विराट कोहली और रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी एक बार फिर एकदिवसीय सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

मुम्बई । आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस–दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। टीम के भीतर इस बात पर भी चर्चा है कि उन्हें लंबे समय तक नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार किया जा सकता है। वहीं कप्तानी की दौड़ में दो अन्य अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसमें सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। सूर्या ने आईपीएल 2026 में तीन मैचों में मुंबई की कप्तानी की थी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हार्दिक पांड्या की अनुपस्थिति में एक मैच में टीम की कप्तानी की थी। ये भी कहा जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इन नए बदलावों को जल्द से जल्द लागू करना चाहती है।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

जमैका (एजेंसी)। 3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है।

यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है।

कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा। उन्होंने जीत के लिए सामूहिक प्रयास और प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान को जरुरी बजाया। साथ ही कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहेगी। सैमी ने यह भी कहा कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है।

एकदिवसीय सीरीज के बाद, दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेलेंगी, जिसके बाद यह दौरा एंटीगुआ में दो टेस्ट मैचों के साथ संपन्न होगा।

टीम इस प्रकार है-शाई होप (कप्तान/विकेटकीपर), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और शमर स्प्रिंगर।

नेमार विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में शायद ही खेल पायें

रियो डी जिनेरियो । फीफा विश्व कप 2026 से ठीक पहले ब्राजील को करारा झटका लगा है। उसके स्टार फॉरवर्ड नेमार अब तक अपनी चोट से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अब नेमार मिस्र के खिलाफ 5 जून को होने वाले दूसरे अभ्यास मैच के अलावा विश्वकप फुटबॉल के पहले मैच में भी शायद ही खेल पायें। नेमार की दाहिनी पिंडली की चोट अब तक ठीक नहीं हुई है। इस चोट के कारण ही वह पहले अभ्यास मैच में भी नहीं खेल पाये थे। ब्राजीली फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले सके और उन्हें अपनी चोटिल पिंडली के लिए अतिरिक्त मेडिकल जांच करवानी पड़ी। मेडिकल जांच और स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से फुटबॉल मैदान से दूर रखा हुआ है। गौरतलब है कि नेमार ने अंतिम बार 17 मई को ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था, जिसमें उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था। सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को पूरी तरह से ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह का समय लग सकता है। इस अनुमानित रिकवरी अवधि को देखते हुए, विश्व कप के शुरुआती मैचों में नेमार की उपलब्धता को लेकर गंभीर संदेह उत्पन्न हो गया है। नेमार बुधवार को रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में टीम के बाकी सदस्यों के साथ जुड़े थे। हालांकि, अंतिम मेडिकल जांच के परिणामों का अभी भी इंतजार है पर मौजूदा हालातों को देखते हुए उनके विश्वकप के पहले मैच तक ठीक होने की संभावना नहीं है। वहीं नेमार ने शुरुआत में विश्व कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ब्राजील के लिए सबसे अधिक गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले दो सालों से चोटों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। उन्होंने ब्राजील के लिए अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 17 अक्टूबर 2023 को खेला था। 128 मैचों में 79 गोल कर चुके नेमार का बाहर होना ब्राजील के लिए एक बड़ा नुकसान होगा।

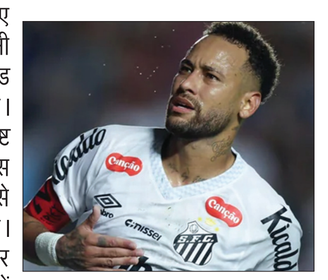

फीफा विश्व कप: 'अब सिर्फ खिताब जीतना है', हैरी केन ने इंग्लैंड का लक्ष्य किया साफ

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 से पहले इंग्लैंड की टीम ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कप्तान हैरी केन और मुख्य कोच थॉमस टुचेल ने कहा है कि टीम का एकमात्र लक्ष्य विश्व चैंपियन बनना और जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना है।

थॉमस टुचेल की अगुआई वाली इंग्लैंड टीम विश्व कप की तैयारियों के लिए फ्लोरिडा पहुंच चुकी है। इंग्लैंड को ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को आर्लिंगटन में क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

विश्व कप से पहले टीम फ्लोरिडा में मौसम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की तैयारी कर रही है। हालांकि, बुकायो साका, डेक्लान राइस, नोनी मडुके और एबेरेची एज़े को यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के बाद अतिरिक्त आराम दिया गया है। वहीं, मार्कस रैशफोर्ड पहले ही मियामी में टीम से जुड़ चुके हैं और गर्म मौसम में विशेष ट्रेनिंग कर रहे हैं।

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में टीम के भीतर एकता लगातार मजबूत हुई है, लेकिन अब समय खिताब जीतने का है। केन ने कहा, 'गैरेथ साउथगेट के शुरुआती दौर में हमने टीम को एकजुट बनाने और क्लब क्रिकेट को पीछे छोड़कर राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने पर काफी काम किया था। हर साल यह भावना और मजबूत होती गई। लेकिन अब उम्मीद सिर्फ एक है–फिनिश लाइन पार करना और ट्रॉफी जीतना।'

इंग्लैंड टीम की आधिकारिक डॉक्यूमेंट्री 'बिल्डिंग द ड्रीम' में भी दिखाया गया कि टुचेल ने खिलाड़ियों के साथ अपनी पहली बैठक में ही विश्व कप जीतने के लक्ष्य पर खुलकर चर्चा की थी।

टुचेल ने खिलाड़ियों से कहा, 'हम यहां क्यों हैं, इसका जवाब बिल्कुल साफ है। हम विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। हम अपनी जर्सी पर दूसरा सितारा जोड़ना चाहते हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम इस लक्ष्य के बारे में खुलकर बात करें। हमारा मिशन और लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है।'

टुचेल का मानना है कि सिर्फ प्रतिभा के दम पर विश्व कप नहीं जीता जा सकता। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम की एकजुटता और आपसी विश्वास सबसे बड़ा अंतर पैदा करता है। उन्होंने कहा, 'सिर्फ टैलेंट काफी नहीं है। यह केवल फुटबॉल, रणनीति या सेट-पीस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में टीम का माहौल और खिलाड़ियों के बीच का रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण होता है।'

टुचेल ने एक विश्व कप विजेता खिलाड़ी का उदाहरण देते हुए कहा कि क्वार्टर फाइनल और फाइनल के बीच फर्क सिर्फ खेल का नहीं, बल्कि टीम के भीतर बने भाईचारे का होता है। उन्होंने कहा, 'जब खिलाड़ी एक परिवार और भाईचारे की तरह जुड़ जाते हैं, तब वे एक-दूसरे के लिए सब कुछ देने को तैयार रहते हैं। यही भावना किसी टीम को चैंपियन बनाती है।' इंग्लैंड ने अब तक सिर्फ एक बार विश्व कप का खिताब जीता है। ऐसे में टुचेल और केन की नजरें इतिहास रचते हुए देश को दूसरा विश्व कप दिलाने पर टिकी हैं।

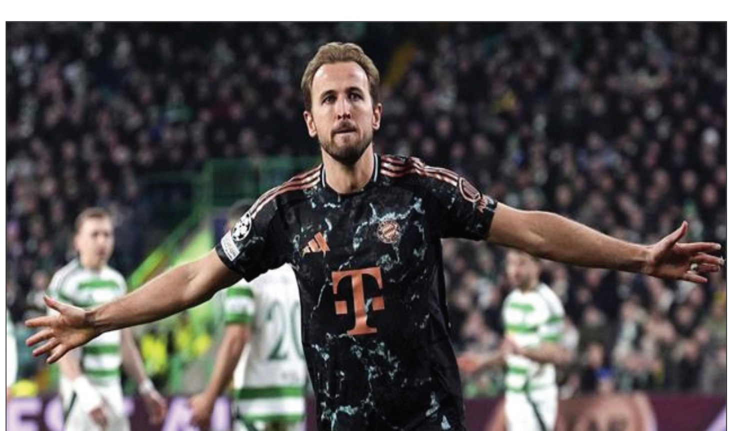

फ्रेंच ओपन 2026 : टियाफो को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अर्नाल्डी

पेरिस । इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 19वें वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। अर्नाल्डी ने पांच घंटे 26 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में टियाफो को 7–6(5), 6–7(5), 3–6, 7–6(3), 6–4 से हराया। इसी के साथ ही 25 साल के अर्नाल्डी ने पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। इस मुकाबले में दोनो ही खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर हुई। पहले सेट में बराबरी के बाद, टियाफो ने अपनी जबरदस्त वापसी की और तीसरे सेट तक बढ़त बना ली। चौथे सेट में 4–1 की बढ़त के साथ ही टियाफो आगे हो गये पर टाईब्रेक में टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाकर अच्छी वापसी की। उन्होंने बैकहैंड शॉट खेलने के बाद ही मैच को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। इसके बाद अर्नाल्डी ने अच्छी लय हासिल कर ली। उन्होंने 4–2 की बढ़त बना ली। इसके बाद टियाफो ने एक बार फिर अच्छे फोरहैंड शॉट लगाकर स्कोर 4–4 से बराबरी पर ला दिया। अर्नाल्डी ने अंत में अपने तीसरे मैच अंक को जीतकर यह मुकाबला जीता। अब उनका मुकाबला अपने ही साथी खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से होगा। इस इस अर्नाल्डी के अलावा इटली के ही बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी है। ये पहली बार है जब एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में इटली के तीन खिलाड़ी पहुंचे हैं।

फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल फैसले के बारे में बात की

सलमान खान के रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 19' की चर्चित कंटेस्टेंट रहीं फरहाना भट्ट ने अपने जीवन के सबसे मुश्किल और भावुक फैसले के बारे में खुलकर बात की।

एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपने सपनों को अहमियत देती हैं। इसी वजह से उन्होंने अपने परिवार से रिश्ता तोड़ लिया और उनसे कहा कि वे उन्हें सार्वजनिक रूप से बेदखल कर दें। फरहाना ने यह कदम अपने सपनों को पूरा करने के लिए उठाया। कश्मीर की रहने वाली फरहाना भट्ट को 'बिग बॉस 19' में अपने बेबाक और निडर व्यक्तित्व के कारण खूब चर्चा मिली। शो के दौरान उनकी अभद्र भाषा पर काफी ट्रोलिंग भी हुई। शो के बाद फरहाना सिंगर और कंपोजर अमाल मलिक के साथ एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आईं। अब वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। फरहाना ने अपनी भावनात्मक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए बताया कि खून के रिश्तों यानी अपनों से उम्मीदें रखना स्वाभाविक है लेकिन जब सबसे मुश्किल वक्त में कोई साथ नहीं देता तो फैसला लेना और भी कठिन हो जाता है। खास बातचीत में फरहाना ने बताया, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम यह था कि मैंने खुद को अपने करीबी खून के रिश्तों से पूरी तरह अलग कर लिया। मैंने उनसे कह दिया कि आप सार्वजनिक रूप से ऐलान कर सकते हैं कि 'वह हमारी नहीं है' या उससे हमारा कोई रिश्ता नहीं है।'

फरहाना ने बताया कि सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। परिवार से दूरी का फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अकेले लड़ने की हिम्मत जुटाई। फरहाना ने बताया, 'जब आपके आसपास सच में कोई नहीं होता, सिर्फ आप और आपकी मां होती हैं और आप परिवार से रिश्ता तोड़ रहे होते हैं, तो उस पल आप खुद को पूरी तरह अकेलेपन के हवाले कर देते हैं। मैंने तय किया कि मैं अकेली रहूंगी, लेकिन अपने सपनों को नहीं छोड़ूंगी। यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जोखिम था।'

एक्टर होना हर बार नई दुनिया में कदम रखने जैसा है

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी फिल्म 'सिस्टम' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच, फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय और अपने किरदार को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए कई दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता का काम बाहर से देखने में जितना आसान लगता है, असल में उतना ही मुश्किल होता है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, ''जब कोई एक्टर किसी नए किरदार को निभाता है, तो वह उसकी पूरी दुनिया में कदम रखता है। हर फिल्म और हर रोल एक अलग जिंदगी की तरह होता है, जिसमें नियम, रिश्ते और परिस्थितियां बिल्कुल नई होती हैं। मुझे अभिनय हमेशा रोमांचक लगता है, क्योंकि हर बार कुछ नया सीखने और महसूस करने का मौका मिलता है।'' सोनाक्षी ने कहा कि किसी भी प्रोफेशन को बाहर से देखकर पूरी तरह समझना मुश्किल होता है। जैसे वकील या डॉक्टर की दुनिया को समझना आसान नहीं होता, वैसे ही फिल्म इंडस्ट्री के अंदर क्या होता है, यह सिर्फ वही लोग जानते हैं जो खुद उस प्रक्रिया का हिस्सा रहे हों। लोग अक्सर सोचते हैं कि फिल्में सिर्फ ग्लैमर और कैमरे तक सीमित होती हैं, लेकिन असल में एक फिल्म के पीछे बहुत सारे लोग, मेहनत और तैयारी होती है, जो मिलकर एक कहानी को आकार देती है।''

फिल्म 'सिस्टम' में सोनाक्षी सिन्हा एक वकील का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम नेहा राजवंश है। उसके पिता रवि राजवंश उन्हें खुद को साबित करने की चुनौती देते हैं और सामने एक शर्त रखते हैं, जिसमें 10 केस जीतने की बात कही जाती है। इस शर्त को पूरा करने के लिए वह हाई-प्रोफाइल केस लड़ती हैं। इस दौरान उसकी मुलाकात अभिनेत्री ज्योतिका के किरदार सारिका रावत से होती है। वह एक स्टेनोग्राफर हैं। फिल्म 'सिस्टम' को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। अश्विनी अय्यर तिवारी ने हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार और तस्नीम लोखंडवाला के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

फिर हिंदी सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं स्नेहा उल्लाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्नेहा उल्लाल ने हाल ही में अपने करियर और निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। साथ ही ऐश्वर्या राय से उनकी तुलना होने पर भी खुलकर चर्चा की।

मजबूरी में रखा था फिल्मों में कदम

अल्फेनियन स्टूडियोज को दिए इंटरव्यू में स्नेहा ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का ऑफर मिला, तब वो सिर्फ 17 साल की थीं और हाल ही में कॉलेज में एडमिशन लिया था। उसी दौरान उनकी मां कैंसर का इलाज करवा रही थीं। घर का माहौल काफी उदास था। ऐसे में उन्होंने ये फिल्म सिर्फ इसलिए साइन की ताकि परिवार का ध्यान थोड़ी देर के लिए उस मुश्किल समय से हट सके। उन्होंने कहा, 'मां को घूमना-फिरना बहुत पसंद था, इसलिए मैंने इस ऑफर को हां कह दिया। उस फैसले ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी, चाहे मुझे एक्टिंग में दिलचस्पी थी या नहीं।' इसी बातचीत में स्नेहा ने ऐश्वर्या राय बच्चन से होने वाली तुलना पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब ऐश्वर्या मिस वर्ल्ड बनी थीं, तभी से लोग कहते थे कि दोनों की शक्ल काफी मिलती है। बाद में सलमान खान के साथ डेब्यू करने की वजह से लोगों ने अलग-अलग बातें बनानी शुरू कर दीं, लेकिन मैं उस समय बहुत छोटी थी, इसलिए इन चीजों का मुझ पर ज्यादा असर नहीं पड़ा।

सिनेमा में वापसी करना चाहती हैं एक्ट्रेस

वर्कफ्रंट की बात करें तो बॉलीवुड के बाद स्नेहा ने साउथ फिल्मों में भी काम किया। अब वो धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। स्नेहा का कहना है कि वो इंडस्ट्री में अच्छे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और अब उन्हें साफ पता है कि वो किस तरह की एक्ट्रेस बनना चाहती हैं।

'ब्राउन' में सस्पेंस और अंधेरे से भरी दुनिया में दिखेंगी करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज 'ब्राउन' का टीजर जारी कर दिया गया है। जी5 पर रिलीज होने वाली इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर में करिश्मा अब तक के अपने सबसे अलग और इंटेंस अवतार में नजर आएंगी। टीजर में करिश्मा कोलकाता पुलिस की अफसर रीटा ब्राउन की भूमिका निभाती दिख रही हैं, जो अपने निजी संघर्षों और शहर में हो रहे खौफनाक अपराधों से जूझती नजर आती हैं। कोलकाता की रहस्यमयी और अंधेरी पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज सिर्फ एक मर्डर मिस्ट्री नहीं, बल्कि मानसिक संघर्ष और अपराध की गहरी परतों को दिखाने वाली कहानी है। टीजर में करिश्मा का रफ और बिना ग्लैमर वाला लुक है। इस वेब सीरीज का निर्देशन अभिनय देव ने किया है।

रणदीप ने 'छावा' में ठुकराया औरंगजेब का रोल

एक्टर रणदीप हुड्डा लक्ष्मण उतेकर की अपकमिंग फिल्म 'ईथा' में श्रद्धा कपूर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि उन्हें 2025 की हिट फिल्म 'छावा' में मुगल बादशाह औरंगजेब का रोल ऑफर हुआ था। इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। यह फिल्म बहुत बड़ी हिट साबित हुई। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। हुड्डा ने बताया कि उन्होंने औरंगजेब के रोल को ठुकरा दिया था। बाद में यह रोल अक्षय खन्ना ने निभाया। औरंगजेब का रोल ठुकराने की वजह बताते हुए रणदीप ने 'जूम' को बताया कि जब डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने उनसे 'छावा' के लिए संपर्क किया था, तब वे मानसिक रूप से सही स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस समय उनका वजन बहुत कम था और उन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा था। उन्होंने उस वक्त 'सावरकर' की शूटिंग पूरी की थी। उन्होंने कहा 'मैं एक केस से गुजर रहा था और उस पूरे घटनाक्रम से जुड़े कई पेचीदा मसले थे। मैं उस रास्ते पर बिल्कुल नहीं जाना चाहता था। ऐसे में जब मेरे पास यह प्रोजेक्ट (ईथा) मेरे सामने आया, तो मुझे यह काफी लुभावना लगा।'

'छावा' 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी के जीवन पर आधारित थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'छावा' का बजट 130 करोड़ रुपये था। इसने बॉक्स ऑफिस पर 804 करोड़ रुपये से ज्यादा कलेक्शन किया था।

कई बार सेल्फ डाउट से गुजरी हूं

आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गईं। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत।

आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, 'मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं। मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं।

शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए

एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फ डाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, 'ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।' मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया।

चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फ वर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, 'हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, 'चार दिन पहले' क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, 'डोंट बी अ वोक'(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज़्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी।'

बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है

रूबीना बताती हैं, 'मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।' अपने शो के बारे में वे कहती हैं, 'यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, 'मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?' लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के आयोवा में अंधाधुंध गोलीबारी, सात लोगों की मौत; पुलिस बोली- घरेलू कलह में नरसंहार

आयोवा (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका के आयोवा राज्य के मस्कटाइन में सोमवार को एक घरेलू विवाद के कारण गोलीबारी हुई। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस विभाग के अनुसार, बंदूकधारी ने भी खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बंदूकधारी की पहचान 52 वर्षीय रयान विलिस मैकफार्लैंड के रूप में की है। उसने तीन अलग-अलग स्थानों पर छह व्यक्तियों की हत्या की। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। मस्कटाइन पुलिस विभाग को दोपहर करीब 12:12 बजे गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारी और आपातकालीन चिकित्सा कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। एक घर के अंदर दाखिल होने पर, अधिकारियों ने चार लोगों के शव बरामद किए। सभी को गोली लगी थी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला कि गोलीबारी घरेलू विवाद से संबंधित थी। सभी पीड़ित संदिग्ध के परिवार के सदस्य माने जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़ितों के नाम और उम्र जारी नहीं किए हैं। संदिग्ध मैकफार्लैंड अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था। कानून प्रवर्तन ने उसे रिवरफ्रंट ट्रेल पर पाया। उसे पैदल यात्री पुल के पास खुद को गोली लगी हुई मिली। अधिकारियों ने उसे चिकित्सा सहायता दी, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस ने एक अन्य घर में एक वयस्क पुरुष को भी मृत पाया। कारोबार स्थल पर भी एक वयस्क पुरुष को मृत पाया गया। मस्कटाइन पुलिस अधीक्षक एंथोनी कीस ने इन मामलों को भी आपराधिक कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध का आपराधिक रिकॉर्ड है। पुलिस ने बताया कि इस वारदात की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

इराक में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान अमेरिकी और ब्रिटिश सैनिक की मौत, जानें कैसे हुआ हादसा

वाशिंगटन,एजेंसी। इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र में एक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान एक अमेरिकी और एक ब्रिटिश सैनिक की मौत हो गई। अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की, हालांकि दोनों देशों ने घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की है। अमेरिकी सेना के अनुसार, यह घटना रविवार को इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र में स्थित इरबिल एयरबेस पर हुई। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बताया कि मृत अमेरिकी सैनिक की पहचान अभी गोपनीय रखी गई है। सैनिक के परिजनों को सूचना दिए जाने के 24 घंटे बाद ही उसका नाम सार्वजनिक किया जाएगा। वहीं, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने अलग बयान जारी कर कहा कि ब्रिटिश सैनिक के परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है। मंत्रालय ने परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि अधिक जानकारी साझा करने से पहले उन्हें कुछ समय दिया जाए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका इराक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के खिलाफ अभियान के तहत तैनात अपने सैनिकों की संख्या लगातार कम कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिकी सेना की कुर्द क्षेत्र में मौजूदगी बनी हुई है। अमेरिका इस क्षेत्र के साथ अपने रणनीतिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इसी रणनीति के तहत अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में इरबिल में एक नए और बड़े वाणिज्य दूतावास परिसर का उद्घाटन किया था।

कनाडा में यहूदी समुदाय पर बढ़ रहे हमले', पीएम मार्क कार्नी बोले- सरकार समुदाय की सुरक्षा में नाकाम

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि देश यहूदी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहा है और यहूदी नागरिक लगातार नफरत तथा हिंसा का शिकार बन रहे हैं। टोरंटो के होली ब्लॉसम टेंपल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कनाडा में यहूदी विरोधी घटनाएं द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। कार्नी ने कहा कि पिछले वर्ष कनाडा में धर्म के आधार पर दर्ज कुल घृणा अपराधों में दो-तिहाई से अधिक मामले यहूदी समुदाय के खिलाफ थे, जबकि देश की कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। उन्होंने माना कि कनाडा का सामाजिक ढांचा यहूदी नागरिकों को पर्याप्त सुरक्षा देने में असफल साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि यहूदी स्कूलों पर गोलियां चलाई गईं, आराधना स्थलों पर पेट्रोल बम फेंके गए और सामुदायिक केंद्रों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा यहूदी स्वामित्व वाले कारोबारों पर हमले हुए और विश्वविद्यालय परिसरों में यहूदी छात्रों को असुरक्षित माहौल का सामना करना पड़ा। कार्नी ने कहा कि यहूदी विरोधी घटनाएं केवल कनाडा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी बढ़ी हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि कनाडा में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है और इससे निपटने के लिए लक्षित कदम उठाने की जरूरत है।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले- मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता

वाशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल में बड़ी संख्या में लोगों ने सेना में अनिवार्य भर्ती के विरोध में सड़कों और ट्रेनों को अवरुद्ध करते हुए पूरे देश में प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग ठप्प हो गए और यरुशलम और तेल अवीव मेट्रो क्षेत्र दोनों में भारी भीड़ के कारण सार्वजनिक परिवहन बाधित हो गया। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, अति-रूढ़िवादी दलों ने अपने अनुयायियों को सैन्य सेवा से छूट दिलवाकर धार्मिक शिक्षा संस्थानों में अध्ययन करने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। वहीं, अब इन छूटों पर खतरा मंडरा रहा है। कई मोर्चों पर युद्ध लड़ते हुए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रही इस्राइली सेना अनिवार्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। अधिकांश इस्राइली पुरुषों के लिए लगभग तीन वर्ष की सैन्य सेवा अनिवार्य है, जिसके बाद उन्हें कई वर्षों तक आरक्षित सेवा में रहना पड़ता है। वहीं, महिलाओं के लिए दो वर्ष की अनिवार्य सेवा होती है।

ईरान के शांति वार्ता रोकने की खबरों पर ट्रंप बोले- मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान द्वारा वाशिंगटन के साथ वार्ता रोकने की खबरों से उन्हें कोई चिंता नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि तेहरान ने वार्ता में बहुत अधिक समय ले लिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना उनका सर्वोपरि उद्देश्य बना हुआ है।एक फोन साक्षात्कार में ट्रंप ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि वार्ता में विफलता से उनके दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा, जबकि तेल बाजारों ने उन रिपोर्टों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि ईरान वार्ता जारी रखने के लिए अनिच्छुक है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान के साथ बातचीत खत्म हो गई है, तो उन्होंने कहा, 'मुझे परवाह नहीं है कि वे खत्म हो गई हैं या नहीं, सच कहूं तो। मुझे बिल्कुल परवाह नहीं है। मुझे जरा भी परवाह नहीं है।'

अमेरिका ने ईरान के रडार-कंट्रोल साइट्स पर किया हमला, सेंटकॉम ने कहा-आत्मरक्षा में की कार्रवाई : अमेरिका ने दावा किया है कि उसने शनिवार और रविवार को ईरान में रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमले किए हैं। यूएस सेंट्रल कमांड - सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हफ्ते के आखिर में ईरान के गोरुक और केश्म आइलैंड में ईरानी रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर आत्मरक्षा में हमला किया गया। इनको सेंटकॉम ने जवाबी कार्रवाई करार दिया है। दरअसल, इससे पहले ईरान ने अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन यह कहते हुए मार गिराया था कि यह ड्रोन उनके समुद्री क्षेत्र में था। इसके बाद अमेरिकी लड़ाकू विमान तुरंत सक्रिय हुए और ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को तबाह कर दिया। अमेरिका ने इन्हें वहां से गुजर रहे जहाजों के लिए खतरा बताया था। इस बीच कुवैत ने कहा कि उस पर ड्रोन-मिसाइल हमले किए गए जिन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचने से रोकने के लिए उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने कार्रवाई शुरू कर दी। ये हमले युद्धविराम प्रयासों के बीच नाजुक हालात दर्शाने वाले हैं। ईरान व अमेरिका दोनों ने सैन्य ठिकानों पर हमले कर एक-दूसरे पर आक्रामक कार्रवाई का आरोप लगाया है, जबकि 3 माह से जारी युद्धविराम के राजनयिक प्रयास थमते दिख रहे हैं। ईरान के होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ बरकरार रखने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित है। ईरान द्वारा एमक्यू-1 ड्रोन मार गिराने के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, एक जमीनी नियंत्रण केंद्र और दो ऐसे ड्रोन को नष्ट कर दिया जो क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहे पोतों के लिए स्पष्ट खतरा पैदा कर रहे थे। अमेरिकी वायुसेना प्रीडेटर ड्रोन को सेवा से हटा चुकी है। वह अब एमक्यू-9 रीपर ड्रोन उपयोग करती है लेकिन अमेरिकी थल सेना अब भी प्रीडेटर ड्रोन का उपयोग करती है। सेना ने कहा, कोई अमेरिकी हताहत नहीं हुआ है।

निश्चिंत रहें, सब ठीक हो जाएगाः ट्रंप : राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार तड़के 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, ईरान सचमुच समझौता करना चाहता है और यह अमेरिका एवं हमारे साथ खड़े देशों के लिए अच्छा समझौता होगा। बस निश्चिंत रहिए, अंत में सब ठीक हो जाएगा -हमेशा ऐसा ही होता है। उधर, ईरान ने कहा है कि समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ट्रंप ने भी शनिवार की बैठक में यह तय नहीं किया कि युद्धविराम अवधि बढ़ाने पर आगे बढ़ना है या नहीं। नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनावों से पहले ट्रंप पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर खोलने व अमेरिकी तेल दाम घटाने का दबाव बढ़ रहा है। मतदाताओं में असंतोष के साथ ही ट्रंप को अपनी ही पार्टी के ईरान विरोधी नेताओं का विरोध झेलना पड़ रहा है। ऐसे में होर्मुज व ईरानी समृद्ध यूरेनियम पर ट्रंप का दबाव ईरान नहीं मान रहा।

'ट्रंप प्रशासन की लापरवाही से ताकतवर हो सकती है चीनी सेना', अमेरिकी सांसदों ने क्यों लगाए ये गंभीर आरोप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर निर्यात नियंत्रण नियमों में खामी छोड़ने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस चूक के कारण अमेरिका की अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) चिप्स चीनी कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिससे चीन की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा मिलने की आशंका है। मैसाचुसेट्स की सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन और न्यू जर्सी के सीनेटर एंडी किम ने कहा कि पिछले 18 महीनों में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट न करने के कारण उन्नत अमेरिकी तकनीक अनजाने में चीन स्थित कंपनियों तक पहुंच सकती है।

दोनों सांसदों ने संयुक्त बयान में कहा, 'ट्रंप प्रशासन ने पिछले डेढ़ साल में निर्यात नियंत्रण नियमों को अपडेट नहीं किया, जिससे अमेरिका की सबसे उन्नत ढ्ढ चिप्स उन कंपनियों तक पहुंच सकती हैं, जिनके मुख्यालय चीन में मौजूद हैं और इससे चीन की सैन्य शक्ति को बढ़ावा मिल सकता है।' यह बयान अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा निर्यात प्रतिबंधों में मौजूद एक संभावित खामी को दूर करने के कदम के बाद आया है। यह खामी उन उन्नत ढ्ढ प्रोसेसरों से जुड़ी थी, जिनका निर्माण एनवीडिया और एएमडी जैसी कंपनियां करती हैं। वाणिज्य विभाग के ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी ने साफ

किया है कि चीन मुख्यालय वाली कंपनियों को निर्यात किए जाने वाले उन्नत चिप्स पर लाइसेंस संबंधी शर्तें लागू होंगी, भले ही वे कंपनियां विदेशों में स्थित अपनी सहायक इकाइयों के माध्यम से काम कर रही हों। अमेरिकी अधिकारियों को आशंका थी कि चीन की कुछ कंपनियां विदेशों में मौजूद अपनी सहयोगी इकाइयों के जरिए उन्नत सेमीकंडक्टर हासिल कर रही थीं, जबकि अमेरिका लंबे समय से चीन की अत्याधुनिक ढ्ढ तकनीक तक पहुंच रोकने की कोशिश कर रहा है। सीनेट बैंकिंग समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य वॉरेन और राष्ट्रीय सुरक्षा व अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त उपसमिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य किम ने कहा कि प्रशासन को इस मुद्दे पर तुरंत साफ और व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। उन्होंने कहा, 'वाणिज्य विभाग आज ही इस खामी को बंद कर सकता है और अमेरिकी तकनीक को चीनी सेना तक पहुंचने देने के बजाय स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाने चाहिए।' दोनों सांसदों ने इस मामले में कांग्रेस से भी जांच की मांग की।

यूएस ने तीन हफ्तों में 70 जहाजों को निकाला सुरक्षित, होर्मुज के हालातों पर अमेरिकी सेना ने क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह सभी जहाज फारस की खाड़ी में आने और वहां से बाहर जाने वाले थे। बताया गया है कि अधिकतर जहाजों ने अपनी लोकेशन बताने वाले ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। अमेरिका का कहना है कि ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले का खतरा बना हुआ है। इसी कारण अमेरिकी सेना लगातार जहाजों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। यह समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है। दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। युद्ध शुरू होने से पहले यहां से हर दिन 100 से ज्यादा व्यापारिक जहाज गुजरते थे। लेकिन अब तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

क्या ईरान के हमले के डर से जहाज बदल रहे हैं रास्ता : अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो जहाज ईरान की मंजूरी के बिना उसके समुद्री इलाके के करीब जाते हैं, उन पर हमले का बड़ा खतरा रहता है। इसी वजह से कई जहाज अब ओमान की तरफ वाले समुद्री रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिपिंग विशेषज्ञों के अनुसार डार्क पैसेज यानी पहचान छिपाकर की जा रही यात्रा की वजह से इन जहाजों की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी। इसके बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बना हुआ है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान अभी भी इस समुद्री रास्ते पर नियंत्रण दिखाने की कोशिश कर रहा है। वहीं अमेरिका ने भी जहाजों की गतिविधियों पर सख्त निगरानी बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने पांच व्यापारिक जहाजों को रोकने और 116 जहाजों का रास्ता बदलने की कार्रवाई भी की है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल सप्लाई प्रभावित होने से पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। कई देशों को ऊर्जा संकट और महंगाई की चिंता सताने लगी है।

दो देशों के बीच ड्रग्स तस्करी के लिए खोदी सुरंग, लिफ्ट से लेकर रेल तक की सुविधा; 427 करोड़ ? की कोकीन जब्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसियों ने मेक्सिको से दक्षिणी कैलिफोर्निया तक फैली एक अत्याधुनिक भूमिगत सुरंग का भंडाफोड़ किया है। इसके साथ ही करीब 427 करोड़ रुपये की एक टन से अधिक कोकीन भी जब्त की है। अधिकारियों ने इसे एक शक्तिशाली मैक्सिकन ड्रग कार्टेल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताया है।

कई महीनों तक चली निगरानी के बाद इस गुप्त तस्करी मार्ग का खुलासा हुआ, जो अमेरिका-मेक्सिको सीमा के पास स्थित एक कथित खुदरा स्टोर के नीचे से होकर गुजरता था। इस मामले में चार लोगों पर मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं।

रिटेल स्टोर के नीचे बनाई थी सुरंग : यह भूमिगत सुरंग मेक्सिको के तिजुआना शहर से कैलिफोर्निया के ओटे मेसा पोर्ट ऑफ एंट्री के पास स्थित 'बाय 4

लेस' नामक कथित स्टोर तक जाती थी। संघीय अधिकारियों के अनुसार, सुरंग की लंबाई करीब 1,933 फीट थी और यह जमीन से लगभग 55 फीट नीचे बनाई गई थी। इसमें मजबूत दीवारें, बिजली, वेंटिलेशन सिस्टम और रेल नेटवर्क भी मौजूद था। इस मामले में सैन डिएगो निवासी ग्रेगोरियो एपिफानियो हर्नांडेज लोपेज, मेक्सिको के ब्रैंडन एस्कालांते सैंडोवल, सैन डिएगो के जोस जिमेनेज और मेक्सिको के एंटोनियो कॉर्टेज पर आरोप लगाए गए हैं। हर्नांडेज लोपेज पर सीमा पार सुरंग के इस्तेमाल की साजिश और नियंत्रित पदार्थों के आयात की साजिश का आरोप है। वहीं, चारों आरोपियों पर नियंत्रित पदार्थों के वितरण की साजिश का मामला दर्ज किया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी एडम गॉर्डन ने कहा, 'इन आरोपियों के लिए सुरंग के आखिर में रोशनी नहीं थी, बल्कि पुलिस की लाइटें और सायरन थे।' यह जांच होमलैंड सिक्योरिटी टास्क फोर्स ने दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच की। एजेंसियों ने पाया कि 'बाय 4 लेस' नामक व्यवसाय में ग्राहकों की आवाजाही बेहद कम थी और उसकी गतिविधियां सामान्य खुदरा कारोबार से मेल नहीं खाती थीं। जांचकर्ताओं ने हर्नांडेज और अन्य लोगों को कई बार बड़े सूटकेस परिसर से बाहर ले जाते और अन्य संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होते देखा। तलाशी के दौरान अधिकारियों को 851 पैकेट मिले, जिनमें मौजूद पदार्थ की जांच में कोकीन होने की पुष्टि हुई। जब्त खेप में एक ट्रक से 286.2 किलोग्राम, दूसरे ट्रक से 469.4 किलोग्राम और एक वैन से 274 किलोग्राम कोकीन बरामद हुई। कुल मिलाकर लगभग 1,029.6 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई।

ट्रंप की नाराजगी के बाद पीछे हटे नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा- अब लेबनान पर नहीं करेंगे हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेबनान की राजधानी बेरूत पर बड़े सैन्य हमले से रोक दिया है। ट्रंप के अनुसार, उनकी अपील के बाद नेतन्याहू ने अपने सैनिकों को वापस लौटने का निर्देश दिया। ट्रंप ने सोमवार शाम अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, 'आज मेरी बीबी नेतन्याहू से बातचीत हुई। मैंने उनसे बेरूत पर बड़े हमले से बचने का अनुरोध किया और उन्होंने अपने सैनिकों को वापस मोड़ दिया। धन्यवाद बीबी।'

ट्रंप ने फोन पर नेतन्याहू से जताई नाराजगी : यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी मीडिया में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को बेहद तनावपूर्ण और तीखी बताया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, यह फोन कॉल उस समय हुई जब ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के कारण अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को समाप्त करने की चेतावनी दी थी। इससे पहले नेतन्याहू ने कहा था कि अगर हिजबुल्ला इस्राइल पर हमले नहीं रोकता तो बेरूत में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उन्होंने हिजबुल्लाह नेतृत्व के प्रतिनिधियों से बातचीत की, जिन्होंने इस्राइल और उसके सैनिकों पर गोलीबारी रोकने पर सहमति जताई। ट्रंप के अनुसार, इस्राइल ने भी जवाबी कार्रवाई रोकने पर सहमति दी है। उन्होंने कहा, 'देखते हैं यह व्यवस्था कितने समय तक चलती है। उम्मीद है कि यह हमेशा के लिए बनी रहे।'

ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बेहद गरमागरम माहौल में हुई बात : इस बीच, अमेरिकी समाचार वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप और नेतन्याहू के बीच बातचीत के दौरान माहौल बेहद गरम रहा। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि ट्रंप ने नेतन्याहू की कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई और उन्हें फटकार लगाई। एक अन्य अधिकारी के अनुसार, बातचीत के दौरान ट्रंप ने नेतन्याहू पर दबाव बनाते हुए हमला रोकने की मांग की, जिसके बाद इस्राइली प्रधानमंत्री ने सहमति जताई। उधर, ट्रंप ने एनबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि उन्हें ईरान के साथ वार्ता निलंबित किए जाने की जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत बंद भी होती है तो यह कोई असामान्य बात नहीं है। सप्ताहांत से लेकर सोमवार तक अमेरिका और ईरान के बीच हमलों और जवाबी हमलों का दौर जारी रहा, जिससे करीब दो महीने पुराने संघर्षविराम पर संकट गहरा गया है। हालांकि संघर्षविराम लागू है, इसके बावजूद इस्राइल लेबनान में सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। हाल ही में इस्राइली सेना ने लेबनान में 26 वर्षों के दौरान अपनी सबसे गहरी सैन्य घुसपैठ को अंजाम दिया।

अमेरिका: अवैध तरीके से ट्रक चलाने वाले 30 भारतीय गिरफ्तार, जल्द होगा निर्वासन; ऑपरेशन चेकमेट के तहत कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे और व्यावसायिक ट्रक चलाने वाले लगभग 30 भारतीयों को एक संघीय अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा है कि इन सभी को जल्द ही देश से निर्वासित किया जाएगा। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि 11 से 15 मई के बीच एरिजोना के युमा सेक्टर में चलाए गए 'ऑपरेशन चेकमेट' के दौरान सीमा गश्ती एजेंटों ने 52 लोगों को गिरफ्तार किया, जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे। इनमें 36 लोग ऐसे थे जो सेमी-ट्रक चला रहे थे। गिरफ्तार किए गए 36 अवैध ट्रक चालकों में 30 भारतीय नागरिक थे। इसके अलावा मेक्सिको, अल सल्वाडोर और रूस के छह नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इन लोगों के पास कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन और वर्जीनिया जैसे राज्यों से जारी वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस थे, जबकि कुछ के पास किसी भी प्रकार का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था।

दस्तावेजों की वैधता हो चुकी थी खत्म : एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ज्यादातर लोगों के पास रोजगार प्राधिकरण दस्तावेज थे, जो पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में हासिल किए गए थे, लेकिन अब उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। सीबीपी ने कहा कि सभी गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ संघीय कानून के तहत कार्रवाई की गई है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि

'ऑपरेशन चेकमेट' का उद्देश्य आव्रजन कानूनों को लागू करते हुए देश में वाणिज्यिक मोटर वाहन चला रहे अवैध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना तथा सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करना है। अमेरिकी सीमा गश्ती बल के युमा सेक्टर के कार्यवाहक प्रमुख एजेंट डस्टिन कॉडल ने कहा, 'ऑपरेशन चेकमेट हमारी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत हम समुदायों और सड़कों को ऐसे अवैध चालकों से सुरक्षित रखना चाहते हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने जारी किया था कार्रवाई का आदेश : उन्होंने कहा कि संघीय एजेंट प्रतिदिन गश्त कर रहे हैं ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके और अमेरिका की सड़कों पर होने वाली घातक दुर्घटनाओं को टाला जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान अमेरिकी परिवहन विभाग ने अयोग्य विदेशी चालकों को वाणिज्यिक ट्रक और बस चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने से रोकने संबंधी आदेश भी जारी किया था। पिछले कुछ महीनों में अमेरिका में भारतीय मूल के कई ट्रक चालकों को वाणिज्यिक वाहन चलाते समय घातक सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आरोप तय किए गए हैं।

सैनिकों की कमी से जूझ रहे इस्राइल में बवाल: सैन्य भर्ती के खिलाफ कट्टरपंथी यहूदी सड़कों पर उतरे, हिंसा-आगजनी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में सोमवार को हजारों अति-रूढ़िवादी (अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स) यहूदियों ने देशभर में प्रदर्शन किया। जिससे हिंसा और बवाल की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सड़कों और रेल मार्गों को अवरुद्ध कर दिया तथा कई स्थानों पर वाहनों में आग लगा दी, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इस्राइली पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को जाम कर दिया और एक स्थान पर बस से उतरे एक सैनिक पर भी हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन और घुड़सवार बल का सहारा लेना पड़ा।

विरोध प्रदर्शन के कारण यरुशलम और तेल अवीव महानगरीय क्षेत्र समेत देश के मध्य हिस्से में यातायात व्यवस्था लगभग ठप हो गई। कई राजमार्ग बंद कर दिए गए और सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित रहीं। इस्राइल में अधिकांश यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, राजनीतिक रूप से प्रभावशाली अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को लंबे समय से धार्मिक शिक्षण संस्थानों में अध्ययन के आधार पर सैन्य सेवा से छूट मिलती रही है। अब इस छूट पर खतरा मंडरा रहा है।

आम नागरिक कट्टरपंथी यहूदियों को मिली छूट से नाराज : कई आम इस्राइली नागरिक इस व्यवस्था से नाराज हैं, क्योंकि लगातार सैन्य अभियानों के चलते इस्राइली सेना सैनिकों की कमी से जूझ रही है, जिससे सेना पर दबाव बढ़ रहा है। इस बीच भी अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय के अधिकांश युवा भर्ती से बाहर रहते हैं। यही मुद्दा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी संकट बन गया है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स दलों द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद समय से पहले चुनाव की आशंका भी बढ़ गई है।

क्या कहते हैं आंकड़े : संसदीय समिति के आंकड़ों के अनुसार, हर साल

करीब 13,000 अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स युवा 18 वर्ष की भर्ती आयु तक पहुंचते हैं, लेकिन इनमें से 10 प्रतिशत से भी कम सेना में शामिल होते हैं। सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही इस्राइली सेना अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रही है। वर्तमान में अधिकांश यहूदी पुरुषों को लगभग तीन वर्ष और महिलाओं को दो वर्ष की अनिवार्य सैन्य सेवा देनी होती है, जिसके बाद रिजर्व ड्यूटी भी करनी पड़ती है।

कट्टरपंथी यहूदी प्रदर्शनकारी बोले- ये उनके अस्तित्व की लड़ाई : यरुशलम में प्रदर्शनकारी इजराइल ट्रॉपर ने कहा, 'यह समुदाय इसे अपने अस्तित्व की लड़ाई मानता है। सेना में शामिल होने का मतलब धर्म से समझौता करना है। हम अपना धर्म नहीं छोड़ना चाहते, इसलिए यह हमारे लिए जीवन-मरण का सवाल है।' कई प्रदर्शनकारियों ने ऐसे पोस्टर भी उठाए जिन पर लिखा था, 'हम जियोनिस्ट बनकर जीने से बेहतर यहूदी बनकर मरना पसंद करेंगे और हम जियोनिस्ट विचारधारा के लिए सेना में सेवा नहीं करेंगे।'

क्या है इस विवाद की वजह : इस्राइल की आबादी का लगभग 13 प्रतिशत हिस्सा अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय का है और यह देश का सबसे तेजी से बढ़ता जनसमूह माना जाता है। 1948 में इस्राइल की स्थापना के समय से ही धार्मिक अध्ययन करने वाले छात्रों को सैन्य सेवा से छूट दी जाती रही है। इन छूटों और धार्मिक शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को 26 वर्ष की आयु तक मिलने वाली सरकारी आर्थिक सहायता को लेकर लंबे समय से विवाद बना हुआ है। वर्तमान में इस्राइल गाजा, लेबनान और सीरिया में सैन्य मौजूदगी बनाए हुए है, जबकि ईरान के साथ संघर्ष की स्थिति ने भी सेना पर अतिरिक्त दबाव डाला है।

इस्राइल के सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 में इन छूटों को अवैध करार दिया था, लेकिन लगातार समय-विस्तार और सरकारी प्रक्रियाओं के कारण यह व्यवस्था अब तक जारी है। इस्राइल के अधिकांश यहूदियों के लिए सैन्य सेवा सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा और वयस्कता की पहचान मानी जाती है। वहीं, अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स समुदाय को आशंका है कि सेना में भर्ती होने से उनके युवाओं पर धर्मनिरपेक्ष प्रभाव बढ़ेगा और उनकी पारंपरिक जीवनशैली प्रभावित होगी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.